भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 8 जुलाई 2026 | 24 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 74, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल अस्त्र मिसाइल की भी डील; भारत-इंडोनेशिया के बीच कुल 20 समझौते

एजेंसी, जकार्ता। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही।

इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए। मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया। वे बुधवार को इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन जाएंगे। यह मंदिर 1000 साल से ज्यादा पुराना है।

मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

भारत-इंडोनेशिया के बीच चार बड़े समझौते

- **भारत** इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में मदद करेगा। इसे भारत की चुनावी व्यवस्था पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है।
- **ऑपरेशन** सिंदूर में भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल के प्रदर्शन के बाद इंडोनेशिया ने इसे खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की यूनिट भी उपलब्ध कराएगा।
- **महत्वपूर्ण** खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए भारत इंडोनेशिया में स्टील, निकेल और रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्माण में निवेश करेगा।
- **भारत** और इंडोनेशिया मिलकर सबांग बंदरगाह का विकास करेंगे। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य पर स्थित है और भारत के ग्रेट निकोबार पोर्ट प्रोजेक्ट से करीब 100 मील की दूरी पर है।

भारत-इंडोनेशिया में सप्लाई चेन को मजबूत करना जरूरी

पीएम मोदी ने कहा तकनीक के दौर में सप्लाई चेन मजबूत करना बेहद जरूरी है। भारत और इंडोनेशिया ने क्रिटिकल मिनरल्स और स्टील सेक्टर की सप्लाई चेन को मजबूत करने पर अहम समझौता किया है। साथ ही स्टेनलेस स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में दोनों देशों की कंपनियां नई साझेदारी करेंगी। भारत का यूपीआई जल्द ही इंडोनेशिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ेगा। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार करना और यात्रा करना आसान होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रांबानन मंदिर जाएंगे।

इंडोनेशिया से सम्मान मिला, यहां की सरकार का शुक्रिया

मोदी ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद कहा, आज सुबह मुझे बहुत प्यार व सम्मान के साथ इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान करोड़ों भारतीयों का है। यह इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं और हमारे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, गहरे संबंधों को दर्शाता है। मैं राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया सरकार और यहां के लोगों का दिल से धन्यवाद करता हूं।' हाल के साल में, भारत और इंडोनेशिया के संबंधों में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और गहराई आई है। 2018 में शुरू हुई हमारी 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' अब नई ऊंचाइयों को छू रही है। हम विकास, सुरक्षा, तकनीक, संस्कृति और शिक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।

दुनिया में उथल-पुथल, हम शांति के समर्थन में

मोदी ने कहा कि दुनिया में मची उथल-पुथल के इस दौर में भारत का मानना है कि बातचीत और कूटनीति की भूमिका पहले से कहीं ज्यादा अहम हो गई है। फिलिस्तीन के मुद्दे पर, हम 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' (दो-देश समाधान) और लंबे समय तक शांति का समर्थन करते हैं। हमारे दोनों देशों के लिए एक सुनहरा दौर आने वाला है। हमारे इतिहास में एक जैसी संस्कृति, वर्तमान में आपसी भरोसा और भविष्य में साझा समृद्धि है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम मिलकर 'इंडोनेशिया एमास' (स्वर्ण इंडोनेशिया) और एक विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे।

न्यूज शॉर्ट्स

सीरिया में राष्ट्रपति मैक्रों के दौरे के बीच धमाका

एजेंसी, दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दौरे के बीच मंगलवार को धमाके हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों जिस फोर सीजंस होटल में रुके थे, उससे 125 मीटर दूर दो ब्लास्ट हुए हैं। मैक्रों सोमवार को दमिश्क पहुंचे थे। सीरियाई मीडिया के मुताबिक, धमाकों में 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 4 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में घटनास्थल से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और सड़कों को बंद कर दिया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी पैलेस ने बताया कि मैक्रों पूरी तरह सुरक्षित हैं। धमाके से पहले मैक्रों सीरियाई राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए रवाना हो चुके थे। उनके काफिले तक धमाकों की आवाज भी नहीं पहुंची। इसके बाद भी उन्होंने अपना तय कार्यक्रम जारी रखा।

ट्रक में पीछे से घुसी तेज रफ्तार कार, 5 की मौत

एजेंसी, मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में नेशनल हाइवे-30 पर हुए सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नादन देहात थाना क्षेत्र के रिगरा गांव के पास देररात करीब 2 बजे हुआ। तेज रफ्तार महिंद्रा एक्सयूवी-700 आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर में एसयूवी के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी छह युवक वाहन के अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही डायल-112, हाइवे पेट्रोलिंग और नादन देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी युवकों को वाहन से बाहर निकाला गया। इनमें पांच की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को अमरपाटन सिविल अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए सतना रेफर किया गया।

लड़कियां पढ़ाई के दौरान हो जाती हैं प्रेग्नेंट : यूपी गवर्नर

एजेंसी, लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है? सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से। राज्यपाल लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के तौर पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा- मैं लव मैरिज के खिलाफ नहीं हूं, आप करिए लव मैरिज। आपको उनसे प्रेम है, उनको आपसे प्रेम है, तो शादी करिए। लेकिन, शादी तभी करिए, जब आत्मनिर्भर हो जाइए।

खामेनेई की अंतिम यात्रा के बीच होर्मुज में हुए ईरानी हमले

एजेंसी, वॉशिंगटन। पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के बीच ईरान ने मंगलवार को होर्मुज में फिर हमले शुरू कर दिए हैं। सरकारी मीडिया आईआरआईबी ने दावा किया कि होर्मुज में कतर के तेल टैंकर अल-रकायत को निशाना बनाया गया। ईरान ने कहा कि होर्मुज से कमर्शियल जहाज हमारे बताए रास्तों से नहीं गुजर रहे हैं। इसके बिना हम सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते हैं। ईरान ने कहा कि अभी होर्मुज में हालात वैसे नहीं हुए हैं, जैसे अमेरिकी हमलों से पहले थे।

केरल के वायनाड में सुरंग परियोजना में भूस्खलन, तीन मजदूरों की मौत, कई दबे

एजेंसी, वायनाड। केरल के वायनाड जिले के कल्लाडी क्षेत्र में निर्माणाधीन ट्विन-टनल परियोजना स्थल पर मंगलवार को हुए भीषण भूस्खलन में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों को आशंका है कि कई मजदूर अब भी मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। घटना के बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस तथा जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों ने युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

राहत दल ने अबतक 9 घायल मजदूरों को सुरक्षित निकाल कर अस्पताल पहुंचाया है। घायलों की पहचान हिरन कुमार, दिलीप, सूरज यादव, संजय टापुर, रजनीश, तन्मय घोष, कुडम्मल, संतोष और कुंजू के रूप में हुई है। सभी का उपचार बीम्स अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण परियोजना स्थल के समीप मिट्टी व चट्टानों का बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। हादसे के समय सुरंग निर्माण परियोजना में कंक्रीट का कार्य चल रहा था। इसी दौरान रिटेनिंग वॉल तथा खुदाई की गई मिट्टी का हिस्सा धंस गया, जिसके बाद पहाड़ी ढलान से भारी मात्रा में मिट्टी, चट्टान और कीचड़ तेजी से नीचे आ गया। देखते-ही-देखते निर्माण स्थल का एक बड़ा हिस्सा मलबे में दब गया और वहां कार्यरत मजदूरों को संभलने का अवसर तक नहीं मिला। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी) के अनुसार, राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। हालांकि भारी मात्रा में जमा मलबा, लगातार हो रही बारिश और फिसलन भरे हालात बचाव कार्य में बड़ी चुनौती बने हुए हैं। प्रशासन यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि मलबे के नीचे कितने मजदूर और कर्मचारी फंसे हुए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण स्थल के समीप स्थित मजदूरों के अस्थायी शिविर और कुछ वाहन भी भूस्खलन की चपेट में आ गए हैं।

सीएम सैनी ने 198 खिलाड़ियों को दिए 20.59 करोड़, बोले-

हर पदक के पीछे वर्षों की तपस्या

एजेंसी, पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पंचकूला में आयोजित उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह में 198 खिलाड़ियों को 20 करोड़ 59 लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मानित कर वह स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हर पदक के पीछे केवल कुछ मिनटों का खेल नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और तप छिपा होता है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित खिलाड़ियों के साथ उनके माता-पिता व प्रशिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ी अकेला पदक नहीं जीतता, उसके साथ पूरा परिवार, पूरा गांव, पूरा प्रदेश और अंततः पूरा देश जीतता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने हमेशा देश को ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। चाहे पेरिस ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियन गेम्स या कॉमनवेल्थ गेम्स हों, हर मंच पर हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। एआई खिलाड़ियों की फिटनेस का विश्लेषण कर सकती है, चोट की संभावना का पहले से अनुमान लगा सकती है और प्रशिक्षण को अधिक वैज्ञानिक बना सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एआई आपकी गति माप सकती है, आपकी तकनीक का विश्लेषण कर सकती है, लेकिन आपके जुनून को नहीं माप सकती।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत अब तक 4.11 लाख से ज्यादा गारंटी दी गई : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 के तहत अब तक 4.11 लाख से ज्यादा गारंटी जारी की जा चुकी हैं।

इसके तहत गारंटी राशि 1.55 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि ईसीएलजीएस 5.0 के शुरू होने के बाद से अब तक 4,11,479 गारंटी जारी की जा चुकी हैं। योजना के तहत जारी कुल राशि 1,55,229 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। ये इस बात का संकेत है कि लोन देने वाले सिस्टम में इस स्कीम को तेजी से अपनाया जा रहा है।

विकास और पर्यावरण को समान रूप से दी जा रही प्राथमिकता : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं।

राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन को समान प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह बातें मंगलवार को आरके पुरम स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित 'मिशन 70 लाख पौधरोपण अभियान' के समारोह में कही। इस दौरान केंद्रीय गृह अमित शाह ने दिल्ली में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मिशन 70 लाख पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ-साथ

हाई-सिक्योरिटी प्रिजन नरेला का शिलान्यास, स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र का लोकार्पण, तीन नए डिपो का उद्घाटन और 300 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का शुभारंभ व लोकार्पण हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि विकसित, स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर दिल्ली के भविष्य की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और मिशन लाइफ ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष के बजट में 22,236 करोड़ रुपए के हरित बजट का प्रावधान कर पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, वन विकास एवं हरित अवसंरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राजधानी में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विस्तार, रिज क्षेत्रों का संरक्षण, देशी प्रजातियों का वैज्ञानिक रोपण, वायु गुणवत्ता में सुधार, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है।

भारतवंशी बिजनेसमैन ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति से 425 करोड़ रुपए ठगे

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका में धोखाधड़ी के मामलों का सामना कर रहे भारतवंशी कारोबारी गौरव श्रीवास्तव पर अब इंडोनेशिया में भी बड़े फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। ओसीसीआरपी और इंडोनेशियाई मैगजीन टेंपो की रिपोर्ट के मुताबिक, गौरव ने खुद को सीआईए एजेंट बताकर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो (तब रक्षा मंत्री) का भरोसा जीता व रक्षा सौदों के नाम पर 425 करोड़ रुपए का फर्जी कर्ज मंजूर करा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, गौरव ने 36 एफ-15 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और मिलिट्री कमांड सिस्टम दिलाने का दावा किया। जांच में पता चला कि जिन चार कंपनियों के जरिए उसने पांच रक्षा सौदे हासिल किए, वे सभी शेल कंपनियां थीं। बाद में टैक्स नहीं चुकाने पर इन्हें बंद कर दिया गया।

एनसीईआरटी की किताब से हटा 'भ्रष्टाचार' वाला चैप्टर

एजेंसी, नई दिल्ली। लंबे विवाद और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद एनसीईआरटी ने 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब जारी कर दी है। नई किताब से 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' से जुड़ा विवादित अध्याय और लंबित मामलों वाले हिस्सों को हटा दिया गया है।

पुरानी किताब में न्यायपालिका की चुनौतियों, भ्रष्टाचार और अदालतों में लंबित मामलों का जिक्र था। अब इनकी जगह जनहित याचिका (पीआईएल), ट्रिब्यूनल और न्यायपालिका की भूमिका से जुड़ी नई सामग्री जोड़ी गई है। नई किताब में पीआईएल के जरिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा जनहित से जुड़े मामलों के समाधान के उदाहरण दिए गए हैं। इसमें हुसैनआरा खातून मामला, एमसी मेहता मामला और विशाखा फैसला जैसे मामलों को शामिल किया गया है।

एनसीईआरटी ने बताया है कि किताब में बदलाव सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होनी है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटने से आई बाढ़

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सड़कों पर कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेंगे।

चढ़ावा चोरी मामला: चंपत बोले एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट के बाद दूंगा हर आरोप का जवाब

एजेंसी, अयोध्या। राम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है।

ट्रस्ट की बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को उन्होंने रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी कर अपनी बात रखी। अपने पत्र में चंपत राय ने कहा कि 7 जून 2026 को राम मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के दौरान हुई चोरी की घटना के बाद तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं और उन पर व्यक्तिगत रूप से अनेक निराधार आरोप लगाए गए हैं। इसी कारण उन्होंने अब तक मौन धारण किया था। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि, यह रिपोर्ट 'परम गोपनीय' थी। उन्होंने रामभक्तों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों और उठाए गए हर बिंदु पर क्रमवार जवाब देंगे। उनका दावा है कि अंतिम रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा।

सीजीपी का 'एक्स' अकाउंट होगा बहाल, दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजीपी) का 'एक्स' अकाउंट बहाल करने का आदेश दिया है।

मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार को कॉकरोच जनता पार्टी का 'एक्स' अकाउंट बहाल करने पर कोई आपत्ति नहीं है। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने राष्ट्रीय सुरक्षा की वजह से 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक करने की सिफारिश की थी। उसके बाद इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'एक्स' को कॉकरोच जनता पार्टी का अकाउंट ब्लॉक करने का आदेश दिया था। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी का 'एक्स' अकाउंट इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर ब्लॉक किया गया था। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक करने के फैसले को चुनौती की थी। इस पर कोर्ट ने 29 मई को केंद्र और 'एक्स' को नोटिस जारी किया था। दरअसल, 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं।

उन्होंने कहा था कि ऐसे कई बेरोजगार युवा जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई ठिकाना तो वे आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया, आरटीआई एक्टिविस्ट या अन्य तरह के एक्टिविस्ट बन जाते हैं और पूरे सिस्टम पर हमला करने लग जाते हैं। कोर्ट ने कहा था कि कुछ वकीलों खासकर दिल्ली में लॉ डिग्रियों की प्रामाणिकता की सीबीआई जांच की जरुरत है।

राजनीति

मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ में किया 384 करोड़ की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले वक्फ की लूट पर कभी नहीं बोले : योगी

एजेंसी, प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में कथित दान चोरी प्रकरण को लेकर विपक्ष पर कड़ा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का मुंह वक्फ की जमीन में हुए हजारों करोड़ के घोटाले पर क्यों नहीं खुलता। ये लोग एक घटना को पकड़ कर हिंदू आस्था को अपमानित करने का कार्य कर रहे हैं, जबकि उस पूरे प्रकरण के एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई हो रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मंगलवार को 384 करोड़ की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम

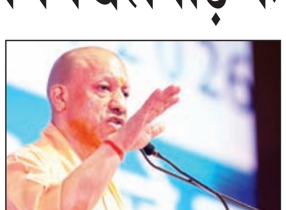

◆ **कहा- विपक्ष फिर से जाति के आधार पर समाज के ताने बाने को बांटना चाहता है**

को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को युवाओं को रोजगार मिलना अच्छा नहीं लगता है, क्योंकि यह नौजवान जब कार्य करेंगे तो जातिवादी राजनीति समाप्त होगी। विपक्ष फिर से जाति के आधार पर समाज के ताने-बाने को बांटना चाहता है। छिन्न-भिन्न करना चाहता। हमें इससे ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा कि यह लोग किस-किस प्रकार के मुद्दे को लेकर आते हैं। कोई मुद्दा नया नहीं होता है। जाति के नाम पर विभाजन या फिर आस्था पर प्रहार इनका मुद्दा होता है। आपने देखा होगा कि पिछले कुछ दिनों से उनके द्वारा भारत की सनातन आस्था पर प्रहार करने की कितनी साजिश हो रही है। किस प्रकार की बयानबाजी की जा रही है। याद करिए जब कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। कांग्रेस कहती थी कि कृष्णा हुए ही नहीं। अयोध्या में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बाबरी ढांचे का समर्थन करके उसके लिए घड़ियाल आंसू बहा रही थीं। आज वही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने गिरगिट की तरह कैसे रंग बदली है, आप लोग सब देख रहे होंगे।

'रामभक्तों पर गोली चलाने वाले आज आस्था की बात कर रहे

योगी ने कहा कि अब वह (सपा और कांग्रेस) कह रहे हैं कि अयोध्या में आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है। आस्था के साथ कौन खिलवाड़ हो रहा है। बताओ पहले, तुम्हारी आस्था अयोध्या पर कब से हो गई। जनसमूह की ओर इशारा करते हुए बोले कि इनके पूर्वजों ने अयोध्या के लिए लड़ाई लड़ी है। यह बोल सकते हैं, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस और सपा ने तो राम के अस्तित्व को ही मानने से इनकार कर दिया था और आज वह कौन आस्था की बात कर रही हैं। वे धार्मिक हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल पर खर्च कर देते थे। वह लोग कौन सी आस्था की बात कर रहे हैं। यही प्रश्न आप लोगों को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से करना चाहिए। उनसे पूछना चाहिए कि जब तुम्हारी सरकार थी तो रामभक्तों पर गोली चलवाते थे, जय श्री राम बोलने पर लाठी डंडा चलाते थे, कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट तक बोलती थी कि राम हुए ही नहीं, यह कांग्रेस कहां थी।

राम मंदिर में पूजा के बाद सीएम सुक्खू का भाजपा पर हमला, बोले-

चढ़ावे में गड़बड़ी पैसे नहीं, आस्था की चोरी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावे में गड़बड़ी के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ शिमला के राम बाजार स्थित राम मंदिर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम के दर्शन किए, माथा टेका और कीर्तन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राम के नाम पर चंदे में गड़बड़ी करने वालों को भगवान सद्बुद्धि दें। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री हर्षवर्धन चौहान, राजेश धर्माणी, अनिरुद्ध सिंह और विक्रमादित्य सिंह भी मंदिर पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और शिमला शहरी से विधायक हरीश जनारथा भी मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुक्खू ने कहा कि जब राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर में चंदा एकत्र किया जा रहा था, उस समय वह विधायक थे और उन्होंने भी अपनी श्रद्धा के अनुसार योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर केंद्र सरकार ने आधे दिन का अवकाश घोषित किया था, जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार ने पूरे दिन का सार्वजनिक अवकाश दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार भगवान श्रीराम के आदर्शों और मूल्यों को अपने कामकाज में अपनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाती है और भगवान राम के सच्चे अनुयायी उनके नाम पर राजनीति नहीं करते।

देशभर के श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के अनुसार भगवान राम के चरणों में धन, गहने और अन्य चढ़ावा अर्पित किया था। उन्होंने कहा कि यदि उस चढ़ावे में किसी तरह की गड़बड़ी हुई है,तो यह केवल पैसों का मामला नहीं है, यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है।

शिमला में 242 ग्राम चिट्टे के साथ 3 काबू
15 दिन पहले जेल से छूटा था मुख्य आरोपी

मामले में चिट्टा की सप्लाई चेन, इसके स्रोत, आगे जुड़े लोगों को पता लगाने के लिए जांच जारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस की स्पेशल सेल ने चिट्टा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 242 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है।

इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और कुछ दिन पहले ही जेल से रिहा हुआ था। पुलिस के अनुसार 6 जुलाई को स्पेशल सेल शिमला की टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग शोघी बैरियर क्षेत्र से एक वाहन में चिट्टा की खेप लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 242 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। वाहन में सवार तीन लोगों की पहचान सुन्नी निवासी इंद्रदेव उर्फ दाणू, न्यू शिमला निवासी मोती शर्मा और उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के मूल निवासी तथा वर्तमान में कुमारसैन में रह रहे सूरज चौहान के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पुलिस थाना बालूगंज में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी इंद्रदेव उर्फ दाणू आदतन नशा तस्कर है। उसके खिलाफ पहले से 53 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस अधिनियम के नौ मामले, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और चोरी से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इंद्रदेव को पहले पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत तीन महीने के लिए निरुद्ध किया गया था। वह 21 जून को ही जेल से रिहा हुआ था।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह सुन्नी, रामपुर, कुमारसैन और शिमला जिले के अन्य क्षेत्रों में चिट्टा की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क का सक्रिय सदस्य था और बड़ी संख्या में युवाओं तक नशा पहुंचाने में शामिल था। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने मंगलवार को बताया कि पुलिस तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड लेने की प्रक्रिया पूरी कर रही है। मामले में चिट्टा की सप्लाई चेन, इसके स्रोत, आगे जुड़े लोगों, वित्तीय लेन-देन और पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है।

गगल में 7.42 ग्राम चिट्टे के साथ तीन युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस की विशेष टीम द्वारा नाकाबंदी व चैकिंग के दौरान मनेड पुल (चैतड़ू) के समीप तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के मोटरसाईकिल पल्सर नम्बर एचपी 39एफ-8208 को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने इस दौरान युवकों के कब्जे से 7.42 ग्राम चिट्टा/हैरोईन बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में अजय कुमार पुत्र अंगद कुमार, निवासी गांव पन्तेहड़, डाकघर पास्सू, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, आयु 29 वर्ष, विशाल कुमार पुत्र हरनाम सिंह, निवासी गांव एवं डाकघर कनेड़, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, आयु 26 वर्ष तथा दीपक कुमार पुत्र दिनेश कुमार, निवासी गांव एवं डाकघर कनेड़, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, आयु 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक व आगामी कानूनी कार्रवाई नियमानुसार प्रगति पर है।

चिट्टा तस्करी गिरोह का मुख्य सरगना पंजाब से गिरफ्तार, चिट्टा नेटवर्क की परतें खुलीं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने चिट्टा तस्करी के एक संगठित नेटवर्क के मुख्य सरगना को पंजाब के बठिंडा से गिरफ्तार कर मामले में बड़ी सफलता हासिल करने का दावा किया है।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान नेटवर्क की तीन परतों का खुलासा हुआ है और इसी आधार पर पूरे गिरोह तक पहुंचना संभव हुआ। मामले में अब तक कुल करीब 178 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद की जा चुकी है। पुलिस के अनुसार इस मामले की शुरुआत 20 जून को हुई थी, जब स्पेशल सेल शिमला ने कनलोग स्थित एक होम-स्टे में छापेमारी कर बठिंडा निवासी गोपाल कुमार को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से करीब 16 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था। इस मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने नशे की सप्लाई श्रृंखला का पता लगाया और 23 जून को मोहाली से गुरुवचन उर्फ गुरु को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से करीब 162 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार गुरुवचन शिमला में चिट्टा पहुंचाने वाले नेटवर्क का अहम सदस्य था। दोनों आरोपियों से हुई पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं।

जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के सामने यह तथ्य आया कि पहले गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी गोपाल कुमार और गुरुवचन उर्फ गुरु, बठिंडा निवासी दीपक कुमार उर्फ कर्णी बराड़ के लिए काम करते थे। पुलिस के अनुसार दीपक ही इस पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी और मानवीय सूचना तंत्र की मदद से उसकी तलाश की गई और आखिरकार 5 जुलाई को उसे बठिंडा से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि दीपक कुमार उर्फ कर्णी बराड़ ने मोहाली में एक फ्लैट किराए पर लिया हुआ था। वहां बठिंडा से चिट्टा लाकर रखा जाता था। इसके बाद गुरुवचन वहां से कम मात्रा में चिट्टा लेकर गोपाल कुमार को देता था। गोपाल कुमार शिमला के अलग-अलग स्थानों पर पहले से तय जगहों पर चिट्टा रख देता था। पुलिस के अनुसार खरीदारों को उन स्थानों की जानकारी सीधे दीपक कुमार देता था। चिट्टा बेचने से मिलने वाली रकम भी गोपाल कुमार और गुरुवचन के माध्यम से दीपक कुमार तक पहुंचाई जाती थी। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने मंगलवार को बताया कि नशा तस्करी के सप्लाई नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से आगे भी संगठित गिरोहों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

नुक्कड़ नाटकों और गीत-संगीत से लोगों को बताई सरकार की कल्याणकारी योजनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुमोदित सांस्कृतिक दलों द्वारा जिला शिमला की विभिन्न अनुसूचित जाति बहुल ग्राम पंचायतों में प्रदेश सरकार की ओर से अनुसूचित जाति कल्याण के लिए चलाई जा रही नीतियों और योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि पात्र लाभार्थी इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही पात्र लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी बताया जा रहा है। स्वर साधना कला मंच द्वारा ग्राम पंचायत धानाधार और भट्ठी, जयश्री लोक नृत्य कला मंच द्वारा ग्राम पंचायत रामनगर और पुड़ग, शिव कल्चर ग्रुप हलोग धामी द्वारा मलयाणा और रझाणा तथा पूजा कला मंच द्वारा मंढोल और कोट काइना पंचायतों में गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के दौरान कलाकारों ने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 50 हजार रुपये से कम है, उन्हें अनुवर्ती कार्यक्रम के तहत सिलाई मशीन तथा बढ़ई और लोहार कार्य के लिए औजार उपलब्ध करवाए जाते हैं। वहीं, स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत पात्र एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों को मकान निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

बॉर्डर रेंज में गैंगस्टरों पर शिकंजा, 56 साथी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब पुलिस ने अपराध व नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बॉर्डर रेंज में चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार 3.0' के तहत गैंगस्टरों के 56 साथियों सहित कुल 89 जघन्य अपराधों के आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस अभियान के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हथियार, हेरोइन और शराब भी बरामद की है। डीआईजी बॉर्डर रेंज हरमनबीर सिंह गिल के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पठानकोट, अमृतसर, बटाला, गुरदासपुर, अजनाला, ब्यास सहित अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। अभियान में बॉर्डर रेंज के सभी जिलों के एसएसपी, एसपी, डीएसपी समेत कुल 1808 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस टीमों ने 151 स्थानों पर छापेमारी कर अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े लोगों की जांच की। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान नशे के लिए चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में 17 कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाए गए। इसके अलावा 2550 वाहनों की गहन जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 554 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस टीमों ने 162 होटल और गेस्ट हाउसों के साथ-साथ 104 रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों और अन्य संवेदनशील स्थानों की भी जांच की।

डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि कार्रवाई के दौरान गैंगस्टरों के 56 साथियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा जघन्य अपराधों में संलिप्त 89 आरोपियों और निवारक कार्रवाई के तहत 176 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने चार पिस्टल, सात कारतूस, 1.04 किलोग्राम हेरोइन और 2,32,180 मिलीलीटर अवैध शराब बरामद की है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी के नेटवर्क को खत्म करना, गैंगस्टर सिंडिकेट पर प्रभावी कार्रवाई करना और संगठित अपराध पर रोक लगाना है। पुलिस ने कार्रवाई के साथ-साथ नशे से प्रभावित लोगों के पुनर्वास की दिशा में भी कदम उठाए हैं। इस दौरान 34 नशा पीड़ितों को उपचार के लिए ओओएटी केंद्रों से जोड़ा गया। डीआईजी ने अभियान के तहत हाईटेक नाका ब्यास सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, संदिग्ध वाहनों की गहन जांच करने तथा अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस राज्य को अपराध और नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी इस तरह के बड़े अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने आम जनता से भी पुलिस का सहयोग करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की।

नगर निगम की वित्तीय स्वायत्तता पर कांग्रेस सरकार कर रही कुठाराघात : कमलेश मेहता

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा सचिव एवं पार्षद कमलेश मेहता ने कहा कि कांग्रेस सरकार और नगर निगम शिमला की कार्यप्रणाली कई गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है।

नगर निगम की वित्तीय स्वायत्तता को कमजोर किया जा रहा है तथा नई पोर्टल प्रणाली के माध्यम से नगर निगम के राजस्व और जनता के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर पारदर्शिता का अभाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के विभिन्न करों और शुल्कों के भुगतान के लिए पूर्व में निगम की अपनी व्यवस्था और पोर्टल उपलब्ध था, लेकिन अब नई पोर्टल प्रणाली लागू किए जाने के बाद यह स्पष्ट नहीं है कि नागरिकों से प्राप्त होने वाली राशि किस प्रकार संचालित की जा रही है, उसका लेखा-जोखा क्या है और धनराशि किस खाते अथवा फंड में स्थानांतरित की जा रही है। नगर निगम प्रशासन और राज्य सरकार को इस विषय पर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कमलेश मेहता ने कहा कि नगर निगम को चलाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की भी होती है, लेकिन इसके विपरीत ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नगर निगम के माध्यम से ही सरकार अपनी वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कूड़ा शुल्क, कर एवं अन्य भुगतान भी नई व्यवस्था के माध्यम से लिए जा रहे हैं तो सरकार को यह बताना चाहिए कि इस पूरी प्रणाली का कानूनी एवं वित्तीय आधार क्या है। उन्होंने कहा कि 74वें संविधान संशोधन का उद्देश्य नगर निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करना था, ताकि वे स्थानीय स्तर पर स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। यदि नगर निगम की आय और संसाधनों पर सरकार का प्रत्यक्ष नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है, तो यह स्थानीय स्वशासन की भावना के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पहले ही नगर निगम की आय के अनेक स्रोत सीमित कर दिए हैं।

हेरोइन की खेप के साथ अमृतसर का परिवार काबू

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। घाटी को नशे के गर्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ मनाली पुलिस ने एक और बड़ी और सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अलेऊ (झाड़ग) क्षेत्र में किराये के एक मकान पर रेड डालकर अमृतसर (पंजाब) के एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से हेरोइन (चिट्टा) और ड्रग मनी (नकदी) बरामद की है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि नशे के इस काले कारोबार को अंजाम देने के लिए पूरा परिवार और उनके करीबी शामिल थे। पुलिस ने मौके से एक महिला सहित कुल चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गहनेशाह की मुंहबोली माता (35) पत्नी लवीश महाजन, निवासी खजाना गेट, अमृतसर के कब्जे से 26.200 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) और 20,000 की ड्रग मनी (नकदी) बरामद की है। डीएसपी मनाली क्षमादत शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा बैकवर्ड लिंकेज खंगाल रही है।

बिजली बोर्ड के कर्मचारियों पेंशनभोगियों को मिलेगा कॉरपोरेट सैलरी पैकेज का लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) के करीब 43 हजार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को अब बेहतर बैंकिंग सुविधाओं के साथ बड़ा बीमा सुरक्षा कवच भी मिलेगा। बोर्ड ने कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज लागू करने के लिए सात बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पैकेज के तहत पात्र कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 30 लाख रुपए से लेकर 1.50 करोड़ रुपए तक का बीमा कवर, बेहतर बैंकिंग सेवाएं और अन्य वित्तीय सुविधाएं मिलेंगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी व्यवस्था से उस पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। समझौते पर मंगलवार को शिमला के विद्युत भवन में बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. प्रबोध सक्सेना की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में निदेशक (वित्त) श्रवण कुमार मांटा, कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) ईशा, मुख्यालय के मुख्य अभियंता, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस अपने घोटालों का जवाब दे, राम मंदिर पर राजनीति बंद करे : अनुराग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बना भव्य राम मंदिर 500 वर्षों के संघर्ष, करोड़ों सनातनियों की आस्था और रामभक्तों के लंबे प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कांग्रेस पर राम मंदिर के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को इस विषय पर बयानबाजी करने के बजाय अपने शासनकाल के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों का जवाब देना चाहिए। मंगलवार को अनुराग ठाकुर ने शिमला में कहा कि राम मंदिर का सपना उस समय पूरा हुआ, जब देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेताओं ने वर्षों तक भगवान श्रीराम के अस्तित्व, रामसेतु और राम जन्मभूमि से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाए। अब जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है और देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु वहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, तब कांग्रेस के नेता इस मुद्दे पर राजनीतिक बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल के मुख्यमंत्री के पहले दिए गए बयानों को भी प्रदेश की जनता भूली नहीं है और कांग्रेस को हिंदुओं की आस्था का सम्मान करना चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर पर राजनीति करने के बजाय अपने शासनकाल के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों के समय नेशनल हेराल्ड, 2जी स्पेक्ट्रम, कॉमनवेल्थ गेम्स, कोयला आवंटन, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर और आदर्श हाउसिंग सोसाइटी जैसे मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जिन पर देश आज भी जवाब चाहता है।

इंदौरा में 58 पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को दिया प्रशासनिक प्रशिक्षण

पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला : मलेंद्र

एजेंसी, इंदौरा। ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग के तत्वावधान में राजकीय महाविद्यालय इंदौरा में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों व पंचायत कर्मियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकास खंड इंदौरा की सभी 58 ग्राम पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रधान, उपप्रधान, पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों को पंचायत प्रशासन, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना था। अधिकारियों ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की भावना के साथ करना चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके। कार्यक्रम में इंदौरा के विधायक मलेंद्र राजन ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। गांवों के विकास और आम जनता तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम इंदौरा डॉ. सुरिंद्र ठाकुर और खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सुदर्शन सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायतों के प्रशासनिक कार्यों, वित्तीय प्रक्रियाओं, रिकॉर्ड रखरखाव और विभिन्न विकास योजनाओं को धरातल पर लागू करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को वीबी-जी राम जी योजना के तहत ग्राम सभा में विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करने और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि पंचायत स्तर पर तैयार किए जाने वाले प्रस्तावों में स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अलावा आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए पंचायतों में प्राथमिकता के आधार पर किए जाने वाले विकास कार्यों पर भी चर्चा की गई। पंचायत प्रतिनिधियों को आपदा की स्थिति से निपटने, आवश्यक कार्यों के प्रस्ताव समय पर तैयार करने और विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया।

भगवान श्रीराम के प्रकोप से अब भाजपा को कोई नहीं बचा पाएगा : विनय कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा है कि कांग्रेस प्रदेश में राम के दान पात्र की लूट व बेरोजगारों के साथ हो रहे घोर अन्याय, नीट पेपर लीक जैसे कई मामलों को जनता के बीच लेकर जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों लोगों ने भी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिये करोड़ो दान में दिए हैं व उनके दान की चोरी से प्रदेश के लोग आहत हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आस्था का राजनीतिकरण कर इस दान के धन का दुरुपयोग किया। मंदिर निर्माण की जगह अपने कुछ चुनिंदा लोगों और बिचौलियों की जेबें भरी। जून 2026 में राम मंदिर के दानपात्र से लगभग 7 से 7.5 करोड़ का चढ़ावा संगठित तरीके से चोरी की घटना ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और ट्रस्ट की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े किए है। विनय ने इस लूट के मुख्य अपराधियों को पकड़ने के लिए स्थानीय राम मंदिर व जाखू में श्रीहनुमान जी के मंदिर में मुख्यमंत्री सुक्खू, मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों व अन्य नेताओं के साथ विशेष पूजा अर्चना करने के बाद कहा कि भगवान श्रीराम के प्रकोप से अब भाजपा को कोई नहीं बचा पाएगा। विनय कुमार ने कहा कि अयोध्या में ट्रस्ट ने बाग बिजनेसी सौदे में 2 करोड़ की खरीदी गई जमीन को सिर्फ 10 मिनट में 18.5 करोड़ में खरीदा। देश के इतिहास में भाजपा का भ्रष्टाचार का यह एक कीर्तिमान है। विनय कुमार ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में की जानी चाहिए। उन्होंने दान चढ़ावे की राशि के पूरे लेखे जोखे का श्वेतपत्र जारी करने की मांग करते हुए कहा है कि प्रदेश कांग्रेस जल्द ही सभी जिलों व ब्लॉकों में इस महाघोटाले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी,और लोगों को इस महाघोटाले की पूरी जानकारी देंगी।

आयोजन मुख्यमंत्री को बिंदल का जवाब—राम विरोधी होने का सर्टिफिकेट कांग्रेस को जनता पहले ही दे चुकी है

सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनआंदोलन चलाएगी भाजपा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को प्रदेश मुख्यालय दीपकमल, चक्कर में आयोजित हुई।

बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह प्रभारी संजय टंडन, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप, राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन, राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार सहित कोर ग्रुप के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के उपरांत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कोर ग्रुप ने प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, हाल ही में हुए पंचायती राज एवं शहरी निकाय चुनावों के परिणामों तथा आगामी संगठनात्मक एवं जनआंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा कोर ग्रुप ने सर्वप्रथम हिमाचल प्रदेश की जनता और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने पंचायतीराज संस्थाओं और नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को व्यापक समर्थन व आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि इन चुनाव परिणामों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल से पूरी तरह निराश है और उसने जनविरोधी तथा प्रदेश विरोधी नीतियों के विरुद्ध अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान कांग्रेस सरकार ने विभिन्न स्तरों पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने और चुनाव टालने के प्रयास किए, लेकिन न्यायपालिका के हस्तक्षेप के बाद चुनाव संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि आज भी स्थिति यह है कि 12 जिला परिषदों में से केवल 6 में ही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव हो पाए हैं। डेढ़ से दो महीने बीत जाने के बावजूद शेष जिला परिषदों में चुनाव नहीं कराए गए हैं। इसके बावजूद जिन छह जिला परिषदों में चुनाव हुए, वहां सभी स्थानों पर भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने कहा कि पांच जिला परिषदों में तो कांग्रेस अपने प्रत्याशी तक खड़े नहीं कर सकी, जो उसकी राजनीतिक स्थिति को दर्शाता है। डॉ. बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले हमीरपुर में भी कांग्रेस की स्थिति अत्यंत कमजोर रही और वहां भी भाजपा समर्थित प्रतिनिधियों को स्पष्ट समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि चार नगर निगमों में से तीन में भाजपा ने मेयर और डिप्टी मेयर के पद जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि जनता का विश्वास भारतीय जनता पार्टी के साथ है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार के विरुद्ध जनता का स्पष्ट जनमत और जनादेश है। उन्होंने बताया कि भाजपा कोर ग्रुप ने निर्णय लिया है कि कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, अधूरी गारंटियों और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ प्रदेशव्यापी जनआंदोलन चलाया जाएगा।

जनता कांग्रेस के वादों की हकीकत समझ चुकी है

मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2027 में कांग्रेस की पुनः सरकार बनने के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. बिंदल ने कहा कि जिन मतदाताओं ने हाल ही में पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को नकारा है, वही मतदाता विधानसभा चुनाव में भी अपना निर्णय देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तथाकथित गारंटियां केवल चुनावी नारे बनकर रह गईं। न महिलाओं को वादा किया गया आर्थिक लाभ मिला, न मुफ्त बिजली के वादे पूरे हुए, न दूध और गोबर खरीद की घोषणाएं धरातल पर उतरीं। इसके विपरीत जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा और विकास कार्य प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है।

प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी सरकार : राजेश धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हिमाचल प्रदेश के अधिकारों, संसाधनों व आर्थिक हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने ऐसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनसे प्रदेश को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। धर्माणी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू प्रदेश के हितों के लिए किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करते। चाहे मामला प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों, जल विद्युत परियोजनाओं, भूमि, वित्तीय अधिकारों अथवा अन्य महत्वपूर्ण विषयों का हो, मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मंच पर हिमाचल का पक्ष मजबूती से रखा है।

उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य प्रदेश के संसाधनों पर हिमाचल का अधिकार सुनिश्चित करना तथा राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्षों से लंबित अनेक मामलों में हिमाचल प्रदेश के हितों की प्रभावी पैरवी करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। वाइल्ड फ्लावर हॉल मामले में सरकार ने न्यायालय में मजबूती से अपना पक्ष रखा, जिसके परिणामस्वरूप यह संपत्ति पुनः प्रदेश के अधिकार में आई। आज यह प्रदेश के लिए आय का एक सशक्त स्रोत बन चुकी है तथा इससे प्रतिमाह लगभग रूपए 2 करोड़ की आय हो रही है। अब तक सरकार को इससे लगभग रूपए 40 करोड़ की आय प्राप्त हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए नीतिगत बदलावों को भी सर्वोच्च न्यायालय ने सही ठहराया है। इन निर्णयों के कारण प्रदेश को संबंधित परियोजनाओं से प्रतिवर्ष लगभग रूपए 150 करोड़ की अतिरिक्त आय प्राप्त होना शुरू हो गई है। यह प्रदेश की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा नेताओं के बीच विवाद थमा संगठन में बनी सहमति

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के सप्तऋषि मंडल महामंत्री विकास गुप्ता और क्षेत्रीय पार्षद आकाश भाटी के बीच चल रहा विवाद फिलहाल समाप्त हो गया है। पार्टी संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की पहल और अनुशासन की नसीहत के बाद दोनों नेताओं ने आपसी मतभेद भुलाकर विवाद को विराम दे दिया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले मंडल महामंत्री विकास गुप्ता ने पार्षद आकाश भाटी पर कथित रूप से जान से मारने और नाले में गाड देने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी।

दुकान और मकान में बिजली चोरी पकड़ी, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। बिजली चोरी के खिलाफ ऊर्जा निगम का अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। आज लक्सर कोतवाली के सुल्तानपुर क्षेत्र में चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक इलेक्ट्रिकल दुकान और एक मकान में बिजली चोरी पकड़ी गई। विभाग ने मौके पर ही दोनों के विद्युत कनेक्शन काट दिए और आरोपितों के खिलाफ थाना लक्सर में तहरीर दी।

कुंभ मेले की तैयारियों के तहत पुलिस का छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शुरू

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। आगामी कुम्भ मेला की सुरक्षा, यातायात एवं आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र, हरिद्वार में सोमवार शाम छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) ए.पी. अंशुमन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर अंशुमन ने कहा कि कुम्भ मेला विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जहां सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

क्षेत्र का नाम रोशन करें विद्यार्थी: मोहन बिष्ट

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। लालकुआं विधायक डॉ.मोहन बिष्ट ने मंगलवार को अपने आवास पर विधानसभा क्षेत्र के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए वह हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करने और जिस भी क्षेत्र में सेवा का अवसर मिले, वहां आदर्श स्थापित करने का आह्वान किया।

नई खेल नीति पर जनता से सुझाव लेगी सरकार : रेखा आर्या

उत्तराखंड की नई खेल नीति में पारंपरिक खेलों को मिलेगा बढ़ावा, मांगे जाएंगे जन सुझाव

अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करती हुईं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सरकार राज्य की नई खेल नीति तैयार करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। नई नीति को प्रभावी और खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए सरकार खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और आम जनता से सुझाव लेगी। खेल मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द ही ऑनलाइन माध्यम से सुझाव आमंत्रित करने की व्यवस्था शुरू की जाए। सरकार का उद्देश्य है कि नई खेल नीति में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो और प्रदेश में खेलों को नई दिशा मिल सके।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि नई खेल नीति में केंद्र सरकार की खेल नीति के अनुरूप आवश्यक प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही उत्तराखंड के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की अपनी खेल संस्कृति और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार की जाएगी जिससे ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों को भी

◆ पदक विजेताओं और पारंपरिक खेलों पर रहेगा फोकस

बेहतर अवसर मिल सकें।

सरकार का मानना है कि खेल क्षेत्र के विकास के लिए केवल सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल से जुड़े लोगों की राय भी महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से आम जनता और खेल प्रेमियों से सुझाव लिए जाएंगे। प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद उपयोगी सुझावों को नई खेल नीति में शामिल किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि बेहतर और उपयोगी सुझाव देने वाले लोगों को सरकार की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में राज्य में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर भी चर्चा की गई। खेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेल विश्वविद्यालय की तैयारियों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। खेल विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में खेल शिक्षा, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे। इससे खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

इसके अलावा बैठक में पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति देने की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। सरकार का उद्देश्य है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

दो करोड़ की हेरोइन के साथ पंजाब का तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे खड़ी एक कार से 980 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने पंजाब के तरणतारण निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मामले का खुलासा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि जनपदभर में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान कोतवाली गंगनहर पुलिस ने लाठरदेवा अंडरपास के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार में बैठे संदिग्ध युवक को देखा। पुलिस टीम को देखकर वह भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया।

राज्यपाल ने किया ‘एब्सल्यूट इंटेलीजेंस’ और ‘प्रज्ञा’ पुस्तकों का विमोचन

लोक भवन में हुआ 108 पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने मंगलवार को लोक भवन में अपनी पुस्तक ‘एब्सल्यूट इंटेलीजेंस’ तथा उसके हिन्दी रूपांतरण ‘प्रज्ञा’ का विमोचन किया। इन पुस्तकों का सहलेखन प्रो. अरुण तिवारी ने किया है, जबकि ‘प्रज्ञा’ का हिन्दी रूपांतरण श्री पारितोष बंगवाल द्वारा किया गया है। पुस्तक विमोचन के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण एवं वर्चुअल माध्यम से प्रो. अरुण तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुस्तक विमोचन के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आज विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे हैं और मानव जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि तकनीक कभी भी मानवता का विकल्प नहीं बन सकती। उसका उद्देश्य मनुष्य पर शासन करना नहीं, बल्कि उसके जीवन को अधिक सुरक्षित, सरल, समृद्ध और कल्याणकारी बनाना है। जब विज्ञान आध्यात्मिकता से, नवाचार नैतिकता से और बुद्धिमत्ता प्रज्ञा से जुड़ेगी, तभी मानव सभ्यता का संतुलित एवं सतत विकास संभव होगा। उन्होंने कहा कि यही इन दोनों पुस्तकों का मूल संदेश है।

उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों को लिखने का उद्देश्य कोई नया सिद्धांत प्रस्तुत करना नहीं था, बल्कि जीवन के उन अनुभवों को साझा करना था, जिन्होंने उन्हें यह सिखाया कि प्रत्येक चुनौती अपने भीतर समाधान का बीज लेकर आती है।

कांवड़ मेले की तैयारियां तेज

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कांवड़ मेला एवं महाशिवरात्रि के मद्देनजर श्री परशुराम अखाड़े के प्रमुख एवं सामाजिक कार्यकर्ता अधीर कौशिक ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी कई मांगें उठाई हैं। उन्होंने कांवड़ मेले के दौरान जीरो जोन में तीन और चार पहिया वाहनों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने और हर की पैड़ी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में करोड़ों शिवभक्त पहुंचते हैं, जिससे प्रमुख मार्गों पर अत्यधिक भीड़ रहती है। ऐसे में जीरो जोन में वाहनों की आवाजाही और मुख्य सड़कों पर अवैध अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने हाथी पुल, सुभाष घाट पुल और सीसीआर टावर के आसपास सड़क किनारे लगी अवैध दुकानों को हटाने की भी मांग की, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का आवागमन सुगम हो सके।

अधीर कौशिक ने कहा कि हर की पैड़ी क्षेत्र सरकार की ओर से ‘ए’ श्रेणी की सुरक्षा के दायरे में है, लेकिन कई स्थानों पर सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की।

मनसा देवी मंदिर में चढ़ावे की निगरानी के लिए सात सदस्यीय समिति गठित

मनसा देवी मंदिर में पुजारियों को मिला बिना जेब वाले कुर्ते का आदेश।

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बीच हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट ने चढ़ावे की निगरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए सात सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया है। नई व्यवस्था के तहत मंदिर के पुजारियों को बिना जेब वाला कुर्ता पहनकर ही मंदिर परिसर में प्रवेश करने की अनुमति होगी।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि चढ़ावे से जुड़े विवादों के कारण समर्पित लोगों की छवि भी प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर प्रकरण में चोरी कर्मचारियों और ड्राइवर ने की,लेकिन बदनामी चंपत राय के हिस्से आई। उन्होंने चंपत राय को ‘सादे कपड़ों में उच्च कोटि के संत’ बताते हुए कहा कि उनका नाम विवादों में आने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से कष्ट हुआ।

उन्होंने कहा कि इसी अनुभव से सबक लेते हुए मनसा देवी मंदिर में चढ़ावे की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत सात सदस्यीय निगरानी समिति गठित की गई है,जिसमें मंदिर के पुजारी भी शामिल हैं।

धामी सरकार में हुए लोककल्याण के कई ऐतिहासिक काम: महाराज

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। 448.79 लाख की विकास योजनाओं का हुआ लोकार्पण-शिलान्यास* बीरोंखाल (पौड़ी)। जन जन की सरकार जन जन के द्वार के अन्तर्गत धामी सरकार के 5 साल पूरे होने पर प्रदेश भर में जनता की सेवा और समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिवसीय ‘सेवा पखवाड़े’ का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा इन आयोजनों का मकसद सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी भी आम जन तक पहुंचाना है।

उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने क्षेत्र भ्रमण के चौथे दिन मंगलवार को विकासखण्ड बीरोंखाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत 404.79 लाख की लागत से निर्मित होने वाली खलधार-ठंगा मोटर मार्ग के भूमि पूजन एवं शिलान्यास एवं विकासखण्ड मुख्यालय पर 44 लाख की धनराशि के डुलमोट, चंदेली, कदोला, तैलीपखोली एवं जाखणी ग्राम सभाओं में पंचायत भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण के अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पांच वर्षों के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक काम हुए हैं। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। सख्त नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण-दंगा विरोधी कानून, भू-कानून महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण और लखपति दीदी जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं इस राज्य के लिए बड़ी उपलब्धियां हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा विवाद : कांग्रेस विधायक उपवास पर बैठे

विधायक बोले, निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले स्थित प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की रकम को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मंदिर में दान और चढ़ावे की राशि में कथित हेराफेरी के आरोपों के विरोध में बदरीनाथ के कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला मंगलवार को मंदिर परिसर में उपवास पर बैठ गए। विधायक ने अपने समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और मामले की निष्पक्ष तथा उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई।

विधायक लखपत बुटोला ने आरोप लगाया कि बदरीनाथ मंदिर जैसे आस्था के प्रमुख केंद्र में चढ़ावे से जुड़े मामले की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यदि किसी भी व्यक्ति की भूमिका अनियमितता में सामने आती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी इस मामले में प्रशासन से जल्द जांच पूरी कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की।

बदरीनाथ मंदिर दान राशि विवाद गहराया

इस वर्ष गठित टीम में शामिल एक अधिकारी पर चढ़ावे की रकम में हेराफेरी के आरोप लगे हैं। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि आरोपी अधिकारी के साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। मामले में आरोपी अधिकारी की जिम्मेदारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वर्ष 2026 में पहली बार उसे बदरीनाथ मंदिर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी। उसे दान और चढ़ावे की गणना के साथ प्रोटोकॉल व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। इसी दौरान उस पर चढ़ावे की राशि में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं।

वहीं, मामले की जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि चढ़ावे की रकम में कथित गड़बड़ी केवल दो जुलाई की घटना तक सीमित थी या पहले भी इस तरह की कोई अनियमितता हुई थी।

इसके लिए मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की 40 दिन की फुटेज को सुरक्षित रखा गया है। जांच टीम फुटेज की बारीकी से जांच कर रही है ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की ओर से बताया गया है कि चढ़ावे की गणना के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम बनाई जाती है।

रुद्रप्रयाग पुलिस ने फरार वारंटी को देहरादून से किया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। पुलिस अधीक्षक जनपद रुद्रप्रयाग के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी कोतवाली प्रभारियों को मा. न्यायालयों से जारी गिरफ्तारी वारंटों की शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में कोतवाली ऊखीमठ पुलिस टीम ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त सुंदर सिंह पुत्र स्व. दीवान सिंह, निवासी बालावाला, देहरादून, मा. न्यायालय (न्यायिक मजिस्ट्रेट ऊखीमठ) से जारी गैर जमानती वारंट के बावजूद न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। कोतवाली ऊखिमठ पुलिस टीम द्वारा प्रभावी सुरागरसी-पतारसी कर दिनांक 06.07.2026 को अभियुक्त को देहरादून से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

◆ न्यायालय में पेश नहीं हो रहा वारंटी पुलिस की गिरफ्त में

गढ़वाल राइफल्स के ग्रीनर्स ने उत्तराखंड में चलाया व्यापक पर्यावरण संरक्षण अभियान

127 इन्फैंट्री बटालियन ने पर्यावरण संरक्षण को बनाया जन आंदोलन

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ते कदम, युवाओं ने किया पौधारोपण।

भारतेंदु संवाददाता, गढ़वाल। देशभर में 01 से 07 जुलाई 2026 तक मनाए गए वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर 127 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) इकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स, जिसे ‘गढ़वाल ग्रीनर्स’ के नाम से जाना जाता है, द्वारा उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता से संबंधित अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

सप्ताह भर चले इस अभियान के दौरान यूनिट द्वारा वृहद वृक्षारोपण, नदी पुनर्जीवन, जल एवं मृदा संरक्षण, स्वच्छता अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण विषयक जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। इन गतिविधियों में स्थानीय प्रशासन, वन विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।127 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) इकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स ने अपने निर्धारित क्षेत्रों में पौधारोपण एवं संरक्षण कार्यों को गति प्रदान करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: प्रदर्शित किया।

यूनिट द्वारा वर्षों से किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप 3 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण तथा हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र का पुनर्जीवन किया जा चुका है, जिसने उत्तराखंड के हरित आवरण को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वन महोत्सव सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया।

वात्सल्य योजना ने फिर बढ़ाया बेसहारा बच्चों का सहारा

वात्सल्य योजना की राशि जारी

मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना से जरूरतमंद बच्चों को मिलेगी आर्थिक मजबूती।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के तहत लाभार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए बड़ी राशि जारी की है। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को डीबीटी के माध्यम से योजना से जुड़े लाभार्थियों के बैंक खातों में 4 करोड़ 39 लाख रुपये से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की। यह सहायता राशि अप्रैल मई और जून माह के लिए जारी की गई है। सरकार की इस पहल से हजारों बच्चों और परिवारों को आर्थिक सहारा मिलेगा।

मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना की शुरुआत कोरोना महामारी के दौरान उन बच्चों की मदद के लिए की गई थी जिन्होंने अपने माता पिता या अभिभावकों को खो दिया था। इस योजना के तहत ऐसे बच्चों को हर महीने तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य प्रभावित बच्चों की शिक्षा पालन पोषण और भविष्य को सुरक्षित बनाने में सहयोग देना है।

मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि सरकार लगातार योजना के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसी भी बच्चे को आर्थिक परेशानियों के कारण शिक्षा और विकास के अवसरों से वंचित न होना पड़े। डीबीटी प्रणाली के माध्यम से राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी जा रही है जिससे पारदर्शिता बनी रहे और सहायता समय पर पहुंच सके।

जानकारी के अनुसार अप्रैल माह के लिए 4917 लाभार्थियों के खातों में 1 करोड़ 47 लाख 51 हजार रुपये की राशि जारी की गई है।

शिक्षा

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की नई पहल पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा प्रशिक्षित मानवबल

उत्तराखंड मुक्त विवि ने होम स्टे प्रबंधन में शुरू किया डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख होम स्टे प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। राज्य में तेजी से बढ़ रहे होम स्टे व्यवसाय को देखते हुए यह पाठ्यक्रम युवाओं को इस क्षेत्र में आवश्यक प्रशिक्षण और व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराएगा। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

उत्तराखंड के कई पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। बड़ी संख्या में पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति का अनुभव लेने के लिए पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में

◆ युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के रास्ते

होम स्टे व्यवसाय स्थानीय लोगों की आय का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। लेकिन बेहतर प्रबंधन, अतिथि सत्कार, पर्यटक सुविधाओं और प्रचार प्रसार के लिए प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने होम स्टे प्रबंधन का डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आतिथ्य प्रबंधन, पर्यटक व्यवहार, ग्राहक सेवा, विपणन तकनीक, होम स्टे संचालन और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। इससे युवा न केवल बेहतर तरीके से होम स्टे व्यवसाय संचालित कर सकेंगे बल्कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अन्य अवसर भी तलाश सकेंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

इसके साथ ही उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने स्थानीय संस्कृति और भाषाई विरासत के संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय द्वारा गढ़वाली, कुमाऊनी और नेपाली भाषा में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य राज्य की क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षित करना और युवाओं को भाषा आधारित रोजगार एवं शोध के अवसर उपलब्ध कराना है।

पूरे प्रदेश के विद्यार्थी कर रहे हैं अध्ययन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान समय में कई स्तरों पर विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें स्नातकोत्तर, स्नातक, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय में पूरे प्रदेश से बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। देहरादून क्षेत्र में भी हजारों छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं और विभिन्न अध्ययन केंद्रों के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

यूओयू की नई पहल

विश्वविद्यालय ने इस वर्ष नेपाली छात्रों के लिए भी प्रवेश के अवसर उपलब्ध कराने की पहल की है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी।

गढ़वाली और कुमाऊनी भाषाएं उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आधुनिक दौर में इन भाषाओं के संरक्षण की जरूरत महसूस की जा रही है। विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों को स्थानीय भाषाओं के इतिहास, साहित्य और महत्व को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही भाषा के क्षेत्र में अध्ययन और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा।

खनन राजस्व को लेकर भाजपा आक्रामक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आप सरकार पर खनन आय के चुनावी वादे को लेकर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आम आदमी पार्टी सरकार पर रेत-बजरी खनन को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से पंजाब में रेत और बजरी खनन से 20 हजार करोड़ रुपये की आय जुटाने का दावा किया गया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद यह वादा पूरी तरह विफल साबित हुआ है। ढिल्लों ने कहा कि सरकार न तो अवैध खनन पर रोक लगा पाई और न ही खनन से अपेक्षित राजस्व जुटा सकी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को सत्ता संभाले साढ़े चार साल से अधिक समय हो चुका है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2025-26 में तमाम प्रयासों के बावजूद सरकार खनन क्षेत्र से केवल करीब 600 करोड़ रुपये ही एकत्र कर पाई। उन्होंने कहा कि इसमें लगभग 150 करोड़ रुपये हिमाचल प्रदेश और हरियाणा से आने वाले खनिज पर लगाए गए कर के रूप में प्राप्त हुए हैं। ऐसे में पंजाब के अपने खनन कार्यों से होने वाली आय इससे भी कम रही है।

केवल सिंह ढिल्लों ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने 20 हजार करोड़ रुपये की आय का वादा किया था तो बाकी करीब 19,400 करोड़ रुपये कहां गए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अवैध खनन लगातार चलता रहा और नदियों तथा प्राकृतिक संसाधनों का नुकसान होता रहा, लेकिन सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सकी।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चुनावों के समय जनता को बड़े-बड़े वादे और गारंटियां दी थीं, लेकिन अब उन वादों की वास्तविकता सामने आ रही है। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि सरकार ने लोगों को उम्मीदें दिखाईं, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके विपरीत रही। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और सरकारी राजस्व बढ़ाने के दावे भी पूरे नहीं हुए।

भाजपा नेता ने आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में चुनावी हार के बावजूद पंजाब की सरकार को रिमोट कंट्रोल से चलाने का आरोप जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों को अब सरकार से अपनी गारंटियों और किए गए वादों का हिसाब मांगना चाहिए।

ढिल्लों ने कहा कि रेत-बजरी खनन का मुद्दा केवल एक वादे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण और सरकारी आय से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने में सरकार असफल रही है, जिससे प्रदेश को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि आने वाले समय में भाजपा जनता के बीच जाकर सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करेगी।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक गारंटी का मामला है, जबकि अन्य चुनावी वादों का हिसाब भी जनता के सामने रखा जाएगा।

वेंडिंग जोन योजना के विरोध में नगर निगम पहुंचे चंडीगढ़ के दुकानदार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सुप्रीम कोर्ट द्वारा छोले-भटूरे, तंदूर, फल एवं सब्जी विक्रेताओं जैसे वेंडर्स को 'एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर' की श्रेणी से बाहर किए जाने के बाद चंडीगढ़ में वेंडिंग जोन को लेकर विवाद गहरा गया है। मंगलवार को विभिन्न मार्केट वेल्फेयर एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में दुकानदारों ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर प्रस्तावित व्यवस्था का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने निगम कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए नगर निगम प्रशासन के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया और निगम आयुक्त व संयुक्त आयुक्त से मुलाकात कर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम कुछ वेंडर्स को पहले से विकसित वेंडिंग जोन में स्थानांतरित करने के बजाय उन्हें बाजारों के भीतर ही बैठाने की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि यदि ऐसा किया गया तो इससे बाजारों में भीड़भाड़ बढ़ेगी, यातायात व्यवस्था प्रभावित होगी और नियमित दुकानदारों के कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी स्थिति में बाजारों के भीतर नए वेंडिंग स्थल बनाए जाने का विरोध करेंगे।

प्रदर्शन में शामिल दुकानदार मलकीत सिंह ने कहा कि शहर में पहले ही कई वेंडिंग जोन विकसित किए जा चुके हैं, जहां पर्याप्त संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं और उनका संचालन भी सफलतापूर्वक हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने पूर्व में विस्तृत सर्वेक्षण के आधार पर बाजारों से अलग स्थानों पर वेंडिंग जोन विकसित किए थे, इसलिए अब उन्हीं स्थानों पर वेंडर्स को व्यवस्थित रूप से पुनर्वासित किया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हाईकोर्ट आने वालों को पार्किंग की राहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट आने वाले वकीलों, वादियों और आम लोगों को पार्किंग की बड़ी सुविधा मिल गई है। चंडीगढ़ प्रशासन ने हाईकोर्ट के बाहर लगभग 6.23 एकड़ क्षेत्र में करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से विकसित ग्रीन पार्किंग आम लोगों के लिए शुरू कर दी है। इस पार्किंग में 700 से अधिक वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पार्किंग में ग्रीन पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं, जिनके बीच घास और निर्धारित दूरी पर पेड़ लगाए गए हैं। इससे हरियाली बनी रहेगी और वाहनों को प्राकृतिक छाया भी मिलेगी। विशेष प्रकार के पेवर ब्लॉक वर्षा जल को जमीन में समाने में मदद करेंगे, जिससे जलभराव की समस्या कम होगी। यह क्षेत्र यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कैपिटल कॉम्प्लेक्स का हिस्सा होने के कारण परियोजना को हेरिटेज मानकों के अनुरूप तैयार किया गया। अक्टूबर 2025 में शुरू हुआ निर्माण कार्य अब पूरा होने के बाद लोगों के लिए खोल दिया गया है।

बढ़ते अपराध से मौलीजागरां के लोगों में भय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। मौलीजागरां क्षेत्र में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से लोगों में चिंता बढ़ गई है। सोमवार देर रात सुंदर नगर पार्क में 15 वर्षीय किशोर अमित की तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोप है कि तीन युवकों ने विवाद के बाद अमित पर हमला किया और मौके से फरार हो गए। मौलीजागरां पार्ट-2 निवासी अमित के कान के पीछे गंभीर चोट लगी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। इससे पहले क्षेत्र में 26 वर्षीय आशीष की भी हत्या हुई थी। 24 घंटे में दो हत्याओं के बाद लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है और हत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

चंडीगढ़ केमिस्ट हत्याकांड में खुलासा, पहचान की गलती से कैशियर बना शूटरों का निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार केमिस्ट के कैशियर जानकीदास हत्याकांड की जांच में पुलिस को अहम जानकारी मिली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शूटरों को कैश काउंटर पर बैठे चश्मा लगाए मोटे व्यक्ति को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन पहचान में गलती होने के कारण जानकीदास की हत्या कर दी गई। मामले के मुख्य साजिशकर्ता अमित कुमार उर्फ शराबी को पुलिस सोमवार को घटनास्थल पर लेकर गई और सीन रिक्रिएशन कराया। इस दौरान वारदात की साजिश, शूटरों की गतिविधियों और टारगेट की पहचान से जुड़े कई पहलुओं की जांच की गई। पुलिस के मुताबिक अमित पहले कुमार ब्रदर्स पहुंचा, लेकिन वहां बताए गए हुलिए वाला व्यक्ति नहीं मिला। बाद में वह श्री कुमार केमिस्ट पहुंचा, जहां कैश काउंटर पर बैठे जानकीदास का हुलिया बताए गए व्यक्ति से मिलता-जुलता लगा। इसके बाद शूटर सन्नी मेहरा ने जानकीदास पर गोलियां चला दीं। जांच में सामने आया कि जेल में बंद रोहित माखन ने अमित की बातचीत गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों से कराई थी। पुलिस अब रोहित माखन को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की तैयारी कर रही है। वहीं, अमित शराबी का पुलिस रिमांड पांच दिन और बढ़ा दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी, कॉल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है।

चंडीगढ़ में बारिश का दौर जारी, 11 जुलाई से फिर सक्रिय होगा मानसून

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

शहर और आसपास के क्षेत्रों में अगले दो दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मानसूनी बादल सक्रिय रहने से क्षेत्र में बारिश के आसार बने हुए हैं। इसके बाद करीब दो दिन तक मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है, जबकि 11 जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने के संकेत हैं।

बारिश के कारण लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। हालांकि तापमान में अभी ज्यादा गिरावट दर्ज नहीं की गई है। सोमवार को चंडीगढ़ का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि रविवार रात न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में मानसूनी गतिविधियां तेज हो सकती हैं। इससे तापमान में गिरावट आने के साथ बारिश का सिलसिला भी बढ़ने की संभावना है। लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

बारिश के बाद मौसम हुआ सुहावना

चंडीगढ़ में मानसून की सक्रियता के साथ मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। बारिश के कारण जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है, वहीं शहर के कई हिस्सों में मौसम सुहावना हो गया है। पेड़-पौधों और हरियाली से भरपूर शहर में बारिश के बाद वातावरण में ताजगी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। बारिश के दौरान लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से वाहन चालकों से गीली सड़कों पर धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की गई है। बारिश को देखते हुए प्रशासन ने जल निकासी व्यवस्था पर भी निगरानी बढ़ा दी है।

ड्रंक एंड ड्राइव मामले में दस हजार जुर्माना तीन महीने के लिए लाइसेंस निलंबित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शराब पीकर वाहन चलाने और पुलिसकर्मियों से बहसबाजी करने वाले तीन युवकों को अदालत ने अनोखी सजा सुनाई है। चंडीगढ़ की अदालत ने फॉर्च्यूनर कार में सवार युवकों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के साथ उनका ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। इसके अलावा अदालत ने उन्हें चार दिन तक शहर के अलग-अलग चौराहों पर खड़े होकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया है।

मामला चंडीगढ़ के सेक्टर-34 और 35 डिवाइडिंग रोड का है, जहां देर रात पुलिस और मार्शल की ओर से ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत नाका लगाया गया था। इसी दौरान पंजाब नंबर की फॉर्च्यूनर कार को जांच के लिए रोका गया। आरोप है कि कार चालक सहित उसमें सवार तीन युवकों ने नाके पर हंगामा शुरू कर दिया और पुलिसकर्मियों व मार्शल से बहस करने लगे।

मार्शल सुखजीत कौर की शिकायत के अनुसार, कार चालक लवजोत ने शराब पी हुई थी। जांच के दौरान वह कथित तौर पर अभद्र व्यवहार करने लगा और ड्यूटी पर तैनात मार्शल के साथ धक्का-मुक्की करने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलाया गया, लेकिन आरोप है कि युवकों ने महिला पुलिसकर्मी के साथ भी बहसबाजी की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मौके पर युवकों और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद दिखाई दे रहा है।

पुलिस ने हंगामे के बाद तीनों युवकों को हिरासत में लिया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। बाद में उन्हें अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत को घटना से जुड़ी वीडियो भी दिखाई गई। वीडियो देखने के बाद न्यायाधीश ने युवकों के व्यवहार पर नाराजगी जताई और उन्हें जुर्माना तथा लाइसेंस निलंबन की सजा सुनाई। अदालत ने ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए कि युवकों को चार दिन तक चंडीगढ़ के प्रमुख चौराहों पर खड़ा किया जाए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजीव अरोड़ा को हाई कोर्ट से फिलहाल नहीं मिली राहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री संजीव अरोड़ा को फिलहाल पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने तत्काल कोई आदेश पारित करने के बजाय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मामले की अब तक की जांच से संबंधित विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ही नियमित जमानत याचिका पर आगे विचार किया जाएगा। ऐसे में फिलहाल अरोड़ा को न्यायिक राहत का इंतजार करना होगा।

संजीव अरोड़ा ने नियमित जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख तब किया, जब गुरुग्राम की निचली अदालत ने 15 जून को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। निचली अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर कर नियमित जमानत की मांग की। याचिका में कहा गया कि उनके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग का मामला मूल रूप से गुरुग्राम में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है और उसी के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की।

मामले के अनुसार, गुरुग्राम में 18 मार्च को दर्ज एफआईआर के बाद ईडी ने वित्तीय लेनदेन और कथित धनशोधन से जुड़े पहलुओं की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि प्राथमिकी में वर्णित तथ्यों के आधार पर धनशोधन के अपराध की आशंका बनने पर पीएमएलए के प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर ईडी ने आगे की कानूनी कार्रवाई की।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि संजीव अरोड़ा 9 मई से ईडी की हिरासत में हैं और तब से लगातार न्यायिक प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं। उनका पक्ष है कि जांच में सहयोग किया गया है और अब नियमित जमानत दी जानी चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया कि जांच एजेंसी की कार्रवाई मूल एफआईआर पर आधारित है तथा मामले की सभी आवश्यक जानकारियां जांच एजेंसी के पास उपलब्ध हैं।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। अदालत ने इस स्तर पर किसी भी प्रकार की अंतरिम राहत देने से परहेज करते हुए ईडी को निर्देश दिया कि वह जांच की वर्तमान स्थिति, अब तक की प्रगति, एकत्र किए गए साक्ष्यों और मामले से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे। अदालत का मानना है कि जमानत जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर निर्णय लेने से पहले जांच की स्थिति का स्पष्ट होना आवश्यक है। अदालत के निर्देश के बाद अब ईडी निर्धारित समय के भीतर अपनी रिपोर्ट दाखिल करेगी।

हाईकोर्ट सुनवाई तक जीरकपुर नगर परिषद का कामकाज ठप

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर।

नगर परिषद जीरकपुर के नवनियुक्त प्रधान गुरप्रीत सिंह विर्क द्वारा अब तक पदभार ग्रहण नहीं किए जाने से शहर में विकास कार्यों की रफ्तार थम गई है। राज्य सरकार की ओर से कार्य संचालन की अधिसूचना जारी किए जाने के बावजूद परिषद का नियमित कामकाज शुरू नहीं हो सका है। इसका सीधा असर शहर की मूलभूत सुविधाओं और लंबित विकास परियोजनाओं पर पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से सड़कें, पेयजल, सीवरेज और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

◆ छह महीने से लंबित विकास योजनाओं का इंतजार कर रहे जीरकपुर के हजारों नागरिक

नगर परिषद के प्रधान का चुनाव हाल ही में संपन्न हुआ था, जिसमें वार्ड-31 से पार्षद गुरप्रीत सिंह विर्क को प्रधान चुना गया। इसके साथ ही गुरविंदर सिंह रंगी को सीनियर उपप्रधान और जश्नप्रीत कौर को उपप्रधान बनाया गया। इसके बाद पंजाब सरकार ने निर्वाचित पदाधिकारियों को कार्य करने की अनुमति प्रदान करते हुए अधिसूचना जारी कर दी। हालांकि, चुनाव प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के कारण प्रधान ने अभी तक औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण नहीं किया है। मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई को निर्धारित है। पदभार ग्रहण न होने से परिषद की कई महत्वपूर्ण फाइलें लंबित हैं।

डेराबस्सी में प्रदूषण फैलाने वाले दो प्लांटों पर कार्रवाई, लाखों की बैंक गारंटी के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, डेराबस्सी

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए डेराबस्सी के गांव सुंदरां में संचालित दो प्लांटों पर बड़ी कार्रवाई की है। बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने के आरोप में दोनों इकाइयों को भारी बैंक गारंटी जमा कराने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य उद्योग संचालकों में भी हलचल तेज हो गई है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) कंवलदीप कौर ने बताया कि गांव सुंदरां स्थित मैसर्स शिक्षा इंटरप्राइजेज (पूर्व नाम शंकर बिल्डर्स) के खिलाफ पर्यावरण संबंधी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एक लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा कराने के आदेश जारी किए गए हैं। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित इकाई निर्धारित पर्यावरण मानकों का पालन नहीं कर रही थी, जिसके चलते बोर्ड ने यह कदम उठाया।

उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इसी क्षेत्र में स्थित मैसर्स बिंदरा एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, जो हॉट मिक्स प्लांट का संचालन करती है, के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। इस प्लांट पर प्रदूषण नियंत्रण मानकों की अनदेखी करने के आरोप में दो लाख रुपये की बैंक गारंटी जमा कराने के आदेश दिए गए थे। बोर्ड का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों को संचालन के दौरान प्रदूषण नियंत्रण संबंधी सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

अधिकारियों के अनुसार, बोर्ड समय-समय पर विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण करता है। निरीक्षण के दौरान यदि किसी इकाई में वायु, धूल या अन्य प्रकार का प्रदूषण फैलाने अथवा पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी करने के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित इकाई के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

अमान्य पीएचडी डिग्रियों पर डीएवी कॉलेज से तीन प्रोफेसर बाहर

सीएमजे विश्वविद्यालय की अमान्य पीएचडी डिग्रियों के आधार पर नियुक्त तीन शिक्षकों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज की गवर्निंग बॉडी ने फर्जी एवं अमान्य पीएचडी डिग्रियों के आधार पर नियुक्त तीन शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इनमें कंप्यूटर साइंस विभाग की सहायक प्रोफेसर मंदीप जोसन भी शामिल हैं। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि यह कार्रवाई पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्ति की स्वीकृति वापस लेने तथा सीएमजे विश्वविद्यालय, शिलांग की पीएचडी डिग्रियों को अमान्य ठहराए जाने संबंधी न्यायिक और वैधानिक निर्णयों के अनुपालन में की गई है।

कॉलेज के अनुसार मंदीप जोसन करीब 13 वर्षों से संस्थान में कार्यरत थीं। गवर्निंग बॉडी के महासचिव अजय सूरी द्वारा जारी आदेश में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. मोना नारंग को तत्काल प्रभाव से उनकी सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए गए। आदेश जारी होने के बाद कॉलेज प्रशासन ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए कार्रवाई लागू कर दी।

प्रबंधन ने बताया कि यह निर्णय किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय और न्यायालय के आदेशों के पालन के तहत लिया गया है। कॉलेज का कहना है कि शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्ति के लिए मान्य और वैध शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य है तथा अमान्य डिग्रियों के आधार पर नियुक्ति जारी नहीं रखी जा सकती।

मामले की पृष्ठभूमि वर्ष 2013 से जुड़ी है, जब मेघालय के राज्यपाल ने सीएमजे विश्वविद्यालय की डिग्रियों को अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने भी इन डिग्रियों को मान्यता देने से इनकार कर दिया। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी संबंधित मामले में निर्णय दिया, जिसके आधार पर अब कॉलेज ने कार्रवाई की है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि 3 जुलाई को शालिका रानी और विनोद कुमार की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई थीं।

दोनों की नियुक्तियां भी सीएमजे विश्वविद्यालय की अमान्य पीएचडी डिग्रियों के आधार पर हुई थीं। इस बीच आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. राजिंदर के. सिंगला ने कहा कि केवल सेवा समाप्त करना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कर कथित रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ दीवानी, आपराधिक और विभागीय कार्रवाई की जाए।

साथ ही फर्जी डिग्रियों के आधार पर वर्षों तक दिए गए वेतन और अन्य सार्वजनिक धन की भी वसूली सुनिश्चित की जाए।

जांच और जवाबदेही की मांग तेज

कॉलेज प्रबंधन की इस कार्रवाई के बाद उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्तियों के दौरान शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया एक बार फिर चर्चा में आ गई है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नियुक्ति से पहले सभी डिग्रियों और प्रमाणपत्रों का संबंधित विश्वविद्यालय तथा सक्षम संस्थाओं से पूरी तरह सत्यापन किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार के विवाद सामने न आएं। जानकारों का कहना है कि यदि किसी शिक्षक की नियुक्ति अमान्य शैक्षणिक योग्यता के आधार पर हुई है, तो ऐसे मामलों में केवल सेवा समाप्ति ही नहीं, बल्कि पूरी नियुक्ति प्रक्रिया की भी समीक्षा की जानी चाहिए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि नियुक्ति के समय दस्तावेजों की जांच किस स्तर पर हुई थी और कहीं प्रक्रिया में कोई चूक तो नहीं हुई। उधर, आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. राजिंदर के. सिंगला ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर यह भी पता लगाया जाए कि फर्जी या अमान्य डिग्रियों के आधार पर नियुक्तियां कैसे स्वीकृत हुईं।

बठिंडा निगम की पहली बैठक में 94 प्रस्तावों पर होगी चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

नगर निगम के नए हाउस के गठन के बाद बुधवार 8 जुलाई को होने वाली पहली जनरल हाउस बैठक शहर के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मेयर पदमजीत मेहता की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इस बैठक में शहर के बुनियादी ढांचे, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क निर्माण, सार्वजनिक सुविधाओं और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कुल 94 प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी मिलने की संभावना है, जिनका सीधा असर शहर की विकास योजनाओं पर पड़ेगा।

बैठक का सबसे प्रमुख एजेंडा नगर निगम के 150 आउटसोर्स कर्मचारियों से जुड़ा हुआ है। सरकार की ओर से पहले पारित प्रस्ताव को रद्द किए जाने के बाद अब नगर निगम हाउस इस फैसले के खिलाफ अपील करने की मंजूरी मांग सकता है। निगम अधिकारियों का कहना है कि कर्मचारियों का रोजगार सुरक्षित रखना जरूरी है, क्योंकि सफाई व्यवस्था समेत कई महत्वपूर्ण सेवाएं इन्हीं कर्मचारियों के माध्यम से संचालित हो रही हैं। कर्मचारियों की सेवाएं प्रभावित होने से शहर की व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

इसके अलावा शहर में अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्यों को दोबारा शुरू करने के लिए विभिन्न जोनों के संशोधित एस्टीमेट भी बैठक में रखे जाएंगे। निर्माण सामग्री की कीमतों में वृद्धि के कारण कई परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है। ऐसे में नए खर्च के अनुसार संशोधित प्रस्ताव तैयार कर दोबारा टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की योजना बनाई गई है। सिविल स्टेशन क्षेत्र की सड़कों की री-कारपेटिंग के लिए करीब 25 प्रतिशत अतिरिक्त राशि मंजूर करने का प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल है।

मेयर कार्यालय के लिए गाड़ी और मलबा फेंकने वालों पर कार्रवाई

जनरल हाउस बैठक में मेयर कार्यालय के लिए नई सरकारी गाड़ी खरीदने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसके लिए कई वाहन कंपनियों के मॉडल और कोटेशन हाउस के सामने प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें महिंद्रा बोलेरो नियो, स्कॉर्पियो क्लासिक, थार और स्कॉर्पियो-एन जैसे वाहन शामिल हैं। शहर में सड़कों, खाली प्लॉटों और सार्वजनिक स्थानों पर निर्माण मलबा फेंकने वालों के खिलाफ सख्ती करने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसके तहत अवैध रूप से मलबा फेंकने वाले वाहनों पर 25 हजार रुपये जुर्माना लगाने और वाहन जब्त करने का प्रावधान किया जाएगा।

निगम का उद्देश्य शहर में बढ़ती गंदगी और अव्यवस्था पर रोक लगाना है। बैठक में सार्वजनिक शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए करीब 5.31 करोड़ रुपये की लागत से दो वर्ष का नया टेंडर जारी करने पर भी फैसला लिया जाएगा।

विकास पर रहेगा फोकस

बठिंडा नगर निगम की पहली जनरल हाउस बैठक में शहर के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, सीवरेज, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के विकास और अन्य जरूरी सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा कर फैसले लिए जाएंगे।

एलएडीसी नीति विरोध में लुधियाना में वकीलों की अनिश्चित हड़ताल शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । एलएडीसी (लीगल एड डिफेंस काउंसिल) नीति के विरोध में पंजाब बार एसोसिएशनों की जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के आह्वान पर मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन लुधियाना के अधिवक्ताओं ने अनिश्चितकालीन 'नो वर्क डे' शुरू कर दिया। हड़ताल के पहले दिन अधिवक्ताओं ने अदालतों में कामकाज का बहिष्कार किया, जिसके चलते जिला अदालतों में न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा।

◆न्यायिक कार्य हुआ प्रभावित

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन सग्गर और सचिव हिमांशु वालिया ने बताया कि कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार किसी भी अधिवक्ता ने अदालतों में पेश होकर मामलों की पैरवी नहीं की। इसके कारण कई मामलों में नियमित सुनवाई नहीं हो सकी और अदालतों को मामलों की अगली तारीखें निर्धारित करनी पड़ीं।

हड़ताल के दौरान कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं की एकजुटता भी देखने को मिली। कोर्ट कॉम्प्लेक्स और चैंबर कॉम्प्लेक्स के बीच स्थित गेट को बंद रखा गया। पूरे दिन अधिवक्ताओं ने आंदोलन का समर्थन करते हुए न्यायिक कार्य से दूरी बनाए रखी।

इससे अदालत परिसर में सामान्य गतिविधियां प्रभावित रहीं। अध्यक्ष विपिन सग्गर ने कहा कि यह आंदोलन अधिवक्ताओं के अधिकारों, पेशेवर स्वतंत्रता और न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने की मांग को लेकर किया जा रहा है।

सचिव हिमांशु वालिया ने बताया कि अधिवक्ताओं की मांग है कि वर्तमान एलएडीसी नीति को वापस लिया जाए और पहले की व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें बार एसोसिएशनों के माध्यम से अधिवक्ताओं के पैनल तैयार किए जाते थे।

वीसी चयन में सिख उम्मीदवारों की अनदेखी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सिख अनदेखी पर महेशिंदर ग्रेवाल ने जताई चिंता

पंजाब यूनिवर्सिटी के कुलपति पद की चयन प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री महेशइंदर सिंह ग्रेवाल ने आरोप लगाया है कि कुलपति पद के लिए चल रही साक्षात्कार प्रक्रिया में सिख उम्मीदवारों को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने इस मामले में चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए चिंता व्यक्त की है।

महेशइंदर सिंह ग्रेवाल ने कहा कि कुलपति पद के लिए बड़ी संख्या में योग्य और अनुभवी शिक्षाविदों ने आवेदन किया था। इनमें कई प्रख्यात विद्वान, पूर्व और वर्तमान कुलपति तथा अनुभवी शैक्षणिक प्रशासक शामिल थे। इसके बावजूद किसी भी सिख उम्मीदवार को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया, जो चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि 3 जुलाई से शुरू हुई अंतःक्रिया प्रक्रिया में चयन के मानदंडों को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के चयन का आधार सार्वजनिक किया जाए, ताकि लोगों के मन में किसी प्रकार की शंका न रहे। अकाली नेता ने कहा कि योग्य उम्मीदवारों को साक्षात्कार चरण से बाहर रखने से समान अवसर और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिष्ठित संस्थान में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित होनी चाहिए, जिससे सभी हितधारकों का विश्वास बना रहे।

ग्रेवाल ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी लंबे समय से अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता, विविधता और समावेशी परंपरा के लिए जानी जाती है। ऐसे में कुलपति जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति भी संस्थान के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के पक्षपात की आशंका नहीं होनी चाहिए और सभी योग्य उम्मीदवारों को उचित अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अपील की कि कुलपति चयन प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता के आधार पर पूरा किया जाए।

गुरदासपुर में सरकारी शिक्षक ने नहर में छलांग लगाई, तलाश जारी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरदासपुर

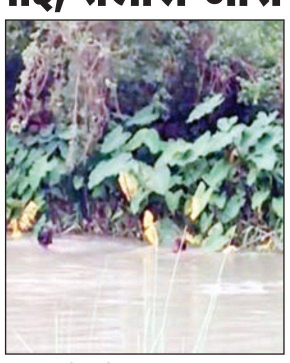

गुरदासपुर जिले के काहनूवान क्षेत्र में एक सरकारी शिक्षक द्वारा नहर में छलांग लगाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंच गए। शिक्षक की तलाश के लिए पुलिस और गोताखोरों की टीम की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, गांव सल्लोपुर निवासी गुरप्रीत सिंह सरकारी प्राइमरी स्कूल भैणी मियां खां में शिक्षक के पद पर तैनात हैं। सोमवार सुबह वह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने सभराओं ब्रांच नहर के भट्टियां पुल के पास अपनी कार खड़ी की और कथित तौर पर नहर में छलांग लगा दी।

घटना से पहले गुरप्रीत सिंह ने अपने साथी शिक्षक गुरप्रताप सिंह को फोन किया था। साथी शिक्षक और गांव के सरपंच कौशल सिंह के अनुसार, गुरप्रीत ने फोन पर बताया था कि वह भट्टियां गांव के पास नहर किनारे खड़े हैं और उनको कार वहीं मौजूद है। कार में उनका जरूरी सामान रखा हुआ था।

साथी शिक्षक के अनुसार, बातचीत के दौरान गुरप्रीत सिंह ने एसआईआर ड्यूटी को लेकर अपनी परेशानी भी जाहिर की थी।

अमृतसर में तीन अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

पंजाब सरकार के निर्देशों के तहत अमृतसर विकास प्राधिकरण (एडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिले में विकसित की जा रही तीन अनधिकृत कॉलोनियों पर बुलडोजर चला दिया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण कार्यों को ध्वस्त किया गया। एडीए अधिकारियों का कहना है कि बिना मंजूरी विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

एडीए के रेगुलेटरी विंग ने यह कार्रवाई गांव कंबो (रामतीर्थ रोड), गांव खैराबाद (मीरांकोट चौक-रामतीर्थ रोड, वेलकम सिटी के पास) और गांव दालम (अजनाला रोड) में की। इन स्थानों पर कॉलोनी डेवलपर्स की ओर से बिना विभागीय अनुमति के निर्माण कार्य करवाए जा रहे थे। अधिकारियों के अनुसार इन कॉलोनियों में सड़कें, प्लॉटिंग और अन्य विकास कार्य नियमों के विपरीत किए जा रहे थे।

जिला टाउन प्लानर ने बताया कि पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन एक्ट (पापरा एक्ट)-1995 के तहत संबंधित कॉलोनी डेवलपर्स को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस के माध्यम से उन्हें अवैध निर्माण कार्य तुरंत रोकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने पर एडीए ने सख्त कदम उठाते हुए 3 जुलाई 2026 को ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए। इन्हीं आदेशों के आधार पर मंगलवार को कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि गांव कंबो में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। यहां 10 अक्टूबर 2025 को निर्माण कार्यों को हटाया गया था, लेकिन इसके बाद भी दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया। इसी तरह गांव दालम में भी 12 जून 2026 को अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया था, लेकिन नियमों की अनदेखी करते हुए फिर से निर्माण शुरू कर दिया गया। इसके बाद एडीए की टीम ने दोबारा कार्रवाई करते हुए नए निर्माण को भी गिरा दिया।

एडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अवैध कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ अब सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पापरा एक्ट-1995 के संशोधन-2024 के अनुसार अवैध कॉलोनी विकसित करने वाले लोगों को 5 से 10 वर्ष तक की कैद और 25 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। प्राधिकरण की ओर से जमीन मालिकों और कॉलोनी डेवलपर्स के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग को भी पत्र लिखा जा रहा है।

हॉकी कप्तान हरमन परिवार संग दरबार साहिब में हुए नतमस्तक

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

प्रो हॉकी लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमन अपने परिवार के साथ सचखंड श्री दरबार साहिब पहुंचे और गुरु घर में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। उन्होंने दरबार साहिब में अरदास कर सरबत के भले, देश की तरक्की और भारतीय हॉकी टीम की लगातार सफलता की कामना की।

हरमन ने गुरु घर पहुंचकर वाहेगुरु का शुक्रिया अदा किया और कहा कि श्री दरबार साहिब आकर उन्हें हमेशा आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने बताया कि वह बचपन से ही परिवार के साथ यहां आते रहे हैं और बड़े टूर्नामेंट से पहले या बाद में गुरु घर आकर आशीर्वाद लेना अपने लिए सौभाग्य मानते हैं।

मीडिया से बातचीत करते हुए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने प्रो लीग में टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने एकजुट होकर मैदान पर शानदार खेल दिखाया और खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास से अच्छे परिणाम हासिल हुए। पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत को लेकर उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला हमेशा खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस तरह की जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है और भविष्य के टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

हरमन ने उम्मीद जताई कि भारतीय हॉकी टीम आने वाले मुकाबलों में भी देश का नाम रोशन करेगी और अधिक से अधिक पदक जीतने का प्रयास करेगी।

न्यूज ब्रीफ

जालंधर-अमृतसर हाईवे पर गड्ढों से बढ़ी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। मानसून की शुरुआत के साथ ही जालंधर-अमृतसर हाईवे की सर्विस लेन की बदहाल स्थिति सामने आने लगी है। जालंधर में हुई थोड़ी देर की बारिश के बाद सर्विस लेन पर पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं। कई वाहन चालक इन गड्ढों में फंस गए और उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्विस लेन की लंबे समय से मरम्मत नहीं हुई है, जिसके कारण बारिश के बाद हालात और खराब हो जाते हैं। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते गड्ढों को ठीक नहीं किया गया तो बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो सकता है। वाहन चालकों ने इस समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की है।

स्कूल में मिड-डे मील फेंकने का मामला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-56 स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील के बचे भोजन को कथित तौर पर बाहर फेंकने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले का संज्ञान लिया है। वीडियो में स्कूल की एक महिला स्टाफ सदस्य मिड-डे मील का बचा हुआ भोजन बाहर ले जाते हुए दिखाई दे रही है। इसी दौरान एक व्यक्ति ने वीडियो बनाना शुरू किया, जिसके बाद कर्मचारी कथित तौर पर भोजन वापस स्कूल परिसर में ले गए। पूछताछ में स्टाफ ने बताया कि खिचड़ी और दाल बची हुई थी, जिसे हटाने के लिए कहा गया था। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि बचा हुआ भोजन पहले भी फेंका जाता रहा है। शिक्षा विभाग के निदेशक स्कूल शिक्षा नितिश सिंगला ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है। वीडियो देखने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि मिड-डे मील को नष्ट करना गलत है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

अमृतसर कोट खालसा में युवक की गोली मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

अमृतसर। शहर के कोट खालसा इलाके में मंगलवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और हमलावरों की तलाश में कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान नितिन उर्फ नीली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, देर रात दो अज्ञात हमलावरों ने नितिन पर गोलियां चला दीं। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौके पर पहुंचे एडीसीपी विशालजीत सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटनास्थल से गोलियों के खोल और अन्य जरूरी साक्ष्य बरामद किए गए हैं। पुलिस टीमों ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि वारदात को अंजाम देने वाले आरोपितों की पहचान की जा सके।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान सामने आई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले से जुड़े आरोपितों को गिरफ्तार कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश हो सकती है। पुलिस मृतक के आपराधिक रिकॉर्ड और उसके पुराने विवादों की भी जांच कर रही है।

हाईकोर्ट द्वारा रोक हटाने के बाद पंजाब में प्रिंसिपलों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया फिर होगी शुरू

हाईकोर्ट के फैसले से प्रिंसिपल प्रमोशन बहाल

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

खाली पदों पर जल्द नियुक्ति से स्कूल व्यवस्था सुधरेगी

पंजाब के शिक्षा विभाग में लंबे समय से अटकी हुई प्रिंसिपलों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की ओर से पदोन्नतियों पर लगाई गई रोक हटाए जाने के बाद अब प्रदेश में प्रिंसिपलों की प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ) ने इसे संगठन के लंबे संघर्ष और कानूनी प्रयासों की बड़ी सफलता बताया है।

डीटीएफ के जिला प्रधान बलजिंदर सिंह और जिला सचिव जसविंदर सिंह ने कहा कि संगठन पिछले कई वर्षों से प्रिंसिपलों, हेडमास्टरों और अन्य शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति को लेकर संघर्ष कर रहा था। उन्होंने बताया कि संगठन के प्रयासों के बाद पहले ही प्रमोशन कोटा 75 प्रतिशत करवाया गया था, जिससे विभिन्न कैडरों के शिक्षकों को पदोन्नति मिलने का रास्ता खुला था।

उन्होंने कहा कि बाद में कुछ लोगों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर किए जाने के कारण पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लग गई थी। इसके बाद डीटीएफ ने एक तरफ संघर्ष जारी रखा और दूसरी तरफ कानूनी लड़ाई भी लड़ी। संगठन की ओर से हरविंदर सिंह (फतेहगढ़ साहिब) और कुलविंदर सिंह (बठिंडा) की अगुवाई में मामले को अदालत में मजबूती से उठाया गया। अब हाईकोर्ट द्वारा स्टे हटाए जाने के बाद लंबित पदोन्नतियों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

डीटीएफ नेताओं ने कहा कि पंजाब के सेकेंडरी स्कूलों में इस समय करीब 65 से 70 प्रतिशत प्रिंसिपलों के पद खाली पड़े हैं। बड़ी संख्या में पद खाली होने के कारण स्कूलों के प्रशासनिक कार्यों और शैक्षणिक व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित प्रिंसिपलों की नियुक्ति होने से स्कूलों का संचालन बेहतर तरीके से हो सकेगा। संगठन ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद बिना किसी देरी के प्रिंसिपलों की पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके साथ ही अन्य लंबित पदोन्नतियों को भी जल्द पूरा किया जाए। डीटीएफ ने मांग की कि सी एंड वी शिक्षकों से मास्टर कैडर तक की पदोन्नति प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाए।

दिडवा बाजार में ज्वेलर्स दुकान से लाखों की चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर।

संगरूर जिले के दिडवा की मेन मार्केट स्थित हरि ज्वेलर्स की दुकान को देर रात अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोर दुकान की छत पर लगे दरवाजे को तोड़कर अंदर दाखिल हुए और लाखों रुपये के चांदी के गहने चोरी कर फरार हो गए। दुकान मालिक हरि सिंह के अनुसार, चोरों ने दुकान के काउंटर और लॉकर से करीब डेढ़ किलो चांदी के आभूषण चोरी किए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे जांच प्रभावित हो सकती है।

सुबह दुकान पहुंचने पर मालिक को चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

फैंसी नंबर के लिए युवक ने खर्च किए लाखों रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

कहते हैं कि शौक की कोई कीमत नहीं होती। इसका एक अनोखा उदाहरण जालंधर में देखने को मिला, जहां एक व्यक्ति ने अपनी एक्टिवा के लिए पसंदीदा वीआईपी नंबर हासिल करने के लिए 8.52 लाख रुपये खर्च कर दिए। हैरानी की बात यह है कि यह रकम किसी महंगी कार या लग्जरी वाहन के लिए नहीं, बल्कि दोपहिया वाहन के फैंसी नंबर पीबी 08 जीए 0001 के लिए खर्च की गई है।

परिवहन विभाग की ओर से आयोजित ई-ऑक्शन में इस वीआईपी नंबर के लिए सबसे अधिक बोली लगाई गई। नंबरों के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई अन्य फैंसी नंबर भी लाखों रुपये में बिके।

ई-नीलामी में पीबी 08 जीए 0009 नंबर 2 लाख रुपये में बिका, जबकि पीबी 08 जीए 0007 के लिए 3.11 लाख रुपये की बोली लगाई गई। इसी तरह पीबी 08 जीए 0005 नंबर 2.83 लाख रुपये और पीबी 08 जीए 0008 नंबर 2.50 लाख रुपये में आवंटित हुआ। इसके अलावा 0002, 0003, 0006 और 0009 जैसे नंबरों के लिए भी खरीदारों ने करीब 2-2 लाख रुपये तक की बोली लगाई।

आरटीओ अधिकारियों के अनुसार फैंसी और पसंदीदा नंबरों की ई-नीलामी प्रक्रिया हर सप्ताह आयोजित की जाती है। इसमें इच्छुक लोग ऑनलाइन आवेदन कर अपनी पसंद के नंबर के लिए बोली लगाते हैं।

नियम हरिमंदिर साहिब में शॉर्ट्स पहनकर पहुंचे विदेशी जोड़े को प्रवेश से रोका

हरिमंदिर साहिब में ड्रेस कोड का पालन जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरदासपुर

अमृतसर। श्री हरिमंदिर साहिब के बाहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक विदेशी जोड़ा शॉर्ट्स पहनकर माथा टेकने के लिए पहुंचता दिखाई दे रहा है, लेकिन प्रवेश द्वार पर मौजूद सेवादार ने उन्हें गुरुद्वारा साहिब की मर्यादा और निर्धारित नियमों की जानकारी देते हुए अंदर जाने से रोक दिया।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सेवादार विदेशी जोड़े से शांतिपूर्वक बातचीत करते हैं और उन्हें बताते हैं कि श्री हरिमंदिर साहिब परिसर में प्रवेश के लिए विशेष मर्यादा का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में शॉर्ट्स पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है और सभी श्रद्धालुओं से सिर पूरे कपड़े पहनना अनिवार्य है।

इस दौरान सेवादार ने यह भी स्पष्ट किया कि श्री हरिमंदिर साहिब में दर्शन और प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है। उन्होंने विदेशी जोड़े को किसी भी प्रकार के शुल्क या टिकट की आवश्यकता नहीं होने की जानकारी दी। वीडियो में विदेशी महिला सेवादार से नियमों के बारे में जानकारी लेते हुए दिखाई देती है। उसने पूछा कि क्या यही नियम उसके पुरुष साथी पर भी लागू होता है।

इस पर सेवादार ने जवाब दिया कि गुरुद्वारा साहिब की मर्यादा सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए समान है। यह नियम किसी व्यक्ति के देश, धर्म या पहचान के आधार पर अलग नहीं होता। उन्होंने दोनों को पास के बाजार से पायजामा या अन्य पूरे कपड़े खरीदकर आने की सलाह दी। विदेशी महिला ने इस बात पर सहमति जताई।

श्री हरिमंदिर साहिब परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए पहले से ही सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। इन बोर्डों पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि शॉर्ट्स, कैपरी, मिनी स्कर्ट, टॉपी और अन्य अनुचित वस्त्र पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। श्रद्धालुओं से सिर ढककर और पूरे वस्त्र पहनकर ही परिसर में प्रवेश करने की अपील की जाती है।

गुरुद्वारा प्रबंधन और सेवादारों का उद्देश्य किसी श्रद्धालु को असुविधा पहुंचाना नहीं, बल्कि धार्मिक परंपराओं और मर्यादा को बनाए रखना होता है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री हरिमंदिर साहिब में दर्शन के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में सभी आगंतुकों से नियमों का पालन करने की अपील की जाती है।

सुल्तानपुर लोधी में गहराया पेट्रोल संकट

भारतेन्दु संवाददाता, सुल्तानपुर लोधी

पेट्रोल की कमी के कारण सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मांग के अनुसार पेट्रोल की आपूर्ति नहीं होने और सप्लाई प्रभावित रहने के कारण कई पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों को निराश लौटना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि लोग थोड़ी मात्रा में पेट्रोल लेने के लिए भी घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले करीब दो महीनों से क्षेत्र के कई ग्रामीण पेट्रोल पंपों पर सप्लाई प्रभावित चल रही है। इसके चलते कई पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध नहीं है और वाहन चालकों को पेट्रोल भरवाने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों का रुख करना पड़ रहा है। दिहाड़ी मजदूरों ने बताया कि वे सुबह पेट्रोल पंपों पर जाकर केवल 100 रुपये का पेट्रोल देने की मांग करते हैं, लेकिन उन्हें सप्लाई आने तक इंतजार करने के लिए कहा जाता है।

समस्या की गंभीरता को देखते हुए जब क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाकों के पेट्रोल पंपों का दौरा किया गया तो अधिकांश स्थानों पर पेट्रोल की कमी देखने को मिली। करमजीतपुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने बताया कि काफी समय से पेट्रोल की सप्लाई नहीं पहुंची है, जिसके कारण पंप खाली पड़ा हुआ है।

कपूरथला रोड स्थित पेट्रोल पंप पर टैंकर पहुंचने की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक पेट्रोल लेने के लिए पहुंच गए। वहीं, तलवंडी चौधरियां रोड पर स्थित पेट्रोल पंपों से भी पेट्रोल खत्म होने के कारण कई ग्राहकों को वापस लौटना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि पेट्रोल संकट का असर किसानों, कर्मचारियों, छोटे व्यापारियों और रोजाना काम पर जाने वाले लोगों पर पड़ रहा है। पेट्रोल के लिए अतिरिक्त दूरी तय करने से समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है।

लोगों ने तेल कंपनियों, जिला प्रशासन और पंजाब सरकार से मांग की है कि समस्या का तुरंत समाधान कर क्षेत्र में पेट्रोल की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थिति सामान्य नहीं हुई तो लोगों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

तकनीक ने दुनिया को जोड़ा लेकिन घटते आत्मीय संवाद ने बढ़ाई अकेलेपन की समस्या

मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी तेज गति से प्रगति की है उतनी ही तेजी से जीवनशैली में भी बदलाव आया है। आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेज इंटरनेट स्मार्टफोन और सोशल मीडिया का युग है। दुनिया पहले की तुलना में अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है। कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्षणों में हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से बातचीत कर सकता है। कामकाज शिक्षा स्वास्थ्य बैंकिंग और मनोरंजन तक लगभग हर सुविधा डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध है। इन उपलब्धियों ने जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी सामाजिक चुनौती भी तेजी से उभरकर सामने आई है जो दिखाई कम देती है लेकिन उसके प्रभाव बहुत गहरे हैं। यह चुनौती है अकेलेपन की। विडंबना यह है कि संपर्क के साधन बढ़ने के बावजूद लोगों के बीच आत्मीय संवाद घटता जा रहा है। डिजिटल दुनिया में मित्रों और अनुयायियों की संख्या बढ़ रही है लेकिन वास्तविक जीवन में ऐसे लोगों की संख्या कम होती जा रही है जिनके साथ व्यक्ति खुलकर अपने मन की बात साझा कर सके।

विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अकेलेपन को केवल भावनात्मक स्थिति नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती माना है। शोध बताते हैं कि लंबे समय तक अकेलेपन की भावना व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इससे अवसाद चिंता तनाव अनिद्रा उच्च रक्तचाप हृदय रोग और प्रतिरक्षा क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। कई अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि लगातार सामाजिक अलगाव समय से पहले मृत्यु के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। इसलिए अकेलेपन को केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वभाव का हिस्सा मानना उचित नहीं है। यह बदलती सामाजिक संरचना और जीवनशैली से जुड़ी ऐसी चुनौती है जिसके समाधान के लिए परिवार समाज शिक्षा व्यवस्था और सरकार सभी की साझा भूमिका आवश्यक है।

भारत जैसे देश में लंबे समय तक संयुक्त परिवार सामाजिक जीवन का आधार रहे हैं। परिवार केवल आर्थिक इकाई नहीं था बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का सबसे मजबूत माध्यम भी था। दादा दादी माता पिता भाई बहन रिश्तेदार और पड़ोसी सभी जीवन के सुख दुख में सहभागी बनते थे। गांवों और कस्बों में सामाजिक मेलजोल नियमित जीवन का हिस्सा था। त्योहार सामूहिक रूप से मनाए जाते थे और लोगों के बीच प्रत्यक्ष संवाद बना रहता था। बदलते समय के साथ शहरीकरण रोजगार के लिए पलायन और एकल परिवारों की बढ़ती संख्या ने इस सामाजिक संरचना को काफी हद तक बदल दिया है। आज लाखों युवा पढ़ाई या नौकरी के लिए अपने घरों से दूर रहते हैं। महानगरों में पड़ोसी वर्षों तक एक दूसरे को नहीं जानते। व्यस्त जीवनशैली के कारण परिवार के सदस्य भी एक साथ बैठकर बातचीत करने के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। परिणामस्वरूप व्यक्ति भीड़ के बीच रहते हुए भी भीतर से अकेलापन महसूस करने लगता है।

डिजिटल तकनीक ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। सोशल मीडिया मंचों ने लोगों को जोड़ने का दावा किया लेकिन धीरे धीरे वास्तविक संबंधों की जगह आभासी संबंध लेने लगे। लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर बिताते हैं जबकि परिवार के साथ बातचीत का समय लगातार घट रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग अलग अलग कमरों में अपने अपने उपकरणों में व्यस्त रहते हैं। बच्चों का बचपन खेल के मैदानों से निकलकर मोबाइल स्क्रीन तक सीमित होता जा रहा है। युवाओं का सामाजिक जीवन आभासी मंचों पर अधिक सक्रिय दिखाई देता है लेकिन वास्तविक मित्रता और विश्वास का दायरा छोटा होता जा रहा है। सोशल मीडिया पर दूसरों के जीवन की आकर्षक तस्वीरें और सफलताओं को देखकर तुलना की भावना बढ़ती है जिससे आत्मविश्वास में कमी और असंतोष की भावना पैदा होती है। जब व्यक्ति अपने जीवन को दूसरों के दिखावटी जीवन से तुलना करता है तो उसे स्वयं का जीवन अधूरा लगने लगता है। यही स्थिति धीरे धीरे मानसिक तनाव और अकेलेपन को जन्म देती है।

धर्म देवा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
गांव धारना, जिला चंबा

अकेलेपन की समस्या केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। बुजुर्ग भी इस चुनौती से गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। बदलती पारिवारिक संरचना के कारण अनेक बुजुर्ग अपने बच्चों से दूर रहते हैं। कई बार बच्चे रोजगार के कारण दूसरे शहरों या देशों में बस जाते हैं और माता पिता अकेले रह जाते हैं। शारीरिक कमजोरी और सामाजिक दायरा सीमित होने के कारण उनके लिए अकेलापन और अधिक कठिन हो जाता है। दूसरी ओर किशोर और युवा पीढ़ी भी डिजिटल निर्भरता प्रतियोगी जीवन और भविष्य की अनिश्चितताओं के कारण मानसिक दबाव में रहती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

तीन धर्मों की श्रद्धा से अलंकृत रिवालसर झील विश्वभर के श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है

हिमाचल प्रदेश की समस्त धरा ही पूजनीय है, क्योंकि इस धरा के कण-कण में ऋषि-मुनियों और देवी-देवताओं का वास रहा है, जिन्होंने अपने तप और कर्म से इस राज्य को देश-विदेश में देवभूमि के नाम से अलंकृत किया। आज भी इस देवभूमि के लोगों को देवी-देवताओं के प्रति अगाध श्रद्धा एवं आस्था में रत हुए अक्सर देखा जा सकता है।

यहां अवस्थित अनेकों पुरातन धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जो आगंतुकों को अपनी ओर अनायास ही आकर्षित कर लेते हैं। इस देवभूमि में छोटी काशी के नाम से सुविख्यात मंडी जनपद से लगभग 25 किमी दूर रिवालसर झील प्राकृतिक सौंदर्य से लबालब है, जहां हरे-भरे घने वृक्षों से आच्छादित पहाडियों के नयनाभिराम दृश्य सैलानियों को आत्मविभोर कर देते हैं। यह धार्मिक स्थल तैरते टापू के लिए भी प्रचलित है। रिवालसर हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अति पूजनीय एवं श्रद्धा का केंद्र है। किंवदंतियों अनुसार, मंडी के राजा अर्शधारा की पुत्री मंदरवाह ने राजसी सुख-सुविधाओं को छोड़कर धर्म और त्याग का मार्ग चुनने का निर्णय लिया। राजा अर्शधारा ने अपनी एक मात्र पुत्री के निर्णय को शिरोधार्य करते हुए उसे शान्तरक्षिता नामक बौद्ध विद्वान,जोकि पदमसंभव के छोटे भाई थे, के पास शिक्षा ग्रहण हेतु छोड़ दिया।

गुरु पदमसंभव राजकुमारी की इच्छाशक्ति व समर्पण से प्रभावित होकर वायु उदयाना से आए तथा साक्षात राजकुमारी को शिक्षा देना प्रारंभ कर दी। कहा जाता है कि एक ग्वाले ने जब यह सब देखा तो उसने अफवाह फैला दी कि उसने राजकुमारी को एक मायावी व्यक्ति के साथ देखा है। जब यह बात राजा अर्शधारा तक पहुंची तो उन्हें क्रोध आ गया और उन्होंने सोचा कि उनकी बेटी अपनी ही प्रतिज्ञा का उल्लंघन कर किसी अनजान व्यक्ति से प्रेम प्रसंग कर रही है। राजा के आदेशानुसार राजकुमारी को कांटों से भरे गहरे गड्ढे में डाल दिया गया और गुरु पदमसंभव को लकड़ी की सीढ़ी से बांधकर आग में झोंक दिया।

कहा जाता है कि लगभग एक सप्ताह पश्चात भी जब वहां से धुआं नहीं छटा तो राजा ने स्वयं जाकर देखा तो वह हतप्रभ रह गया, क्योंकि वह स्थान तो एक झील में परिवर्तित हो चुका था और उसके मध्य में एक कमल का फूल खिला था, जो सम्भवत: गुरु पदमसंभव का ही प्रतिरूप था। इस पर राजा को अत्याधिक पश्चाताप हुआ और राजा ने प्रायश्चित करते हुए पदमसंभव को अपना सम्पूर्ण राज्य सौंप दिया और अपनी बेटी राजकुमारी मंदरवाह का विवाह उससे कर दिया। बौद्ध धर्मावलंबी इसे 'पदमाकन' के नाम से जानते हैं, जबकि हिंदू मान्यताओं में इसका प्राचीन नाम 'हृदयलेश' अर्थात 'झीलों का राजा' बताया गया है। महर्षि लोमश ने यहां कठोर तपस्या की थी। उनकी साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव और माता पार्वती ने उन्हें दर्शन दिए तथा इस पवित्र स्थल के महत्व का वर्णन किया। मान्यता है कि ब्रह्मा, विष्णु, गणेश, सूर्य तथा शिव-पार्वती ने यहां निवास करने का संकल्प लिया, जिसके कारण रिवालसर को 'पंचपुरी' भी कहा जाता है।

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

रिवालसर हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। झील के आसपास लक्ष्मी नारायण, शिव, शनिदेव, हनुमान और लोमश ऋषि के मंदिर स्थित हैं। विशाल त्रिशूल और डमरू श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। सिख धर्म में भी इस स्थल का विशेष महत्व है। झील के किनारे स्थित गुरुद्वारा सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी की स्मृति से जुड़ा है। वहीं, बौद्ध परंपरा के अनुसार गुरु पद्मसंभव ने यहां तपस्या की थी। उनकी विशाल प्रतिमा और बौद्ध गोम्पा श्रद्धालुओं व पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

" **हंसी** छूत की बीमारी है, आपको हंसी आई नहीं कि दूसरे को जबरदस्ती अपने दाँत निकालने पड़ेंगे।

-प्रेमलता दीप

संपादकीय

दिल हल्का रखें, जीवन को बेहतर बनाएं

जीवन सुख और दुख, सफलता और असफलता, प्रशंसा और आलोचना, आशा और निराशा का मिश्रण है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में प्रतिदिन अनेक प्रकार की परिस्थितियों का सामना करता है। कुछ घटनाएं हमें प्रसन्न करती हैं तो कुछ मन को आहत कर देती हैं। कई बार ऐसी छोटी-छोटी बातें, जिनका कोई स्थायी महत्व नहीं होता, हमारे मन पर इतना गहरा प्रभाव छोड़ देती हैं कि हम लंबे समय तक तनाव, चिंता और उदासी में डूबे रहते हैं। किसी का कठोर शब्द, छोटी-सी आलोचना, किसी की उपेक्षा या अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहार न मिलना हमें भीतर तक परेशान कर देता है। जबकि समय बीतने के साथ वही बातें महत्वहीन साबित होती हैं। इसलिए जीवन को सहज, संतुलित और आनंदमय बनाने के लिए यह सीखना अत्यंत आवश्यक है कि हर छोटी बात को दिल से न लगाया जाए। आज का समय तेज प्रतिस्पर्धा, व्यस्त जीवनशैली और बढ़ती अपेक्षाओं का समय है। ऐसे वातावरण में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहा है। यदि हम हर छोटी घटना को अपने आत्मसम्मान या व्यक्तित्व से जोड़कर देखने लगेंगे तो मानसिक शांति बनाए रखना कठिन हो जाएगा। हर व्यक्ति की सोच, परिस्थितियां और व्यवहार अलग-अलग होते हैं। कोई व्यक्ति अनजाने में कठोर शब्द बोल सकता है, कोई अपनी व्यस्तता के कारण हमारी बात का उत्तर न दे पाए, तो कोई अपनी समस्याओं में उलझा होने के कारण अपेक्षित व्यवहार न कर सके। इन परिस्थितियों को व्यक्तिगत अपमान मान लेना उचित नहीं है। कई बार समस्या हमारे बारे में नहीं होती बल्कि सामने वाले की परिस्थितियों से जुड़ी होती है।

छोटी-छोटी बातों को दिल से लगाने की आदत धीरे-धीरे व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है। वह हर समय यह सोचने लगता है कि लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। इस प्रकार की मानसिकता व्यक्ति को अनावश्यक तनाव में डाल देती है। वह अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने के बजाय कल्पनाओं और आशंकाओं में व्यर्थ कर देता है। इससे न केवल उसका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि कार्यक्षमता और निर्णय लेने की क्षमता भी कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण आधार भावनात्मक संतुलन है। इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति भावनाहीन हो जाए बल्कि यह है कि वह परिस्थितियों को समझदारी से स्वीकार करना सीखे। यदि कोई व्यक्ति हमारी आलोचना करता है तो सबसे पहले यह देखना चाहिए कि उसमें कितनी सच्चाई है। यदि आलोचना सही है तो उसे सुधार का अवसर मानना चाहिए और यदि वह निराधार है तो उसे मन पर बोझ बनाने की आवश्यकता नहीं है। दूसरों की हर बात को अपने व्यक्तित्व का अंतिम सत्य मान लेना बुद्धिमानी नहीं है।

भारतीय संस्कृति और दर्शन भी यही शिक्षा देते हैं कि मन की स्थिरता सबसे बड़ी शक्ति है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में समभाव का विशेष महत्व बताया गया है। जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं, लेकिन जो व्यक्ति दोनों परिस्थितियों में संतुलित रहता है वही वास्तविक अर्थों में सफल माना जाता है। यदि छोटी-छोटी बातों से हमारा मन विचलित होता रहेगा तो हम बड़े लक्ष्यों की ओर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे। धैर्य, क्षमा और आत्मसंयम ऐसे गुण हैं जो व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। आज सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव ने भी लोगों की संवेदनशीलता को प्रभावित किया है। लोग अपने जीवन की तुलना दूसरों के जीवन से करने लगे हैं। किसी की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना, किसी की टिप्पणी से आहत होना या किसी की उपेक्षा को अपने सम्मान से जोड़ लेना सामान्य बात बनती जा रही है। जबकि वास्तविकता यह है कि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अलग होता है। तुलना केवल असंतोष को जन्म देती है। यदि व्यक्ति अपने विकास पर ध्यान दे तो दूसरों की छोटी-छोटी बातों का प्रभाव स्वत: कम होने लगता है।

पारिवारिक जीवन में भी यह गुण अत्यंत आवश्यक है। परिवार में विचारों का मतभेद होना स्वाभाविक है। हर छोटी बात पर नाराज होना, मन में शिकायत रखना या पुराने विवादों को बार-बार याद करना रिश्तों में दूरी पैदा करता है। यदि परिवार के सदस्य एक-दूसरे की बात को समझने का प्रयास करें और छोटी गलतियों को क्षमा करना सीखें तो संबंध अधिक मजबूत और मधुर बन सकते हैं। यही बात मित्रता और सामाजिक संबंधों पर भी लागू होती है। हर संबंध विश्वास, संवाद और सहनशीलता पर आधारित होता है। जहां क्षमा और समझ होती है वहां छोटी बातें कभी बड़े विवाद का रूप नहीं लेतीं। कार्यस्थल पर भी छोटी-छोटी बातों को दिल से न लगाने की आदत व्यक्ति को अधिक सफल बनाती है। किसी सहकर्मी की टिप्पणी, अधिकारी की सलाह या किसी निर्णय से असहमति को व्यक्तिगत अपमान मान लेने से कार्य का वातावरण प्रभावित होता है। इसके विपरीत जो व्यक्ति सकारात्मक सोच रखता है और प्रत्येक अनुभव से सीखने का प्रयास करता है वह धीरे-धीरे अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करता है। सफलता प्राप्त करने वाले अधिकांश लोगों में यह गुण पाया जाता है कि वे आलोचनाओं से टूटते नहीं बल्कि उनसे सीखकर आगे बढ़ते हैं। जीवन में अनेक ऐसी घटनाएं होती हैं जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता। मौसम, परिस्थितियां, दूसरों का व्यवहार और अनेक बाहरी घटनाएं हमारी इच्छा के अनुसार नहीं चलतीं। समझदारी इसी में है कि हम उन बातों पर ध्यान दें जिन्हें हम बदल सकते हैं। जिन परिस्थितियों को बदलना संभव नहीं है उन्हें स्वीकार करना मानसिक परिपक्वता का संकेत है।

-शिवांश धाकड़

पहाड़ों की सुरक्षा प्रकृति का सम्मान और सतत विकास ही हिमाचल की वास्तविक प्रगति का मार्ग

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जितना प्रसिद्ध है, भौगोलिक रूप से उतना ही संवेदनशील भी है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने कई बड़े भूस्खलन, बादल फटने और अचानक आई बाढ़ का सामना किया है। ऐसे में प्रदेश के लिए पर्यावरण आपदा प्रबंधन और सतत विकास केवल दो शब्द नहीं, बल्कि अस्तित्व की जरूरत बन चुके हैं।

अत्यधिक और अनियमित वर्षा : जलवायु परिवर्तन के कारण कम समय में बहुत भारी बारिश होना (जैसे बादल फटना) हिमाचल में आम हो गया है। पिछले तीन वर्षों में ही राज्य ने 66 से अधिक बादल फटने और 121 से अधिक अचानक आई बाढ़ की घटनाओं को झेला है।

राजन कुमार शर्मा
डुगली (लंबलू) जिला हमीरपुर

अवैज्ञानिक निर्माण कार्य : सड़कों को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों की खड़ी कटाई और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए की जाने वाली ब्लास्टिंग से पहाड़ कमजोर हो रहे हैं, जिससे भूस्खलन की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पहले आपदा प्रबंधन का मतलब सिर्फ 'आपदा के बाद राहत सामग्री बांटना' होता था लेकिन अब हिमाचल सरकार अपनी नीति को 'आपदा पूर्व तैयारी और लचीलेपन (लचीलेपन-केंद्रित शासन)' पर केंद्रित कर रही है।

एचपी रेडी प्रोजेक्ट (2026-2030) : राज्य सरकार ने हाल ही में 2,688 करोड़ रुपए का हिमाचल प्रदेश विकास और आपदा रिकवरी के लिए सुदृढ़ कार्रवाई (एचपी-रेडी) प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य आपदाओं से निपटने के लिए ग्रामीण स्तर तक तैयारियों को मजबूत करना और ऐसा बुनियादी ढांचा बनाना है जो झटके सह सके। अर्ली वार्निंग सिस्टम : आईआईटी मंडी के सहयोग से प्रदेश के संवेदनशील जिलों जैसे-सिरमौर, कांगड़ा, मंडी और किन्नौर में कम लागत वाले भूस्खलन सेंसर लगाए गए हैं, जो ढलान खिसकने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं।

डिजिटल तकनीक : 'स्कूल सुरक्षा प्रबंधन सूचना तंत्र' जैसे मोबाइल ऐप के जरिए हजारों स्कूलों ने अपनी आपदा प्रबंधन योजनाएं ऑनलाइन तैयार की हैं ताकि बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। आपातकाल के लिए 1077 और 1070 जैसे टोल-फ्री नंबर एक्टिव हैं। एक सकारात्मक बात यह है कि हिमाचल प्रदेश ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में देश में हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। हाल ही में जारी हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट (2025) में चिंता जताते हुए स्पष्ट किया गया है कि पर्यावरण को बचाए बिना विकास संभव नहीं है। सतत विकास के लिए राज्य सरकार निम्नलिखित रणनीतियों पर काम कर रही है: प्रदूषण नियंत्रण ब्लैक कार्बन और मीथेन जैसी 'सुपर क्लाइमेट प्रदूषकों को कम करने के लिए एक व्यापक रोडमैप लॉन्च किया गया है, ताकि ग्लेशियरों को पिघलने से बचाया जा सके।

हरित शहर 'शहरी चुनौती कोष' के तहत शहरों में स्मार्ट हाइड्रोलिक पार्किंग, स्काईवॉक और क्लस्टर-आधारित ठोस कचरा प्रबंधन किया जा रहा है। कृषि व आजीविका ढलानी खेतों के लिए विशिष्ट तकनीक (जैसे पैकेज), वाटरशेड प्रबंधन और माइक्रो-इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि किसानों की आजीविका भी बची रहे और मिट्टी का कटाव भी न हो। हिमाचल का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम प्रकृति के साथ कितना तालमेल बिठाकर चलते हैं। सड़कों और इमारतों को बनाते समय पहाड़ों की ढलान का वैज्ञानिक आकलन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी ही राज्य को सुरक्षित और समृद्ध रख सकती है। हिमाचल प्रदेश का टिकाऊ भविष्य 'प्रकृति पर विजय' पाने में नहीं, बल्कि 'प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व' सुनिश्चित करने में निहित है।

वर्तमान समय की मांग है कि हम पारंपरिक निर्माण विधियों से आगे बढ़कर 'ढलान इंजीनियरिंग' और कड़े पर्यावरण-वैज्ञानिक आकलनों को नीतिगत अनिवार्यताओं में बदलें। इसके साथ ही, स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली इकाई मानकर उनकी पारंपरिक बुद्धिमत्ता और सक्रिय भागीदारी को एकीकृत करना होगा। केवल ढांचागत सुरक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता के इसी सुदृढ़ संगम से ही हिमाचल प्रदेश अपनी पारिस्थितिकी की रक्षा करते हुए एक सुरक्षित, लचीले और समृद्ध कल का निर्माण कर सकता है। संक्षेप में, हिमाचल प्रदेश की सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग 'विकास बनाम पर्यावरण' के विवाद से नहीं, बल्कि 'पर्यावरण-अनुकूल विकास' से होकर गुजरता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

नीतू सिंह का शानदार फिल्मी सफर

नीतू सिंह

नीतू सिंह हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने अपनी सहज अभिनय शैली मनमोहक मुस्कान और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। उनका जन्म 8 जुलाई 1958 को नई दिल्ली में हुआ। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम करना शुरू कर दिया था। उस समय उन्हें बेबी सोनिया के नाम से जाना जाता था। बचपन से ही अभिनय के प्रति उनका झुकाव था और उनकी प्रतिभा ने उन्हें जल्द ही फिल्म उद्योग में पहचान दिला दी।

किशोरावस्था में नीतू सिंह ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में हिंदी फिल्मों में कदम रखा और देखते ही देखते वह सत्तर और अस्सी के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। उनकी जोड़ी अभिनेता ऋषि कपूर के साथ दर्शकों को बेहद पसंद आई। दोनों ने कई सफल फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। बाद में दोनों ने विवाह किया और हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित दंपतियों में गिने जाने लगे।

कविता

पवित्र रावी नदी की पुकार

मनीश चोणा, मनु, मोहल्ला
सपड़ी, चंबा शहर

सायं सायं कियां करां बजिया, के तुसां मिंजों घोटी सुटेया!
मुकि गेई चाल मेरी, छडी गे नखरे, गोडे-गोडे पानी रेहा,
बट्टे लिबण बखरे। अपणा रुप करकोणा दिखी कौफ मिंजों लगदा!
ते मिंजों बड़ा दु:ख लगदा। कियां चंबे दे लौकां करने हसणा ते बोलणा
मैं! चमेरे वालेयां ने पता नी, गेट खोलणा कि नी खोलना!
तुसां कने नी मिली पांदी, ता कौफ मिंजो लगदा , ते मिंजों बड़ा बुरा
लगदा! भ्यागा, दिहाड़ी ता मैं सुकी-मुकी जांदी, बेटैमी बरखा बिच मैं सब
कुछ रुढांदी! मेरे कंडे/किनारे बसने का अबे हर कोई डरदा!
ते मिंजों बड़ा कौफ लगदा! सायं सायं कियां करां बजिया,
लोकां ने मिंजों घोटी छड़ेया!

स्वच्छ हवा और संतुलित जीवनशैली से घटेगा एलर्जी का खतरा

हर वर्ष 8 जुलाई को विश्व एलर्जी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को एलर्जी के कारणों लक्षणों बचाव और समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। आधुनिक जीवनशैली बदलते पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण के कारण एलर्जी आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में शामिल हो चुकी है। पहले एलर्जी को सामान्य परेशानी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता था लेकिन अब यह बच्चों युवाओं बुजुर्गों और हर आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित कर रही है। कई मामलों में एलर्जी इतनी गंभीर हो जाती है कि मरीज की जान तक खतरे में पड़ सकती है। इसलिए इसके प्रति जागरूकता और सावधानी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

एलर्जी वास्तव में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की एक असामान्य प्रतिक्रिया है। सामान्य परिस्थितियों में शरीर धूल परागकण भोजन दवाइयों या अन्य बाहरी पदार्थों को नुकसान पहुंचाने वाला नहीं मानता लेकिन कुछ लोगों में प्रतिरक्षा प्रणाली इन पदार्थों को खतरनाक समझकर उनके विरुद्ध प्रतिक्रिया करने लगती है। इसी प्रतिक्रिया के कारण छींक आना नाक बहना आंखों में जलन त्वचा पर चकत्ते सांस लेने में कठिनाई खांसी गले में सूजन या अन्य लक्षण दिखाई देते हैं। कई बार यह प्रतिक्रिया इतनी गंभीर होती है कि तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ जाती है।

सुरेश कुमार
प्रबंध निदेशक, कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुल्लू

आज के समय में वायु प्रदूषण एलर्जी के सबसे बड़े कारणों में से एक बन चुका है। महानगरों के साथ साथ छोटे शहरों में भी वाहनों का धुआं औद्योगिक उत्सर्जन निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और कचरे के जलने से निकलने वाला धुआं हवा को लगातार प्रदूषित कर रहा है। प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण सीधे श्वसन तंत्र पर प्रभाव डालते हैं जिससे अस्थमा और एलर्जिक राइनाइटिस जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी है उनके लिए प्रदूषण स्थिति को और अधिक गंभीर बना देता है।

जलवायु परिवर्तन भी एलर्जी के बढ़ते मामलों का एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव पौधों के फूल आने की अवधि को प्रभावित कर रहे हैं जिससे परागकण लंबे समय तक वातावरण में बने रहते हैं। इससे पराग एलर्जी वाले लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। तापमान में वृद्धि और बदलती वर्षा प्रणाली के कारण कई प्रकार के फफूंद और सूक्ष्म जीव तेजी से पनपते हैं जो एलर्जी को बढ़ावा देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जलवायु परिवर्तन की गति इसी तरह जारी रही तो आने वाले वर्षों में एलर्जी के मरीजों की संख्या और तेजी से बढ़ सकती है।

बदलती जीवनशैली भी इस समस्या को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आज अधिकांश लोग बंद कमरों में अधिक समय बिताते हैं जहां वातानुकूलित वातावरण धूल के कण फफूंद और अन्य एलर्जी पैदा करने वाले तत्व जमा हो जाते हैं। शारीरिक गतिविधियों में कमी असंतुलित भोजन अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन और प्राकृतिक वातावरण से दूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर बना सकती है। बच्चों का प्रकृति से कम संपर्क भी उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है जिससे उनमें एलर्जी की संभावना बढ़ जाती है।

खाद्य एलर्जी भी तेजी से बढ़ती समस्या बन रही है। दूध मूंगफली अंडा समुद्री भोजन सोया गेहूं और कुछ प्रकार के सूखे मेवे कई लोगों में एलर्जी का कारण बन सकते हैं। कुछ मामलों में थोड़ी सी मात्रा भी गंभीर प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकती है। इसलिए जिन लोगों को किसी विशेष खाद्य पदार्थ से एलर्जी हो उन्हें सावधानीपूर्वक भोजन का चयन करना चाहिए और बाहर भोजन करते समय उसके अवयवों की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

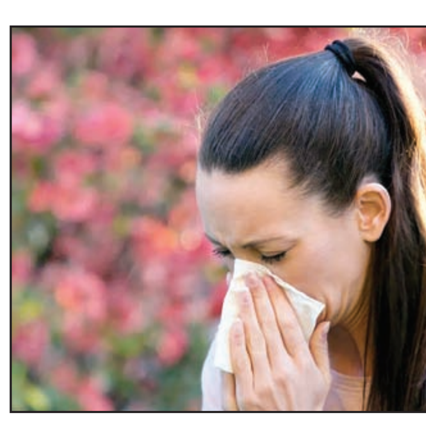

दवाइयों से होने वाली एलर्जी भी एक गंभीर विषय है। कुछ लोगों को विशेष एंटीबायोटिक दवाओं दर्द निवारक दवाओं या अन्य औषधियों से एलर्जी हो सकती है। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाइयों का सेवन कई बार गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति को पहले किसी दवा से एलर्जी हुई हो तो उसे अपने चिकित्सक को इसकी जानकारी अवश्य देनी चाहिए ताकि सुरक्षित उपचार का चयन किया जा सके।

त्वचा संबंधी एलर्जी भी आम होती जा रही है। धूल रसायनों सौंदर्य प्रसाधनों कृत्रिम आभूषणों डिटर्जेंट और कुछ प्रकार के कपड़ों के संपर्क में आने से त्वचा पर खुजली लालिमा सूजन या चकत्ते हो सकते हैं। कई बार लोग इसे सामान्य समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं जबकि समय पर उपचार न मिलने पर यह समस्या लंबे समय तक बनी रह सकती है।

बच्चों में एलर्जी का बढ़ना विशेष चिंता का विषय है। छोटे बच्चों में बार बार छींक आना लगातार खांसी त्वचा पर चकत्ते या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई दें तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और उचित उपचार से अधिकांश बच्चों को सामान्य जीवन जीने में सहायता मिल सकती है। माता पिता को बच्चों के खानपान स्वच्छता और रहने के वातावरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी की पहचान के लिए आधुनिक चिकित्सा में कई प्रकार की जांच उपलब्ध हैं। चिकित्सक मरीज के लक्षणों और चिकित्सा इतिहास के आधार पर त्वचा परीक्षण रक्त परीक्षण या अन्य आवश्यक जांच की सलाह दे सकते हैं। सही कारण की पहचान होने पर उससे बचाव करना अधिक आसान हो जाता है। स्वयं उपचार करने के बजाय विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लेना हमेशा बेहतर विकल्प होता है।

एलर्जी से बचाव के लिए कुछ सामान्य सावधानियां अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। घर और कार्यस्थल की नियमित सफाई करनी चाहिए। धूल जमा होने से रोकना चाहिए। घर में पर्याप्त वेंटिलेशन होना चाहिए। प्रदूषण अधिक होने पर बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग करना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

पूर्व छात्र डॉ. नरेश चंद गुप्ता और निधि गुप्ता ने आईआईटी कानपुर को छात्रावास निर्माण के लिए दिए 10 करोड़ रुपये

हॉल ऑफ रेजिडेंस-15 में बनेगा नया आवासीय टॉवर, आईआईटी कानपुर को मिलेगा मजबूत आधारभूत ढांचा

एजेंसी, कानपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में छात्र आवासीय सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए संस्थान के पूर्व छात्र डॉ. नरेश चंद गुप्ता और निधि गुप्ता ने बड़ा योगदान दिया है। छात्रावास अवसंरचना के विकास के लिए दंपती ने आईआईटी कानपुर को 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

इस राशि का उपयोग संस्थान में निर्माणाधीन हॉल ऑफ रेजिडेंस 15 के एक आवासीय टॉवर के निर्माण में किया जाएगा। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि छात्रावास केवल रहने की जगह नहीं होते, बल्कि यहीं से विद्यार्थियों के सीखने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और आजीवन संबंधों की मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि डॉ. नरेश चंद गुप्ता का यह सहयोग विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक और आवासीय वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि हॉल ऑफ रेजिडेंस-15 परियोजना भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित की जा रही व्यापक अवसंरचना योजना का हिस्सा है। नई आवासीय सुविधाओं के माध्यम से बढ़ती छात्र संख्या की आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा और विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। डॉ. नरेश चंद गुप्ता और निधि गुप्ता के

सहयोग से बनने वाले आवासीय टॉवर में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कई आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

इसमें अध्ययन कक्ष, मनोरंजन क्षेत्र, भोजनालय, सामूहिक बैठक स्थल और दिव्यांगजन के अनुकूल सुविधाएं शामिल होंगी। इसके अलावा परिसर में सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्ष प्रणालियों और पर्यावरण हितैषी निर्माण तकनीकों को भी शामिल किया जाएगा। संस्थान का कहना है कि यह परियोजना केवल छात्रावास निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना है जहां वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें। आधुनिक सुविधाओं से लैस परिसर छात्रों के बीच सहयोग, नवाचार और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देगा। डॉ. नरेश चंद गुप्ता आईआईटी कानपुर के वर्ष 1988 बैच के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में स्नातक शिक्षा पूरी करने के बाद अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से परास्नातक और डॉक्टरेट की उपाधियां प्राप्त की।

तकनीकी क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2025 में आईआईटी कानपुर ने उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान प्रदान किया था। इस अवसर पर डॉ. नरेश चंद गुप्ता ने कहा कि जहां उत्कृष्ट प्रतिभाएं एक साथ आती हैं, वहीं से नए विचार और नवाचार जन्म लेते हैं।

देशभर में करोड़ों की ठगी करने वाला फर्जी मैट्रिमोनियल नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

एजेंसी, कानपुर

कल्याणपुर थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट की आड़ में शादी का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का मंगलवार को खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह की संचालक युवती समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह पिछले करीब डेढ़ साल से सक्रिय था और देशभर में 10 से 15 हजार से अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुका है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर मिली शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान कल्याणपुर स्थित आवास विकास क्षेत्र के एक फ्लैट में चल रहे फर्जी ऑनलाइन मैच प्वाइंट मैट्रिमोनियल कॉल सेंटर की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने छापा मारकर मौके से गिरोह की सरगना अनुराधा त्रिवेदी, विक्रम खुटे और प्रियंका को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि कॉल सेंटर में करीब 15 युवतियां काम करती थीं।

उन्हें रोजाना 100 से 150 लोगों के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए जाते थे। ये युवतियां खुद को मैट्रिमोनियल वेबसाइट की प्रतिनिधि बताकर लोगों से संपर्क करती थीं और उनकी पसंद, जरूरत तथा व्यक्तिगत जानकारी जुटाती थीं। इसके बाद आरोपित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार की गई आकर्षक युवतियों की तस्वीरें भेजकर लोगों को भरोसे में लेते थे। कॉल सेंटर की कर्मचारी खुद को संभावित जीवनसाथी बताकर लंबी बातचीत करती थीं और शादी का झांसा देती थीं। इसके बाद पंजीकरण, प्रोफाइल सक्रिय करने, बातचीत और मुलाकात कराने के नाम पर अलग अलग शुल्क वसूलकर ठगी की जाती थी।

पुलिस के अनुसार गिरोह रोजाना कई लोगों को अपने जाल में फंसाकर लाखों रुपये की ठगी करता था। कॉल सेंटर में काम करने वाली 15 युवतियों से पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया है, जबकि मुख्य आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

कमालगंज सड़क पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 45 वर्षीय युवक की मौत

एजेंसी, फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र के रजीपुर गांव के पास मंगलवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कन्नौज जिले के गुरसहायगंज निवासी 45 वर्षीय श्याम प्रकाश राठौर बाइक से शमशाबाद क्षेत्र में शव यात्रा में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में वाहन की टक्कर लगने से वह झाड़ियों में जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सीएचसी कमालगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महोबा पुलिस ने बरामद किए 151 गुम मोबाइल, लौटाए मालिकों को

एजेंसी, महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन रिंग रिटर्न अभियान के तहत महोबा पुलिस ने 151 गुम और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने सर्विलांस सेल, साइबर थाना और साइबर हेल्प डेस्क की मदद से तकनीकी जांच के आधार पर यह सफलता हासिल की। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल सौंपे गए। फोन वापस पाकर लोगों ने पुलिस का आभार जताया। एसपी ने टीम को दस हजार रुपये का पुरस्कार दिया।

बारिश में नहीं होनी चाहिए जलभराव की समस्याः मंत्री ए.के.शर्मा

एजेंसी, लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मंगलवार को वर्षाकाल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में जलभराव, सीवर ओवरफ्लो, नालों की सफाई और कचरा प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ब्लीचिंग पाउडर, एंटी-लार्वा दवाओं के छिड़काव और पंपिंग स्टेशनों की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी के लिए कहा गया।

सपा का पीडीए वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

एजेंसी, औरैया। समाजवादी पार्टी की ओर से चलाए जा रहे पीडीए वृक्षारोपण अभियान के तहत मंगलवार को सदर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत अयाना में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली को देखते हुए पौधारोपण जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पौधों की देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कच्छा-बनियान गिरोह के बदमाश का एनकाउंटर, छह हत्याओं का था आरोपी

एजेंसी, कानपुर। छह हत्याओं समेत कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित कुख्यात अपराधी आसिफ अली को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार, आसिफ अली कच्छा-बनियान गिरोह से जुड़ा था और डकैती व लूट की वारदातों को अंजाम देता था। मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ की गोली लगने से वह घायल हुआ, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था और उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज थे। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। मामले की आगे जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, आसिफ अली गिरोह बनाकर वारदातों को अंजाम देता था। उसके खिलाफ हत्या, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज थे। एसटीएफ अब उसके नेटवर्क की जांच कर रही है।

लखनऊ के तथागत बुद्ध विहार का 75 लाख से होगा कायाकल्प, बढ़ेगा बौद्ध पर्यटन

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का विकास कर रही है। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित तथागत बुद्ध विहार को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। करीब 75 लाख रुपये की लागत से चल रहे इस विकास कार्य का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परियोजना के पूरा होने के बाद यह स्थल बौद्ध अनुयायियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित होगा।

तथागत बुद्ध विहार परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत आधुनिक भवन, विशाल सभा हॉल, विश्राम गृह (डॉरमेटरी), शौचालय, संपर्क मार्ग और आकर्षक प्रवेश द्वार का निर्माण शामिल है। सरकार का उद्देश्य है कि यहां आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण और धार्मिक गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान मिल सके। डॉमिटरी के निर्माण से दूर-दराज क्षेत्रों और विदेशों से आने वाले बौद्ध अनुयायियों को ठहरने में सुविधा होगी।

वहीं, सभा हॉल में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकेगा। परिसर के विकास से स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बौद्ध स्थलों को लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। यह प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तथागत बुद्ध विहार का विकास लखनऊ को बौद्ध पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पर्यटकों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर अनुभव। उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास कार्यों से धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को नई पहचान मिल रही है। तथागत बुद्ध विहार के विस्तार से यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सरकार का लक्ष्य है कि बौद्ध स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और क्षेत्र की पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी। परियोजना पूरी होने के बाद लखनऊ का यह स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा।

जौनपुर पुलिस मुठभेड़ में पांच बदमाश गिरफ्तार 8 तमंचे, देसी रिवॉल्वर और दो बाइक बरामद

एजेंसी, जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जलालपुर और केराकत थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ के बाद पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए हैं।

क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार राय ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, केराकत थाना क्षेत्र के टेकुरीडीह के पास पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच युवक पुलिस को देखकर तेजी से भागने लगे। पुलिस ने जब उनका पीछा किया तो वे पराऊगंज की ओर जाने लगे। सूचना मिलने पर जलालपुर थाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दी। बताया गया कि थोर बिंदे-टेकुरी मार्ग पर दोनों तरफ से पुलिस टीम को देखकर बदमाशों ने खुद को घिरा हुआ पाया और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान सोनल वर्मा पुत्र संतोष वर्मा निवासी बीरमपुर, थाना केराकत के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में सोनल वर्मा, राजेश्वर पाण्डेय निवासी एकौना थाना गौराबादशाहपुर, अवनीश गुप्ता निवासी बीरमपुर थाना केराकत, बाबी कुमार निवासी मकसुदा मंडी जालंधर और रंजीत कुमार निवासी रतन नगर जालंधर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ अवैध तमंचे, एक देसी रिवॉल्वर, कई कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि घायल बदमाश सोनल वर्मा के खिलाफ पहले से लूट, जालसाजी और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

बेकाबू कार ने सेना भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ रहे नौ युवाओं को मारी टक्कर, घायल

एजेंसी, मथुरा

जनपद में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में सेना भर्ती और अन्य सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे नौ युवा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सौंख-गोवर्धन मार्ग पर गांव बछगांव के पास हुआ, जहां रोजाना की तरह सड़क पर दौड़ लगाने निकले युवाओं को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

◆ सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे बछगांव के 15 से अधिक युवा नौकरी और सेना भर्ती की तैयारी के लिए सड़क किनारे दौड़ का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान गांव तसिया के पास पीछे से तेज गति से आ रही एर्टिगा कार अनियंत्रित हो गई और युवाओं को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक हुए हादसे से मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में बीनू, टीटू, कन्हैया लाल, चिंटू, जगमोहन, सौरव, दीपक, कन्हैया सिंह और पुष्पेंद्र समेत नौ युवक घायल हो गए। हादसे में कई युवाओं को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए केएम हॉस्पिटल, पालीडूंगरा में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल युवाओं को बेहतर इलाज के लिए भरतपुर रेफर कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों में हादसे के बाद चिंता का माहौल बना हुआ है। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने भी घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन से संपर्क कर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

नोएडा में विभिन्न जगहों से 13 वाहन चोर गिरफ्तार, 27 बाइक, तीन मोबाइल फोन बरामद

एजेंसी, नोएडा

वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नोएडा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 27 मोटरसाइकिलें, तीन मोबाइल फोन और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी करने वाले गिरोहों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 20 पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी की मोटरसाइकिलों और अवैध हथियारों के साथ क्षेत्र में सक्रिय हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दानिश, संदीप, विकास, साहिल, शरद सिंह, सूरज समेत दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें, लूटे गए तीन

मोबाइल फोन, एक देसी तमंचा और चाकू बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी और लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे।

पुलिस अब इनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। वहीं, थाना सेक्टर-63 पुलिस ने भी वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए गौरव पुत्र महेंद्र और मोनू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलग अलग इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 12 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा थाना फेस-2 पुलिस ने फरदीन, फैजान और फिरोज नामक तीन भाइयों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि तीनों लंबे समय से वाहन चोरी की वारदातों में शामिल थे। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

सर्राफा दुकान का शटर तोड़ लाखों के जेवर चोरी, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, मीरजापुर

लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा बाजार में सोमवार देर रात चोरों ने एक सर्राफा एवं बर्तन की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह दुकान मालिक के पहुंचने पर हुई। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और एसओजी टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

बरौंधा बाजार निवासी पंकज सोनी की सर्राफा एवं बर्तन की दुकान है। मंगलवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर खुला हुआ मिला। अंदर जाने पर सामान बिखरा पड़ा था और दुकान में रखी लॉकर गायब थी। जांच करने पर पता चला कि चोर लॉकर को दुकान के पीछे ले गए थे, जहां उसे तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण निकाल लिए गए। इसके बाद चोर खाली लॉकर को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी लालगंज अमर बहादुर, थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय, बरौंधा चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। दुकान मालिक पंकज सोनी ने बताया कि चोरी हुए आभूषणों की कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और चोरों की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है।

श्रद्धा | विशेष पूजन के बाद हुई बारिश, श्रद्धालुओं ने इसे भगवान शिव का आशीर्वाद बताया

मीरजापुर में 51 किलो बर्फ से सजे बाबा बदेवरानाथ, झूमे श्रद्धालु

एजेंसी, मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में आस्था और प्रकृति का अनोखा संगम देखने को मिला। जिगना क्षेत्र के बदेवरा चौबे गांव स्थित प्रसिद्ध बाबा बदेवरानाथ मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया। पहली बार मंदिर में 51 किलो बर्फ से बाबा बदेवरानाथ का भव्य श्रृंगार किया गया। इस दौरान भक्तों ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भगवान शिव की आराधना की और अच्छी वर्षा की कामना की।

श्रद्धालुओं की विशेष पूजा अर्चना के बीच अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश होते ही मंदिर परिसर भक्तों के जयकारों से गूंज उठा। वहीं, लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे भी खिल उठे। ग्रामीणों ने इसे भगवान शिव का आशीर्वाद और शुभ संकेत बताया। किसानों का कहना है कि समय पर वर्षा होने से धान की रोपाई की तैयारियों में तेजी आएगी और खेती-किसानी के काम को नई गति मिलेगी।

मंदिर के पुजारी महेंद्र गोस्वामी ने बताया कि ग्राम प्रधान महेश्वरी उपाध्याय और विनीत उपाध्याय की ओर से बाबा बदेवरानाथ का 51 किलो बर्फ से आकर्षक श्रृंगार कराया गया। पूजा के दौरान भगवान शिव को भांग, धतूरा, शमी पत्र और बिल्वपत्र अर्पित किए गए।

इसके बाद विधि-विधान से शिव तांडव स्तोत्र का पाठ किया गया। पुजारी ने बताया कि मंदिर में पहली बार इस तरह का अनोखा श्रृंगार किया गया है। बर्फ से सजे भगवान शिव के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि और क्षेत्र में अच्छी बारिश की प्रार्थना की। ग्रामीणों के अनुसार, मानसून के दौरान समय पर बारिश होना किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है।

धान सहित खरीफ की अन्य फसलों की बुवाई और रोपाई के लिए पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। बारिश होने से किसानों को राहत मिली है और उन्होंने खेती के काम में तेजी लाने की तैयारी शुरू कर दी है। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए और धार्मिक माहौल में पूजा संपन्न की। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाबा बदेवरानाथ धाम क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां होने वाले धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस बार बर्फ से किया गया विशेष श्रृंगार और उसके बाद हुई बारिश लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

बाबा बदेवरानाथ मंदिर में हुए इस विशेष आयोजन ने श्रद्धालुओं के बीच उत्साह और आस्था का माहौल बना दिया। बर्फ से किए गए अनोखे श्रृंगार को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे। भक्तों ने भगवान शिव से क्षेत्र में सुख-समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। बारिश शुरू होने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल दिखाई दिया। लोगों का मानना है कि समय पर वर्षा होने से किसानों को राहत मिलेगी और कृषि कार्यों में तेजी आएगी। मंदिर में दिनभर धार्मिक गतिविधियां और भक्तों की आवाजाही जारी रही।

वाराणसी के तेरह मंडलों में हुई भाजपा की आत्मनिर्भर बैठक

एजेंसी, वाराणसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाराणसी महानगर के 13 मंडलों में आत्मनिर्भर मंडल बैठकों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बागेश्वरी मंडल की बैठक महानगर कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया।

बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि वाराणसी प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के कारण यहां के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अधिक है। उन्होंने कहा कि मासिक बैठकें संगठन के कामकाज की समीक्षा करने, लंबित कार्यों को पूरा करने और कमियों को दूर करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से शक्ति केंद्रों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि

◆ कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर संगठन मजबूत करने की कवायद तेज

पार्टी की विचारधारा, नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम से जुड़ना जरूरी है। अधूरे प्रशिक्षण को जल्द पूरा करने और पन्ना प्रमुखों से लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

आईटी संयोजक पंकज चतुर्वेदी ने डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम की जानकारी दी और कार्यकर्ताओं से इसे मोबाइल के माध्यम से पूरा करने का आग्रह किया। बैठक का संचालन सत्यप्रकाश जायसवाल ने किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष मनोज सोनकर समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। बैठक में कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

चानौत जल विवाद मामले में पूर्व सरपंच सोमेश पुलिस गिरफ्त में

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हिसार जिले के चानौत गांव में पिछले कई दिनों से पानी की समस्या को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मामले में नामजद आरोपी और 'टी-मैन' के नाम से चर्चित पूर्व सरपंच सोमेश को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, चानौत गांव में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीण लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी आंदोलन के दौरान हुए चर्चित 'टी प्रकरण' में पूर्व सरपंच सोमेश का नाम सामने आया था। शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे मामले में नामजद किया था। हांसी सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

यदि जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, गांव में पानी की समस्या को लेकर लोगों में अब भी नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी मुख्य मांग नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। प्रशासन की ओर से हालात सामान्य करने और पेयजल व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

गेस्ट टीचर्स नियमितीकरण मामले में हाई कोर्ट का बड़ा कदम, पक्षों से मांगा जवाब

25 मई के नियमितीकरण आदेश के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर अदालत ने पक्षों को नोटिस जारी किया

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

हरियाणा में गेस्ट टीचर्स के नियमितीकरण से जुड़े मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। हाई कोर्ट की एकल पीठ द्वारा 25 मई को दिए गए उस आदेश के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में दलीप सिंह और अन्य याचिकाकर्ताओं ने पुनर्विचार याचिका दायर की थी।

जानकारी के अनुसार, हाई कोर्ट की एकल बेंच ने 25 मई को गेस्ट टीचर्स को नियमित करने और उन्हें सेवा से जुड़े सभी लाभ देने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद मामले में नया विवाद खड़ा हो गया और कुछ पक्षों ने फैसले की समीक्षा की मांग करते हुए पुनर्विचार याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आदेश में कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों और कानूनी पहलुओं पर दोबारा विचार किए जाने की आवश्यकता है।

पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित पक्ष अपना जवाब दाखिल करें, ताकि मामले के सभी पहलुओं पर विचार किया जा सके। अब सभी पक्षों के जवाब आने के बाद ही अदालत आगे की सुनवाई करेगी। गेस्ट टीचर्स का मामला लंबे समय से चर्चा में रहा है।

प्रदेश में बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं और वे नियमितीकरण सहित अन्य सेवा लाभों की मांग करते रहे हैं। उनका तर्क है कि लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों के समान सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। वहीं, मामले से जुड़े अन्य पक्षों का कहना है कि नियमितीकरण की प्रक्रिया को लागू करने से पहले सभी कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार किया जाना जरूरी है।

इसी आधार पर हाई कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है। अब हाई कोर्ट के अगले निर्णय पर गेस्ट टीचर्स और विभाग दोनों की नजरें टिकी हुई हैं। अदालत के अंतिम फैसले से यह स्पष्ट होगा कि पहले दिए गए नियमितीकरण आदेश में कोई बदलाव होगा या वह पहले की तरह प्रभावी रहेगा। फिलहाल हाई कोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई जारी है। गेस्ट टीचर्स नियमितीकरण मामले में हाई कोर्ट ने सभी पक्षों को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए। नियमितीकरण फैसले पर बढ़ी हलचल।

कैथल में पैसेंजर ट्रेन के आगे कूदा व्यक्ति, इलाज के दौरान मौत

भारतेंदु संवाददाता, कैथल। कैथल में एक व्यक्ति द्वारा पैसेंजर ट्रेन के आगे छलांग लगाने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी है और घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, घटना जिले के एक रेलवे ट्रैक के पास हुई, जहां प्रत्यक्षदर्शियों ने एक व्यक्ति को अचानक पैसेंजर ट्रेन के सामने छलांग लगाते देखा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे बचाने का हरसंभव प्रयास किया। हालांकि, चोटें अधिक गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और संबंधित रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को पहचान के लिए शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग मध्यम आयु की प्रतीत होती है, लेकिन उसके पास ऐसा कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी तत्काल पहचान हो सके। आसपास के थानों को सूचना भेजी गई है और गुमशुदा व्यक्तियों के रिकॉर्ड का भी मिलान किया जा रहा है। इसके अलावा, आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से भी मृतक की पहचान के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह मामला ट्रेन के आगे छलांग लगाने का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना के संबंध में अधिक स्पष्ट जानकारी मिल सके। यदि कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने आता है तो उसके बयान भी दर्ज किए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद उसके परिजनों को सूचना दी जाएगी और उनके बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पति को दूसरी महिला संग देखकर पत्नी ने यमुना नदी में लगाई छलांग

भारतेंन्दु संवाददाता, करनाल। पति को दूसरी महिला और बच्ची के साथ देखकर परेशान हुई महिला ने पश्चिमी यमुना नहर में छलांग लगा दी। सोमवार को महिला की स्कूटी घोघड़ीपुर के पास नहर किनारे मिली। पुलिस गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, ज्योति नगर निवासी प्रिया (25) ने वर्ष 2022 में शेखपुरा मंचूरी निवासी हरमिंद्र से प्रेम विवाह किया था। स्वजनों के अनुसार, कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया और मामला तलाक तक पहुंच गया। प्रिया करीब दो साल से मायके में रह रही थी। एक जून को अदालत में सुनवाई के दौरान हरमिंद्र एक महिला और बच्ची के साथ पहुंचा, जिसे वह अपनी पत्नी और बेटी बता रहा था। इससे प्रिया मानसिक रूप से परेशान हो गई। तीन जुलाई को उसने अपने भाई को फोन कर नहर में छलांग लगाने की बात कही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंचकूला में बेकाबू स्कूल बस ने चार कारों को मारी टक्कर,बाल बाल बचे 20 बच्चे

भारतेंन्दु संवाददाता, पंचकूला। पंचकूला में मंगलवार को एक स्कूल बस हादसे का मामला सामने आया, जिसमें बड़ा हादसा होने से टल गया। बच्चों से भरी स्कूल बस ने सड़क किनारे खड़ी चार कारों को टक्कर मार दी। हादसे के समय बस में करीब 20 बच्चे सवार थे, जो बाल-बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बस चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बस चालक से पूछताछ की है और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

हरियाणा में गुलाबी राशन कार्ड नियम बदलेगा अब सदस्य के हिसाब से मिलेगा गेहूं

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) यानी गुलाबी राशन कार्ड धारकों के लिए गेहूं वितरण व्यवस्था में बदलाव करने जा रही है। नई व्यवस्था के तहत अब परिवार के बजाय प्रत्येक पात्र सदस्य के आधार पर गेहूं दिया जाएगा। वर्तमान में एक गुलाबी राशन कार्ड पर हर महीने 35 किलो गेहूं मिलता है, लेकिन नए नियम के अनुसार प्रत्येक सदस्य को 7 किलो गेहूं मिलेगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने इस बदलाव की तैयारी पूरी कर ली है और संभावना है कि अगले महीने से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी। इससे बड़े परिवारों को अधिक गेहूं मिलेगा, जबकि पांच से कम सदस्यों वाले परिवारों को पहले की तुलना में कम अनाज मिलने की संभावना है। प्रदेश में करीब पौने तीन लाख गुलाबी राशन कार्ड धारक परिवार हैं।

2 करोड़ का प्लॉट बेचने के बाद हत्या, दोस्त संग मिली युवक की लाश

भारतेंन्दु संवाददाता, झज्जर। झज्जर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव उसके दोस्त के साथ मिला, जबकि उनके साथ रहने वाले दो अन्य युवक गायब हैं। प्रारंभिक तौर पर घटना को हादसा बताया गया था, लेकिन अब पुलिस मामले की जांच हत्या के एंगल से भी कर रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक ने करीब दो महीने पहले अपना दो करोड़ रुपये का प्लॉट बेचा था। इसके बाद उसकी मौत होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने मामले में संदेह जताया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फरार युवकों की तलाश की जा रही है और उनसे पूछताछ के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आएगी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। मृतकों के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस फरार साथियों की तलाश में जुटी है। मामले में हर पहलू की जांच की जा रही है और जल्द खुलासा होने की उम्मीद है।

पुरानी रंजिश में युवक पर चली गोली, बाल बाल बची जान

भारतेंदु संवाददाता, भिवानी। भिवानी जिले के गांव दांग कलां में सोमवार रात आपसी रंजिश के चलते एक युवक पर फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। गोली युवक की पीठ को छूकर निकल गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल की पहचान मिंटू उर्फ लारा के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल भिवानी में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर तोशाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायल मिंटू उर्फ लारा ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ माह पहले गांव के कुछ लोगों से उसका विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते सोमवार रात करीब आठ बजे जब वह गली से गुजर रहा था, तभी गांव के संजय नामक युवक ने पीछे से उस पर फायरिंग कर दी। गोली उसकी पीठ को छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गया।

हरियाणा के पांच जिलों में झमाझम बारिश चार दिन बिगड़े रहेंगे मौसम के मिजाज

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। प्रदेश के पांच जिलों में मंगलवार को बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। हालांकि कई स्थानों पर तेज बारिश के कारण जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मौसम खराब रहने और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना जताई है।

पानीपत में सुबह से ही आसमान पर काले बादल छाए रहे। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। वहीं करनाल में हुई बारिश के बाद शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया। जलभराव के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ निचले इलाकों में पानी जमा होने से यातायात भी प्रभावित रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसूनी गतिविधियां फिलहाल सक्रिय बनी हुई हैं। इसके प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में अगले चार दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है।

बारिश के चलते किसानों को भी राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे खरीफ फसलों को नमी मिलेगी। हालांकि लगातार बारिश वाले क्षेत्रों में खेतों में पानी भरने की स्थिति बनने पर नुकसान की आशंका भी बनी रहती है।

72 साल पहले शुरू हुई भाखड़ा नहर हरियाणा बना कृषि महाशक्ति

भारतेंन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा की कृषि समृद्धि के इतिहास में आठ जुलाई का दिन विशेष महत्व रखता है। इसी दिन वर्ष 1954 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भाखड़ा-नांगल परियोजना की सबसे बड़ी नहर का उद्घाटन किया था। यह नहर आगे चलकर हरियाणा की कृषि व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव का आधार बनी।

सतलुज नदी के जल ने प्रदेश के लाखों किसानों के खेतों तक पहुंचकर खेती को नई दिशा दी और हरित क्रांति को गति प्रदान की। वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के समय प्रदेश का बड़ा कृषि क्षेत्र मानसून पर निर्भर था। अनियमित वर्षा के कारण किसानों को उत्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन भाखड़ा नहर प्रणाली, पश्चिमी यमुना नहर और दक्षिण हरियाणा तक पहुंची जवाहरलाल नेहरू लिफ्ट कैनाल के विस्तार से सिंचाई सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इससे खेती अधिक वैज्ञानिक, नियमित और उत्पादक बनती गई।

हरियाणा आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25, स्टेट स्टैटिस्टिकल एब्स्ट्रैक्ट, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब लगभग 14,800 किलोमीटर लंबा नहर नेटवर्क विकसित हो चुका है। इस विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से लाखों हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई की जा रही है। इससे गेहूं, धान, कपास और अन्य प्रमुख फसलों के उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भाखड़ा नहर केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि हरियाणा की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

बिजली निगम कार्यालय में हंगामा, एक्सईएन की शिकायत पर किसान के खिलाफ मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के टोहाना शहर स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के एक्सईएन कार्यालय में हंगामा, हाथापाई और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। सिटी थाना टोहाना पुलिस ने एक्सईएन कृष्ण कुमार की शिकायत पर गांव गाजूवाला निवासी किसान देवेंद्र और उसके साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एक्सईएन कृष्ण कुमार ने बताया कि 6 जुलाई की दोपहर वह अपने कार्यालय में सरकारी कार्य कर रहे थे।

इसी दौरान देवेंद्र अपने तीन-चार साथियों के साथ उनके केबिन में पहुंचा और एक कार्य को लेकर दबाव बनाने लगा। अधिकारी के अनुसार, जब उन्होंने नियमों के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही तो आरोपियों ने कथित रूप से 500-500 रुपये के नोटों के दो बंडल उन्हें देने का प्रयास किया। शिकायत के अनुसार, एक्सईएन ने रुपये लेने से इनकार कर दिया और कमरे से बाहर निकलने लगे। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया। अधिकारी किसी तरह पिछले रास्ते से अकाउंटेंट के कमरे में पहुंचे, लेकिन आरोपी वहां भी आ गए।

आरोप है कि उन्होंने जबरन उनकी कमीज की जेब में रुपये डालने की कोशिश की। विरोध करने पर हाथापाई और मारपीट की गई तथा गला दबाकर जान से मारने का प्रयास भी किया गया। बाद में कार्यालय के कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर उन्हें छुड़ाया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में कुछ लोग एक्सईएन को नोटों के बंडल देने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि अधिकारी उनसे बचने के लिए कार्यालय के भीतर इधर-उधर जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शिकायत और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी किसान देवेंद्र व अन्य के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, रिश्वत के झूठे मामले में फंसाने की कथित साजिश, मारपीट, धमकी तथा अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की तकनीकी जांच कराई जा रही है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे। जांच पूरी होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, घटना के बाद बिजली निगम कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और वायरल वीडियो की सत्यता, उपलब्ध साक्ष्यों तथा दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हिसार बस स्टैंड पर दोबारा पहुंची सीएम फ्लाइंग, पेड़ कटाई मामले की जांच तेज

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार के बस स्टैंड परिसर में पेड़ों की कटाई के मामले में मंगलवार को सीएम फ्लाइंग की टीम एक बार फिर जांच के लिए पहुंची। टीम का नेतृत्व डीएसपी विक्रम भादू ने किया। जांच के दौरान वन विभाग के अधिकारी भी टीम के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर पेड़ों की कटाई से जुड़े तथ्यों और दस्तावेजों की विस्तार से जांच की।

जानकारी के अनुसार, जांच में हिसार और फतेहाबाद के जिला वन अधिकारी (डीएफओ) भी शामिल हुए। टीम ने बस स्टैंड परिसर का निरीक्षण किया और यह जानने का प्रयास किया कि पेड़ों की कटाई निर्धारित नियमों और आवश्यक अनुमति के तहत की गई थी या नहीं। इसके लिए संबंधित विभागों से रिकॉर्ड तलब किया गया तथा पेड़ काटने की स्वीकृति से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। सीएम फ्लाइंग की टीम ने अधिकारियों से कटे हुए पेड़ों की संख्या, उनकी प्रजाति, अनुमति जारी करने की प्रक्रिया और संबंधित फाइलों की जानकारी भी ली। साथ ही यह भी देखा गया कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियमों का पालन किया गया था या नहीं। जांच के दौरान अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लिए और आवश्यक जानकारियां एकत्र कीं।

सूत्रों के अनुसार, यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित अधिकारियों या जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल टीम सभी दस्तावेजों और तथ्यों का मिलान कर रही है।

सीएम फ्लाइंग अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर की जा रही है। सभी संबंधित विभागों से जानकारी जुटाने के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने भी जांच में पूरा सहयोग देने और आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की बात कही है। जांच पूरी होने तक संबंधित रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और किसी भी दस्तावेज में बदलाव नहीं करने के निर्देश दिए गए।

ज्वार की गठड़ी टकराई, चचेरे भाई ने दरांती से किया हमला

भारतेंन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। ज्वार की गठड़ी टकराने को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि चचेरे भाई ने गुस्से में दरांती से हमला कर युवक को घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान ज्वार की एक गठड़ी गलती से उसके चचेरे भाई से टकरा गई। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने दरांती उठाकर उस पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान युवक के हाथ पर दरांती से गंभीर चोट लग गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर घायल को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

सीवरेज जाम पर भड़के पार्षद, नगर निगम कार्यालय पर जड़ा ताला

जलभराव से परेशान लोगों के समर्थन में उतरे पार्षद, विधायक ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से मांगी जवाबदेही

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

सोनीपत में लगातार हो रही बारिश के बीच सीवरेज जाम और जलभराव की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। शहर के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर जाने और सीवर ओवरफ्लो होने से नाराज पार्षदों और स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया, जिससे कुछ समय के लिए कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा।

प्रदर्शन कर रहे पार्षदों का आरोप था कि शहर में लंबे समय से सीवरेज व्यवस्था चरमराई हुई है। कई बार शिकायतें देने और अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया। हाल की बारिश के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। कई कॉलोनियों, बाजारों और मुख्य सड़कों पर पानी जमा हो गया, जिससे लोगों को घरों से निकलने और रोजमर्रा के कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बहने से लोगों में संक्रमण और बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। पार्षदों ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी समस्या के समाधान के बजाय केवल आश्वासन देने तक सीमित हैं। उनका आरोप था कि समय रहते सीवर लाइनों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था की जाती तो लोगों को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

इसी नाराजगी के चलते उन्होंने नगर निगम कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। नगर निगम कार्यालय में ताला लगाए जाने की सूचना मिलते ही सोनीपत के विधायक निखिल मदान मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे पार्षदों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार को तत्काल मौके पर बुलाया और अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। करीब आधे घंटे तक चली बातचीत के बाद विधायक के हस्तक्षेप से नगर निगम कार्यालय का ताला खुलवाया गया और प्रदर्शन शांत कराया गया।

विधायक निखिल मदान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी प्रभावित क्षेत्रों में जल निकासी और सीवरेज व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन इलाकों में जलभराव की समस्या अधिक है, वहां अतिरिक्त पंप और सफाई दल तैनात किए जाएं ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

नगर निगम आयुक्त ने भी आश्वासन दिया कि शहर के सभी प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाएगा और जहां-जहां सीवरेज जाम की समस्या है, वहां तत्काल सफाई अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं, जो लगातार निगरानी कर रही हैं। फिलहाल प्रदर्शन समाप्त होने के बाद नगर निगम का कामकाज सामान्य हो गया है, लेकिन लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सीवरेज और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। दूसरी ओर, प्रशासन का कहना है कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

पति पर मारपीट और अप्राकृतिक संबंध बनाने का आरोप, विवाहिता ने दर्ज कराई शिकायत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर में एक विवाहिता ने अपने पति पर मारपीट करने, अप्राकृतिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने, घर से निकालने और उसके नाम पर बैंक से ऋण लेने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी कुछ वर्ष पहले हुई थी। विवाह के बाद शुरुआती दिनों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन धीरे-धीरे पति का व्यवहार बदल गया।

उसने आरोप लगाया कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी। महिला का आरोप है कि पति ने कई बार उसकी इच्छा के विरुद्ध अप्राकृतिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसे अपमानित किया गया। लंबे समय तक प्रताड़ना सहने के बाद उसने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत में विवाहिता ने यह भी आरोप लगाया कि पति ने उसकी जानकारी और सहमति के बिना उसके नाम पर बैंक से ऋण लिया।

जब उसे इस बारे में पता चला तो उसने पति से इसका विरोध किया, लेकिन इसके बाद भी उसके साथ दुर्व्यवहार जारी रहा। महिला का कहना है कि बाद में पति ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता ने न्याय की मांग करते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी।

दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे और उपलब्ध दस्तावेजों व साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि बैंक ऋण से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि ऋण किस प्रक्रिया के तहत लिया गया और उसमें महिला की सहमति ली गई थी या नहीं। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल में कितना इथेनॉल हो, जनता तय करे : केजरीवाल

इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल नीति पर उठे सवाल, केजरीवाल ने वाहन मालिकों के अधिकारों की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि देश की जनता को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर विकल्प दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को यह चुनने का अधिकार मिलना चाहिए कि वे कितना इथेनॉल मिला हुआ ईंधन इस्तेमाल करना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की नीति को लागू करने से पहले आम लोगों की सुविधा और वाहनों पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना जरूरी है। उनका कहना है कि हर वाहन इथेनॉल मिश्रित ईंधन के लिए समान रूप से उपयुक्त नहीं हो सकता, इसलिए उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत और वाहन की क्षमता के अनुसार विकल्प मिलना चाहिए।

उन्होंने इस मुद्दे को लेकर ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखने की बात भी कही है। केजरीवाल का कहना है कि वाहन निर्माताओं को यह स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए कि कौन से वाहन कितने प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लिए उपयुक्त हैं। इससे वाहन मालिकों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। इथेनॉल मिश्रण को सरकार पेट्रोलियम आयात कम करने, किसानों को लाभ पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बढ़ावा दे रही है। हालांकि, इस नीति को लेकर कुछ लोगों ने वाहनों की क्षमता, ईंधन की गुणवत्ता और उपभोक्ता विकल्पों से जुड़े सवाल भी उठाए हैं। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की है कि ईंधन नीति बनाते समय आम जनता के हितों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखकर ही

ऐसी योजनाओं को लागू किया जाना चाहिए। इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर देश में लंबे समय से चर्चा चल रही है। केंद्र सरकार का उद्देश्य पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाकर कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना और देश में वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना है। इथेनॉल एक जैव ईंधन है, जिसे मुख्य रूप से गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। सरकार का मानना है कि इसके इस्तेमाल से किसानों को अतिरिक्त बाजार मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। हालांकि, इथेनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर वाहन चालकों के बीच कई सवाल भी हैं।

ग्रेटर नोएडा में उपद्रव, कार जलाने के मामले की जांच शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां शराब के नशे में धुत तीन युवकों ने गाली-गलौज के बाद एक कार में आग लगा दी। इस घटना में कार पूरी तरह जल गई और उसमें रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज भी नष्ट हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित अपनी कार लेकर क्षेत्र में मौजूद था। इसी दौरान तीन युवक वहां पहुंचे और किसी बात को लेकर उससे विवाद करने लगे। आरोप है कि युवकों ने पहले गाली-गलौज की और फिर आक्रोश में आकर कार को आग के हवाले कर दिया। आग लगने के बाद आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची।

तीन युवकों ने कार में आग क्यों लगाई

काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार का काफी हिस्सा जल चुका था। कार में रखे जरूरी कागजात भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गए।

पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर चिंता जताई है और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

गुरुग्राम में बढ़ेगी न्यायिक सुविधा वकीलों ने चैंबर के लिए मांगी जमीन

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम जिला बार एसोसिएशन की बैठक में अधिवक्ताओं ने नए 'टावर ऑफ जस्टिस' के निर्माण के साथ वकीलों के लिए चैंबर बनाने की मांग प्रमुखता से रखी। बैठक में बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए और उन्होंने अदालत परिसर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर चर्चा की।

अधिवक्ताओं का कहना है कि गुरुग्राम में लगातार बढ़ते मामलों और वकीलों की बढ़ती संख्या के कारण चैंबर की कमी एक बड़ी समस्या बन गई है। कई अधिवक्ताओं को काम करने, दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और अपने मुवक्किलों से बातचीत करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए नए न्यायिक परिसर की योजना में अधिवक्ताओं के लिए पर्याप्त चैंबर की व्यवस्था की जानी चाहिए। बैठक में यह मांग भी उठाई गई कि 'टावर ऑफ जस्टिस' परियोजना के साथ ही चैंबर निर्माण के लिए अलग से जमीन आवंटित की जाए। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केवल अदालतों का विस्तार ही नहीं, बल्कि वकीलों के लिए जरूरी सुविधाओं का विकास भी आवश्यक है।

दिल्ली में 390 पेड़ों का ट्रांसप्लांट पर्यावरण विशेषज्ञों ने जताई चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली

राउज एवेन्यू कोर्ट विस्तार परियोजना के लिए दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) 390 हरे पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने की योजना बना रहा है। इस प्रक्रिया पर करीब 230.7 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना के तहत इन पेड़ों को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर लगाया जाएगा, ताकि विकास कार्य के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन भी बनाए रखा जा सके। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि पेड़ों को काटने के बजाय उन्हें सुरक्षित तरीके से प्रत्यारोपित करने का विकल्प चुना गया है। इससे हरियाली को बचाने और निर्माण कार्य के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों के अनुसार, विशेषज्ञों की निगरानी में पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा और उनकी देखभाल की व्यवस्था भी की जाएगी। हालांकि, दिल्ली में पेड़ प्रत्यारोपण का रिकॉर्ड बहुत अच्छा

नहीं रहा है। पहले भी कई परियोजनाओं के दौरान किए गए ट्रांसप्लांट के बाद बड़ी संख्या में पेड़ जीवित नहीं रह पाए हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि केवल पेड़ों को स्थानांतरित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बाद में उनकी नियमित देखभाल और निगरानी बेहद जरूरी होती है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि ट्रांसप्लांट किए जाने वाले पेड़ों की प्रजाति, उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक तरीके अपनाए जाने चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि नए स्थान पर पेड़ों को पर्याप्त पानी, मिट्टी और अनुकूल वातावरण मिले।

गाजियाबाद में बढ़ेगा टैक्स दायरा सभी जोन में चल रहा संपत्ति सर्वे

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में मकान और दुकान खरीदने वालों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। नगर निगम अब शहर में बनने वाली नई संपत्तियों पर भी संपत्ति कर लगाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए नगर निगम की ओर से सभी जोन में सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। सर्वे के माध्यम से नई संपत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि उनके लिए टैक्स की दरें निर्धारित की जा सकें।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में लगातार नए आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों का विकास हो रहा है। बड़ी संख्या में नए मकान, फ्लैट और दुकानें बन रही हैं, लेकिन कई संपत्तियां अभी तक टैक्स के दायरे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में निगम का उद्देश्य सभी पात्र संपत्तियों को कर व्यवस्था से जोड़ना है। सर्वे के दौरान संपत्तियों का क्षेत्रफल,

उपयोग का प्रकार और स्थान जैसी जानकारियां एकत्र की जाएंगी। इसके आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों के लिए टैक्स की दरें तय की जाएंगी। अधिकारियों का कहना है कि इससे नगर निगम की आय में वृद्धि होगी और शहर में विकास कार्यों को गति मिलेगी। नगर निगम को इस पहल से नई संपत्ति खरीदने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया नियमों के अनुसार की जाएगी और सभी क्षेत्रों के लिए उचित दरें तय की जाएंगी।

शहरवासियों का कहना है कि टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता जरूरी है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिल सके और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। सर्वे पूरा होने के बाद नई संपत्तियों पर टैक्स लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

जर्जर सरकारी भवनों में जान जोखिम में काम

एजेंसी, नई दिल्ली

शहर के छह सरकारी भवनों की छतें जर्जर हालत में पहुंच चुकी हैं। इन भवनों में काम करने वाले कर्मचारी और अधिकारी अपनी जान जोखिम में डालकर रोजाना कामकाज करने को मजबूर हैं। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने और प्लास्टर गिरने जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार संबंधित विभागों को भवनों की खराब स्थिति के बारे में जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जर्जर भवनों में काम करने से लोगों में डर का माहौल है। अधिकारियों से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने की मांग की जा रही है। कर्मचारियों ने मांग की है कि इन भवनों की जल्द जांच कराकर मरम्मत कराई जाए। उनका कहना है कि सरकारी कार्यालयों में सुरक्षित माहौल होना जरूरी है। समय पर सुधार नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

न्यूज ब्रीफ

पैसों के विवाद ने लिया खौफनाक रूप युवक की पीटकर हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली। बल्लभगढ़ में रविवार रात रुपये के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में 38 वर्षीय युवक प्रभात की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि चार से पांच लोगों ने मिलकर प्रभात के साथ मारपीट की और गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रभात का परिवार पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था। उसकी मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद की बात सामने आई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच आगे जारी है।

सोशल मीडिया बैन पर हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, पार्टी को मिली राहत

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी को बड़ी राहत देते हुए उसके एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। पार्टी की ओर से अदालत में याचिका दायर कर एक्स अकाउंट को दोबारा सक्रिय करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि अकाउंट पर लगाया गया प्रतिबंध पार्टी की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर रहा है। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले के तथ्यों को देखते हुए अकाउंट से बैन हटाने का निर्देश दिया। अदालत के आदेश के बाद पार्टी को सोशल मीडिया मंच पर अपनी गतिविधियां दोबारा शुरू करने का रास्ता मिल गया है। पार्टी नेताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की जीत बताया। मामले में एक्स प्लेटफॉर्म की ओर से भी अपनी दलीलें रखी गई थीं। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अपना निर्णय सुनाया। हालांकि, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री से जुड़े नियमों का पालन करना जरूरी है।

राजधानी में बढ़ेगा ई-बसों का बेड़ा प्रदूषण कम करने की दिशा में बड़ा कदम

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों के शामिल होने से राजधानी में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़कर लगभग 4800 हो गई है। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण कम करना, यात्रियों को बेहतर सुविधा देना और स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नई इलेक्ट्रिक बसें आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, जिनमें आरामदायक सीटें, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस ट्रैकिंग, पैनिक

दिल्ली में 300 नई इलेक्ट्रिक बसें क्यों चलाई गई ?

बटन और दिव्यांगजनों के लिए बेहतर सुविधाएं शामिल हैं। इन बसों के संचालन से यात्रियों को अधिक आरामदायक और सुरक्षित सफर का अनुभव मिलेगा।

इस अवसर पर 'मिशन 70 लाख पौधारोपण अभियान' की भी शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत दिल्ली के 250 वार्डों और 70 विधानसभा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जाएंगे। लगाए गए पौधों की निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी और यदि कोई पौधा खराब होता है तो उसकी जगह नया पौधा लगाया जाएगा। सरकार का मानना है कि यह अभियान राजधानी में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार का कहना है कि इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में लगातार वृद्धि से वायु प्रदूषण कम होगा, ईंधन की खपत घटेगी और यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध होगा।

सरेआम दो भाइयों का खून बहाया, एक भाई ने तोड़ा दम, नाबालिग सहित 3 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली के बाहरी इलाके मंगोलपुरी में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पुरानी रंजिश के चलते दो सगे भाइयों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया। बदमाशों ने दोनों भाइयों को घेरकर उन पर कई वार किए। इस भीषण हमले में एक भाई, जिसकी पहचान महेश के रूप में हुई है, की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, दूसरा भाई मुकेश इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस सनसनीखेज हत्याकांड के सिलसिले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े

मंगोलपुरी में दो भाइयों पर चाकू से जानलेवा हमला

गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों से उनका पुराना विवाद चल रहा था और करीब एक साल पहले भी उनके परिवार पर हमला किया गया था, लेकिन तब पुलिस ने सख्त कदम नहीं उठाए। परिजनों ने आरोपियों के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की है। फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की गहनता से तफ्तीश कर रही है ताकि वारदात में शामिल किसी भी अन्य दोषी को बख्शा न जाए। इस घटना के बाद से मंगोलपुरी इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की फास्ट-ट्रैक जांच कर आरोपियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

फरीदाबाद में यमुना पर नए पुल से हजारों लोगों की राह होगी आसान

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली से सटे एनसीआर के शहर फरीदाबाद में यमुना नदी पर नया पॉन्टून (अस्थायी) पुल बनने जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश के कई गांवों के बीच आवागमन को आसान बनाना है। पुल बनने से दोनों राज्यों के बीच की दूरी कम होगी और लोगों का सफर पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। लंबे समय से इस क्षेत्र के निवासी इस पुल की मांग कर रहे थे, क्योंकि मौजूदा मार्ग से आने-जाने में काफी समय और अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है।

प्रशासन के अनुसार, नए पॉन्टून पुल के निर्माण से स्थानीय किसानों, छात्रों, कर्मचारियों और व्यापारियों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। उन्हें रोजमर्रा के कामों के लिए लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। इसके अलावा कृषि उपज को मंडियों तक पहुंचाने में भी आसानी होगी और परिवहन लागत

क्या नए पुल से दो राज्यों की दूरी घटेगी

कम होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, पुल निर्माण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा और इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पुल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बेहतर संपर्क व्यवस्था से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

पेट्रोल से इलेक्ट्रिक की ओर बढ़ेगी दिल्ली, नई ईवी पॉलिसी लागू

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार का बड़ा कदम

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हाल ही में नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति लॉन्च की है। इस नीति का उद्देश्य राजधानी में प्रदूषण कम करना, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को तेजी से बढ़ाना है। सरकार का कहना है कि नई ईवी पॉलिसी के तहत विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर सब्सिडी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग पेट्रोल और डीजल वाहनों के बजाय इलेक्ट्रिक विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों।

सरकार का विशेष फोकस पेट्रोल से चलने वाली दोपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक बाइकों और स्कूटरों से बदलने पर है। इसके पीछे तर्क यह है कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग रोजाना दोपहिया वाहनों का उपयोग करते हैं, जिससे वायु प्रदूषण और ईंधन की खपत दोनों

नई ईवी पॉलिसी से किसे मिलेगा फायदा

बढ़ती हैं। नई नीति के जरिए सरकार चाहती है कि आम नागरिक कम परिचालन लागत वाले और पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर कदम बढ़ाएं। नई ईवी पॉलिसी में सब्सिडी के साथ-साथ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, सार्वजनिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और ईवी अपनाने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को कम करने पर भी जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि पर्याप्त चार्जिंग सुविधाएं उपलब्ध होने से लोगों का भरोसा इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ेगा और उनकी स्वीकार्यता में तेजी आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस नीति का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया गया, तो इससे दिल्ली में प्रदूषण कम करने, ईंधन पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। सरकार को उम्मीद है कि नई ईवी नीति राजधानी को अधिक हरित, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

दहेज प्रताड़ना के आरोपों के बीच चर्चा में आया प्रेम विवाह का मामला

एजेंसी, नई दिल्ली

आकृति आठ साल तक अरस्तू के साथ दोस्ती और प्रेम संबंध में रही। लंबे समय तक एक-दूसरे को समझने के बाद दोनों ने परिवार की सहमति से शादी कर ली। शुरुआत में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन विवाह के कुछ समय बाद उनके रिश्ते में तनाव बढ़ने लगा। छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगे और दोनों के बीच लगातार झगड़े की स्थिति बन गई। परिवार के लोगों ने कई बार समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ।

इस बीच आकृति की मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी के बाद उनकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष की ओर से लगातार अतिरिक्त दहेज लाने का दबाव बनाया जाता था और मांग पूरी नहीं होने पर आकृति के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। परिवार का कहना है कि उन्होंने कई बार मामले को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ती गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है। यदि शिकायत पुलिस में दर्ज की गई है, तो पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर जांच आगे बढ़ाएगी। फिलहाल आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पड़ोसियों और परिचितों के अनुसार, शादी के बाद दोनों के रिश्ते में लगातार तनाव बढ़ता गया। अब यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी की नजर पुलिस जांच पर है, जिससे पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पुंछ में जंगली जानवर के हमले से महिला घायल, हालत गंभीर

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जिले की मंडी तहसील के लोरन ब्लाक में जंगली भालू के हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लोरन लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के उपरान्त घायल महिला को पुंछ के राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार जारी है। घायल महिला की पहचान 42 वर्षिय ज़रीना अख्तर पत्नी अब्दुल कबीर निवासी डारगाम लोरन के रूप में हुई है।

सीएचसी कंडी में एक बेड पर 3-4 मरीज, वीडियो वायरल

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। राजौरी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक ही बेड पर तीन से चार मरीज लेटे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के बाद अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं। बीएमओ डॉ. विनोद कुमार भट्ट ने बताया कि अस्पताल की नई इमारत बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक स्वास्थ्य विभाग को उसका हैंडओवर नहीं मिला है। हैंडओवर के बाद मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और भीड़ की समस्या दूर होगी।

अमरनाथ यात्राः नेशनल हाईवे का डीजीपी ने किया दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, बनी/कठुआ। श्री अमरनाथ जी यात्रा के संदर्भ में डी.जी.पी. नलिन प्रभात सोमवार शाम को जिला कठुआ में बेस कैंप लखनपुर और राष्ट्रीय राजमार्ग का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शुरू होने पर डी.जी.पी. का कठुआ जिला का यह पहला दौरा है। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने लखनपुर जा रही श्री अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा और रसद व्यवस्था का आकलन करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश नियंत्रण, संयुक्त पुलिस नियंत्रण कक्ष (जे.पी.सी.आर.), यातायात प्रबंधन और काफिले की आवाजाही का निरीक्षण किया।

बिश्नाह के डब्बड़ गांव में बिजली कटौती के खिलाफ शिवसेना हिंदुस्तान का प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, बिश्नाह। बिश्नाह के डब्बड़ गांव में लगातार बिजली कटौती और सड़क मार्ग बंद होने से नाराज़ शिवसेना हिंदुस्तान के कार्यकर्ताओं ने युवा प्रदेश अध्यक्ष गणेश चौधरी की अध्यक्षता में बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विभाग पर लोगों की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। इस दौरान गणेश चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बिजली विभाग के कार्यालय पर ताला लगाया जाएगा और अधिकारियों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्क जल्द बहाल हो : सुनील शर्मा

◆ **सुनील शर्मा ने मांगी तत्काल राहत**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने डूल, क्वार और थाथरी इलाकों में अचानक आई बाढ़ पर गहरी चिंता जताई है। इस बाढ़ से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल से बात की है और प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रभावित इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई, बिजली और सड़क संपर्क जैसी ज़रूरी सेवाओं को तुरंत बहाल किया जाए ताकि जल्द से जल्द हालात सामान्य हो सकें। उन्होंने जम्मू-कश्मीर सरकार से यह भी अपील की कि प्रभावित परिवारों को बिना किसी देरी के उचित मुआवज़ा, राहत और हर ज़रूरी मदद दी जाए। उन्होंने ज़ोर दिया कि लोगों की तकलीफ़ कम करने के लिए राहत और पुनर्वास के काम को प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता ज़ाहिर करते हुए शर्मा ने कहा कि आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव कोशिश की जानी चाहिए।

जेएंडके में गंभीर मरीजों को विधायक देंगे 20 लाख तक की सहायता

अब सड़क और भवन निर्माण के साथ मरीजों के जीवन बचाने में भी काम आएगी विधायक निधि

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू कश्मीर सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक मानवीय और जनहितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश के सभी विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र विकास कोष से गंभीर और जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए प्रत्येक वर्ष 20 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का अधिकार दिया है। इस फैसले का उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित रहने वाले गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि गंभीर बीमारी के समय आर्थिक सहायता में होने वाली देरी कई बार मरीज की जान पर भारी पड़ती है। ऐसे में यह नई व्यवस्था जरूरतमंद लोगों के लिए जीवनदायी साबित हो सकती है।

अब तक लागू नियमों के अनुसार विधायक निधि का उपयोग मुख्य रूप से सड़क निर्माण, पेयजल, बिजली, सामुदायिक भवन और अन्य विकास कार्यों तक ही सीमित था। चिकित्सा सहायता के लिए इसमें बहुत सीमित प्रावधान थे, जिसके कारण विधायक चाहकर भी गंभीर रूप से बीमार मरीजों की पर्याप्त आर्थिक मदद नहीं कर पाते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह स्थिति बदल जाएगी और विधायक अपने क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को सीधे इलाज के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करा सकेंगे।

◆ **अस्पताल के खाते में पहुंचेगी सहायता राशि**

सरकार ने इस प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का भी प्रावधान किया है। विधायक द्वारा स्वीकृत सहायता राशि सीधे संबंधित अस्पताल या चिकित्सा संस्थान के बैंक खाते में भेजी जाएगी। इससे धनराशि के दुरुपयोग की संभावना कम होगी और मरीज का इलाज बिना किसी अनावश्यक देरी के शुरू किया जा सकेगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन मरीजों के लिए लाभकारी होगी जिन्हें कैंसर, हृदय रोग, किडनी प्रत्यारोपण, न्यूरोलॉजिकल बीमारियों या अन्य गंभीर रोगों के महंगे उपचार की आवश्यकता होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गंभीर बीमारियों के इलाज का खर्च लाखों रुपये तक पहुंच जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार अक्सर इलाज के लिए कर्ज लेने या अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर हो जाते हैं। कई मामलों में समय पर धन की व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीजों का उपचार बीच में रुक जाता है या शुरू ही नहीं हो पाता। ऐसे समय में यदि स्थानीय विधायक के माध्यम से तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध हो जाए तो मरीज को समय पर बेहतर चिकित्सा मिल सकती है और उसके जीवन को बचाने की संभावना भी बढ़ जाती है।

इस निर्णय से जनप्रतिनिधियों की सामाजिक जिम्मेदारी भी पहले से अधिक बढ़ेगी। विधायक अब केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि अपने क्षेत्र के गंभीर मरीजों के उपचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

गरीब परिवारों को सरकार की बड़ी राहत

जम्मू कश्मीर सरकार का यह निर्णय केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य किसी भी नागरिक का मूल अधिकार है और आर्थिक अभाव किसी व्यक्ति के उपचार में बाधा नहीं बनना चाहिए। यदि इस पहल से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार मिल सके और उनकी जान बचाई जा सके तो यह निर्णय वास्तव में जनकल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

अमरनाथ यात्रियों के लिए मुफ्त परिवहन सेवा शुरू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्री अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जम्मू रेलवे स्टेशन से भगवती नगर स्थित बेस कैंप तक नि:शुल्क परिवहन सेवा शुरू की गई है। इस सेवा का शुभारंभ परिवहन आयुक्त विवेशपाल महाजन ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन से यात्रा के आधार शिविर तक सुरक्षित, सुविधाजनक और सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करना है। नि:शुल्क परिवहन सेवा शुरू होने से यात्रियों को स्टेशन से बेस कैंप तक पहुंचने के लिए निजी वाहनों या अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी और यात्रा प्रबंधन को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जम्मू पहुंचते हैं और यहां से आगे की यात्रा के लिए भगवती नगर बेस कैंप जाते हैं। ऐसे में यह सेवा यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। परिवहन विभाग ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था के लिए इस पहल को महत्वपूर्ण कदम बताया है। अधिकारियों ने कहा कि यात्रा अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है।

कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाना ध्वस्त भारी मात्रा में हथियार बरामद

संवेदनशील क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बल।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शिक्षा मंत्री सकीना इटू की आलोचना करते हुए एक 12 वर्षीय बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में बच्चा घाटी में लगातार बढ़ रही गर्मी और स्कूलों में छुट्टियां घोषित न किए जाने को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त करता दिखाई देता है। वह कहता है कि जब तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है, तब भी बच्चों को स्कूल जाना पड़ रहा है।

इसी दौरान उसने शिक्षा मंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणी भी की, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया और इस पर पक्ष-विपक्ष में बहस शुरू हो गई।

वीडियो सामने आने के बाद कश्मीर के प्रमुख धार्मिक नेता मीरवाइज उमर फारूक ने बच्चे द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा और टिप्पणी को अशिष्ट बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन किसी भी व्यक्ति के प्रति सम्मानजनक भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए।

वहीं, जम्मू-कश्मीर सरकार की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उस न्यूज पोर्टल को तलब किया जिसने सबसे पहले यह वीडियो प्रकाशित किया था।

डीएसईजे ने सभी संस्थानों से मांगी पुस्तक जांच रिपोर्ट

जम्मू के सभी स्कूलों की किताबों की होगी जांच

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। एक नए घटनाक्रम में जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीएसईजे) ने जम्मू मंडल के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग केंद्रों में उपलब्ध सभी पुस्तकालय पुस्तकों की व्यापक समीक्षा का आदेश दिया है। यह कदम स्कूलों में पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों की स्वीकृति को लेकर हाल ही में हुए विवाद के मद्देनजर उठाया गया है।

जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी नए परिपत्र के अनुसार सभी संस्थान प्रमुखों (एचओआई) को निर्देश दिया गया है कि वे कक्षाओं, पुस्तकालयों, कार्यालयों और स्टाफ रूम में उपलब्ध प्रत्येक पुस्तक जिसमें हाल ही में खरीदी गई और पुरानी पुस्तकें भी शामिल हैं की जांच करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अनुचित सामग्री का उपयोग न हो रहा हो।

परिपत्र में कहा गया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य ऐसी किसी भी सामग्री की पहचान करना है जो धार्मिक भावनाओं, प्रचलित कानूनों, शैक्षिक मूल्यों या स्थापित मानदंडों का उल्लंघन कर सकती है। सभी पठन सामग्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आयु-उपयुक्त दिशानिर्देशों और उद्देश्यों के अनुरूप होनी चाहिए

डीएसईके ने संबंधित संस्थान को निर्देश दिया है कि वे पाई गई किसी भी आपत्तिजनक सामग्री की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें जिसमें पुस्तक का शीर्षक, लेखक और प्रकाशक के साथ-साथ उपलब्ध प्रतियों की संख्या का उल्लेख हो।

एनईपी 2020 के अनुरूप होंगी स्कूलों की पुस्तकें

परिपत्र के निर्देशों के अनुसार सभी सरकारी और निजी स्कूलों और कोचिंग केंद्रों को संबंधित क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (जेडईओ) को अनुपालन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि सभी पुस्तकों की पूरी तरह से जांच की गई है, पुस्तकालय की पुस्तकें एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

तेज बारिश से डोडा में तबाही, चिनाब तक बहे वाहन

डोडा में 48 घंटों में तीसरी तबाही बादल फटने से सड़कें मलबे में

◆ **डोडा में तीसरी फ्लैश फ्लड, प्रशासन अलर्ट पर**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ठठरी कस्बे में मंगलवार तड़के हुई भारी बारिश ने लोगों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी। लगातार तेज बारिश के बाद अचानक आए फ्लैश फ्लड ने पूरे क्षेत्र में तबाही का मंजर पैदा कर दिया। रात के अंधेरे में आई इस आपदा ने लोगों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। पहाड़ियों से भारी मात्रा में मलबा, बड़े पत्थर और चट्टानें तेज बहाव के साथ नीचे आ गईं, जिससे कई मकानों, दुकानों और वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो चारों ओर मलबा, टूटे हुए ढांचे और क्षतिग्रस्त वाहन दिखाई दिए।

स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ वाहन तेज बहाव में बहते हुए दूर तक चले गए और कुछ चिनाब नदी की ओर पहुंच गए। कई स्थानों पर सड़कें मलबे से पूरी तरह ढक गईं, जिससे लोगों की आवाजाही रुक गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

प्रशासन ने समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया, जिससे स्थिति को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिली। फ्लैश फ्लड के कारण डोडा-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग भी ठठरी के पास मलबा आने से बंद हो गया। इससे दोनों जिलों के बीच यातायात प्रभावित हुआ और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं।

जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की सहायता से सड़कों से मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया और यातायात को सामान्य बनाने के प्रयास किए गए। डिप्टी कमिश्नर कृष्ण लाल ने बताया कि यह घटना बादल फटने की नहीं बल्कि अत्यधिक वर्षा के कारण आई फ्लैश फ्लड की थी।

एनआईए ने पहलगाम हमले के लिए हाफिज सईद को किया आरोपी करार

◆ **लश्कर प्रमुख पर एनआईए का शिकंजा**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की जांच में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी पूरक चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। जम्मू स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दाखिल इस आरोपपत्र में हाफिज सईद पर न केवल व्यक्तिगत रूप से बल्कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के प्रमुख के रूप में भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है और मामले की जांच अभी भी जारी है।

एनआईए के अनुसार हाफिज सईद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपों में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने, सीमा पार से आतंकी साजिश रचने, आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा हमले की योजना और संचालन में भूमिका निभाने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। एजेंसी का मानना है कि पहलगाम हमले के पीछे सक्रिय आतंकी नेटवर्क को पाकिस्तान से समर्थन और निर्देशन मिल रहा था।

जांच एजेंसियों के अनुसार द रेजिस्टेंस फ्रंट को लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जिसका उपयोग कई आतंकी घटनाओं में जिम्मेदारी लेने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान छिपाने के लिए किया जाता रहा है।

केंद्र सरकार की नीतियों से बदली जम्मू कश्मीर की तस्वीर

'अनुच्छेद 370 हटने के बाद बदली जम्मू-कश्मीर की तस्वीर : नितिन नबीन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जम्मू दौरे के दौरान कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। उनके अनुसार अब प्रदेश की पहचान केवल सुरक्षा चुनौतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास, शांति, पर्यटन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्थापित हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और विकास परियोजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। नितिन नबीन का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिल रहा है।

◆ **नितिन नबीन बोले, बदल रहा है जम्मू कश्मीर**

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करने के साथ-साथ उसे वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए निवेश और नई परियोजनाओं के कारण देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग, हस्तशिल्प और अन्य रोजगार के अवसरों को भी मजबूती मिली है। उनके अनुसार प्रदेश के युवा अब शिक्षा, खेल, उद्यमिता और स्वरोजगार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं, जबकि महिलाओं को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

नितिन नबीन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की भूमिका केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं है। पार्टी जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा विपक्ष की भूमिका निभाते हुए भी जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहेगी और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेगी।

अमरनाथ यात्रा बम-बम भोले के जयकारों संग अमरनाथ यात्रा का सबसे बड़ा जत्था रवाना

8815 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दरबार रवाना

◆ **अब तक 93 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन**

◆ **भक्ति के रंग में रंगा जम्मू**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से इस वर्ष का अब तक का सबसे बड़ा श्रद्धालुओं का जत्था बाबा बर्फानी के पवित्र दर्शन के लिए रवाना हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन की निगरानी में कुल 8815 श्रद्धालुओं का यह काफिला जम्मू से कश्मीर की ओर रवाना हुआ। पूरे आधार शिविर में बम-बम भोले हर-हर महादेव और जय बाबा बर्फानी के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम दिखाई दिया।

इस जत्थे में देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं के साथ 31 विदेशी श्रद्धालु भी शामिल रहे जो बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। यात्रा के शुरुआती चार दिनों में ही 93 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि इस वर्ष यात्रा को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है।

अधिकारियों का अनुमान है कि मंगलवार को दर्शन करने वालों की संख्या एक लाख के आंकड़े को पार कर सकती है। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चिकित्सा सेवाएं भोजन पेयजल विश्राम स्थल और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मंगलवार को रवाना हुए इस विशाल जत्थे में 5831 पुरुष 2193 महिलाएं 31 बच्चे 598 साधु 131 साध्वियां और 31 विदेशी श्रद्धालु शामिल थे। इनमें से 3989 श्रद्धालु 181 वाहनों के काफिले के साथ बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुए जबकि 4826 श्रद्धालु 182 वाहनों के जरिए पारंपरिक पहलगाम मार्ग से आगे बढ़े। दोनों मार्गों पर सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती की गई है और यात्रा की प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है।

अधिकारियों के अनुसार दो जुलाई से यात्रा शुरू होने के बाद अब तक 34829 श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आधार शिविर पहुंच रहे हैं जहां उनके ठहरने भोजन स्वास्थ्य जांच और पंजीकरण की पूरी व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने यात्रा को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया है। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सुरक्षा के बीच यात्रा जारी

जम्मू से लेकर पवित्र गुफा तक पुलिस अर्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ तैनात हैं। वाहनों के काफिलों को निर्धारित समय पर सुरक्षा घेरे में रवाना किया जा रहा है ताकि यात्रा बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। श्रद्धालुओं ने भी यात्रा प्रबंधन और सुविधाओं की सराहना करते हुए प्रशासन के प्रयासों की प्रशंसा की है। प्रशासन ने बढ़ती भीड़ को देखते हुए बिना पंजीकरण वाले श्रद्धालुओं से फिलहाल यात्रा स्थगित करने की अपील की है।

शोपियां में रात 10 बजे बाद पटाखों पर रोक

◆ **देर रात पटाखे जलाने वालों पर होगा कानूनी शिकंजा**

भारतेंदु संवाददाता, शोपियां। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में प्रशासन ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन ने अगले दो महीनों तक रात 10 बजे के बाद सभी प्रकार के पटाखे जलाने, हवाई आतिशबाजी करने और सीरीज पटाखों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिला मजिस्ट्रेट शिशिर गुप्ता द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में शांति बनाए रखना, ध्वनि और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रशासन के अनुसार देर रात पटाखे फोड़ने से तेज आवाज उत्पन्न होती है, जिससे आम लोगों में भय और भ्रम का माहौल बन सकता है। शोपियां जैसे संवेदनशील जिले में सुरक्षा बल लगातार आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते रहते हैं। ऐसे में पटाखों की आवाज कई बार गोलीबारी या विस्फोट जैसी प्रतीत हो सकती है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए अनावश्यक भ्रम की स्थिति पैदा होने की आशंका रहती है।

चिनाब घाटी और पीर पंजाल में फ्लैश फ्लड का खतरा

जम्मू-कश्मीर में अगले कई दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने आज 8 जुलाई को जम्मू और कश्मीर के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश, संक्षिप्त तीव्र बौछारें और गरज के साथ तूफान आने की संभावना है।जम्मू डिविजन में कुछ स्थानों पर देर रात और सुबह के शुरुआती घंटों में भारी बारिश होने की आशंका है। कुछ क्षेत्रों में दोपहर के दौरान भी हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

मौसम विभाग ने कहा कि कश्मीर डिवीजन के कई जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, साथ ही कुछ स्थानों पर संक्षिप्त तीव्र बौछारें भी पड़ सकती हैं, खासकर दोपहर और सुबह के शुरुआती घंटों में। 9 और 10 जुलाई के लिए विभाग ने कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है साथ ही कुछ स्थानों पर संक्षिप्त तीव्र भारी बौछारें पड़ने की भी संभावना है। 11 से 12 जुलाई तक जम्मू और कश्मीर में कई स्थानों पर एक या दो बार बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की आशंका है जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और संक्षिप्त तीव्र बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने अपनी सलाह में 8 और 11 जुलाई को भारी बारिश और भीषण बौछारों की संभावना जताई है खासकर दोपहर और सुबह के शुरुआती घंटों में।

मौसम विभाग ने अपनी सलाह में 8 और 11 जुलाई को भारी बारिश और भीषण बौछारों की संभावना जताई है खासकर दोपहर और सुबह के शुरुआती घंटों में।

न्यूज ब्रीफ

बीडीसी चुनाव न करवाने को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मंगलवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजेंद्र राणा की अगुवाई में भाजपा मंडल ने एसडीएम सुजानपुर को ज्ञापन सौंपा और सुजानपुर व टौणीदेवी बीडीसी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव को तुरंत करवाने की भी मांग उठाई। इसके बाद एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन करने के बाद पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कहा कि जिला हमीरपुर में भोरंज ब्लॉक को छोड़कर बाकी 5 ब्लॉकों में बीडीसी अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव नहीं करवाए जा रहे। ये सोची-समझी साजिश है, जहां कांग्रेस को जीत का भरोसा है, वहां चुनाव करवा दिए, जहां हार का डर है, वहां लोकतंत्र को ताला लगा दिया। नादौन, हमीरपुर, बड़सर, सुजानपुर व टौणीदेवी में डेढ़ महीने से चुनाव लटकाए गए हैं। एक जिले में दो तरह के नियम? ये लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने चेताया कि बेईमानी से बनी ये सरकार अब पंचायती राज संस्थाओं को भी कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी यह ट्रेलर है। अगर जल्द चुनाव नहीं हुए तो भाजपा कार्यकर्ता जनता के साथ हर ब्लॉक में आंदोलन करेंगे।

2027 में फिर मुख्यमंत्री बनेंगे सुक्खू : दीपक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक राठौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट कर उन्हें उपाध्यक्ष नियुक्त करने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपक राठौर काफी लंबे समय से संगठन के साथ जुड़े हैं और विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हाईकमान के निर्देश पर उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया है और एक महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी गई है। वह कांग्रेस विचारधारा से जुड़े हैं और आम परिवार से निकलर आए हैं। उन्होंने दीपक राठौर को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं दीपक राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने संगठन के प्रति समर्पित भाव से काम किया है, इसीलिए वे आज प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक व राजनीतिक आपदाओं का सफलतापूर्वक सामना किया और वर्ष 2027 में भी वह एक बार फिर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. वाईएस परमार के बाद वह प्रदेश के दूसरे मुख्यमंत्री होंगे जो मिशन रिपीट करने में कामयाब होंगे। इस अवसर पर विधायक सुदर्शन बबलू और सुरेश कुमार, हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची भी उपस्थित थे।

बिलासपुर में मारपीट के चार मामले, केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में अलग-अलग विवादों को लेकर मारपीट के चार मामलों में पुलिस ने शिकायतों के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने इन मामलों की पुष्टि की है। पुलिस थाना भराड़ी में झंझवाणी निवासी कमला देवी ने शिकायत दर्ज करवाई कि पानी और दीवार के विवाद को लेकर उसकी पड़ोसी लीला देवी ने उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 332(सी) और 115(2) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक अन्य मामले में भपराल निवासी अमर सिंह ने शिकायत दी कि उसके पड़ोसी अमर सिंह, उसकी पत्नी ब्यासां देवी और उनके दामाद ने रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, थाना कोट कहलूर में बेहल निवासी विक्रम सिंह ने जमीन और बुर्जी विवाद को लेकर दीपक कुमार, लखविंदर सिंह व अन्य के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करवाई है। इसी थाना क्षेत्र में शीला देवी ने विक्रम सिंह, नरेंद्र सिंह, बलबीर सिंह और सकीना देवी पर मारपीट का आरोप लगाया है। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में मामला दर्ज

भारतेन्द संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना बरमाणा में रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में झमाड़-धारटटोह, तहसील सदर निवासी सोहन लाल ने आरोप लगाया कि कुछ ग्रामीणों ने उसका रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि थाना बरमाणा पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है। जांच के आधार पर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चिट्टा-चरस और प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में चिट्टा, चरस और प्रतिबंधित दवाइयां बरामद कर कई आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने इन मामलों की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार 4 जुलाई को थाना स्वारघाट की टीम ने कैचीमोड़, एनएच फोरलेन पर यातायात जांच के दौरान मोटरसाइकिल सवार मनोज कुमार और संजय कुमार निवासी घुमारवीं को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 6.25 ग्राम चिट्टा/हेरोइन और 48 हजार रुपये नकद बरामद हुए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि बरामद नशा खरड़ निवासी समीर ठाकुर से लिया गया था, जिस पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं, 5 जुलाई की रात थाना बरमाणा पुलिस ने सलापड़ पुल के समीप हरियाणा निवासी सतीश कुमार के कब्जे से 706 ग्राम चरस बरामद की। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर चरस की सप्लाई चेन का पता लगाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना झंडूता पुलिस ने सरियाली पुल के पास एक टेंपो की जांच के दौरान कबाड़ के नीचे छिपाकर रखे 33 बॉक्स बरामद किए, जिनमें 6600 प्रीगाबालिन कैप्सूल मिले। चालक शेर खान के पास दवाइयों से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं था। पुलिस ने ड्रग एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के तहत चोरी के मामले में भी सफलता हासिल की है। औहर क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं के मुख्य आरोपी सलीम निवासी घनौली, जिला रूपनगर (पंजाब) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। अन्य आरोपियों की तलाश और चोरी के सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

प्रदेश में समान विकास को दी जा रही प्राथमिकता : सुक्खू

मुख्यमंत्री ने सुजानपुर में 7.54 करोड़ रुपए के बिजली उपकेंद्र पटलांदर का किया शुभारंभ, 14 हजार लोगों को मिलेगा लाभ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को प्रदेश सचिवालय से हमीरपुर जिले के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में 7.54 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 33/11 केवी बिजली उपकेंद्र पटलांदर (अंसला) का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस बिजली उपकेंद्र के शुरू होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत चबुतरा से अंसला तक करीब 7.2 किलोमीटर लंबी 33 केवी एचटीएसएस लाइन बिछाई गई है। इससे उपकेंद्र को मजबूत और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से सुजानपुर क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों पटलांदर, रंगर, चौरी, अंसला, भगोल, चमियाना, दुहाक, सौद, भटेरा, पनोह, धैल, जियार कसीरी, पीपल, टिक्करु, सपाहल सहित आसपास के क्षेत्रों के लगभग 14 हजार लोगों को गुणवत्तापूर्ण और निरंतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उपकेंद्र से 11 केवी कोट चौरी, सुजानपुर, पटलांदर और पलाई फीडरों को बिजली आपूर्ति दी जाएगी। आपातकालीन परिस्थितियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए इसे 33 केवी विद्युत उपकेंद्र टौणी देवी और 33 केवी बिजली उपकेंद्र सुजानपुर से भी जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र में भविष्य में बढ़ने वाली बिजली की मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी। लाइन की लंबाई कम होने और फीडरों के आपस में जुड़े होने से विद्युत हानि में भी कमी आएगी। इसके अलावा लंबे समय से चली आ रही कम वोल्टेज की समस्या का भी स्थायी समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुजानपुर क्षेत्र के विधायक रणजीत सिंह राणा लगातार क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर सरकार के समक्ष मांग उठाते रहे हैं। राज्य सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं सुजानपुर पहुंचकर इस परियोजना का शुभारंभ करना चाहते थे, लेकिन खराब मौसम और बरसात के कारण यह संभव नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी क्षेत्रों का समान विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुजानपुर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक रणजीत सिंह राणा ने उपकेंद्र के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र की 16 पंचायतों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार सहयोग दिया है। इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक विनोद सुल्तानपुरी, सुरेश कुमार और सुदर्शन बबलू, पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के प्रबंध निदेशक आदित्य नेगी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं, डीसी हमीरपुर गंधर्वा राठौड़ और पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने सुजानपुर से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए कार्यालय का किया शुभारंभ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्रीसुक्खू ने प्रदेश सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से धर्मशाला में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के नए कार्यालय का शुभारंभ किया। यह कार्यालय कुछ समय पहले ही शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कांगड़ा जिले के लोगों को इस सुविधा के लिए बधाई देते हुए कहा कि कांगड़ा और आसपास के जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग की बड़ी आबादी निवास करती है। कार्यालय धर्मशाला आने से लोगों को अब अपने कार्यों के लिए शिमला नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इससे आयोग की सेवाएं भी लोगों को अधिक सरल और शीघ्र उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त कांगड़ा को धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) का कार्यालय खोलने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कांगड़ा जिले को प्रदेश की पर्यटन राजधानी घोषित किया है और इसी दिशा में कई सरकारी कार्यालयों को कांगड़ा स्थानांतरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार शिमला जिले के डोडरा क्वार क्षेत्र को अन्य पिछड़ा वर्ग का दर्जा और कांगड़ा जिले के बड़ा भंगाल क्षेत्र को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष प्रभात चौधरी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यालय स्थानांतरण से कांगड़ा और आसपास के क्षेत्रों के ओबीसी समुदाय के लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट के लंबित मामलों के निपटारे के लिए आवेदन की तिथि 31 जुलाई तक बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हमीरपुर के सचिव कुलदीप शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों को आपसी सुलह और मध्यस्थता के माध्यम से निपटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी गई है। उन्होंने बताया कि समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों का निपटारा आपसी सहमति, संवाद और मध्यस्थता के आधार पर किया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ 21 अप्रैल को हुआ था, जबकि 21, 22 और 23 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। कुलदीप शर्मा ने बताया कि इच्छुक पक्षकार सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फार्म के माध्यम से अपने मामलों को शामिल करवा सकते हैं।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल के आशीर्वाद से और सशक्त होगा जनसेवा का संकल्प : लखनपाल

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के चारों जिला परिषद वार्डों से विजयी हुए भाजपा समर्थित जिला परिषद सदस्यों ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल से समीरपुर में शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रतिनिधिमंडल में नवनिर्वाचित जिला परिषद उपाध्यक्ष गुरदीप सिंह, बड़सर भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा सहित क्षेत्र के अन्य नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्य शामिल रहे। इस दौरान विधायक इंद्रदत्त लखनपाल और जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर भी मौजूद रहे। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि जिला परिषद चुनाव में जनता ने भाजपा की नीतियों, संगठन की कार्यशैली और विकास के एजेंडे पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि पूरी निष्ठा के साथ क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए कार्य करेंगे। जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि चारों जिला परिषद वार्डों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत जनता के विश्वास और संगठन की एकजुटता का परिणाम है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य जनसेवा, विकास और सुशासन को प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे। प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है। उन्होंने सभी सदस्यों से पारदर्शिता के साथ कार्य करने और हर वर्ग के हितों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही सहकारी सभाएं

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय तथा प्रदेश सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि अभियान के तहत सहकारिता सप्ताह का आयोजन दी जनहित ऋण एवं बचत सहकारी सभा सीमित के मुख्य कार्यालय नेरचौक में प्रधान सरस्वती ठाकुर की अध्यक्षता में मनाया गया।

इस अवसर पर निदेशक मंडल के सदस्य, सचिव कृष्ण चंद्र चौधरी, राज्य सहकारी बैंक से सेवानिवृत्ति, सभा के कर्मचारी वर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभा के संस्थापक, निदेशक डॉक्टर सीताराम वर्मा ने सहकारिता आंदोलन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहकारी सभाएं मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गत वर्ष उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एनआईटी हमीरपुर में 'सहकारिता बेहतर विश्व का निर्माण करती है' में उन्हें विशिष्टातिथि के रूप में भाग लेकर वहां अर्जित ज्ञान को भी सांझा किया। सभा सचिव कृष्ण चंद्र चौधरी ने शिविर के दौरान सहकारी सभाओं और उनसे जुड़ी शंकाओं का समाधान किया। सभा सचिव कृष्ण चंद्र ने सहकारिता के नियमों तथा उद्देश्यों की जानकारी दी तथा जनहित ऋण व बचत सहकारी सभा ने चौक की प्रगति रिपोर्ट और भविष्य में कार्यान्वयन के बारे में निदेशक मंडल से सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सभा का कार्यभार संभाला तब करीब 40 ऋण खाते ऐसे थे, जिनमें बिलकुल भी ऋण वसूली नहीं हो पा रही थी। जून 2026 में इन खातों की संख्या मात्र 10 रह गई है। सभा का 2024- 25 का लाभांश 346979 रुपए था तथा बर्ष 2025-26 में सभा को 570000 रुपए का लाभ हुआ। वर्ष 2025 की पहली तिमाही का लाभ 468000 रुपए था, जबकि वर्ष 2026 की पहली तिमाही का लाभांश 735000 रुपए है। इसको आधार मानते हुए इस वर्ष सभा को 15 लाख रुपए के शुद्ध लाभ होने की संभावना है। सभा की प्रधान ने कार्यक्रम के आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए उपस्थित सहकार बन्धुओं का आभार व्यक्त किया।

पुनर्वास और मुआवजे की मांगों पर भाखड़ा विस्थापितों का संघर्ष तेज

सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भाखड़ा बांध से प्रभावित परिवारों की वर्षों पुरानी मांगों को लेकर अब संघर्ष तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

ग्रामीण भाखड़ा विस्थापित सुधार समिति, बिलासपुर ने जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदेश और केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि यदि पुनर्वास और मुआवजे से जुड़े लंबित मामलों का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो विस्थापित परिवार व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेंगे। समिति के अध्यक्ष देशराज शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त राहुल कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि भाखड़ा परियोजना के लिए अपना सब कुछ गंवाने वाले हजारों परिवार आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। समिति का कहना है कि पहले भी दो बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक न तो जिला प्रशासन और न ही सरकार की ओर से कोई ठोस पहल की गई है। समिति ने मांग की है कि बिलासपुर शहर तथा आसपास के विकसित क्षेत्रों में पात्र विस्थापितों को आवासीय और व्यावसायिक प्लॉट आवंटित किए जाएं। इसके साथ ही पुनर्वास व मुआवजे से जुड़े सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा किया जाए तथा जिन विस्थापितों को प्लॉट आवंटित हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र कब्जा दिलाया जाए। देशराज शर्मा ने कहा कि देश की अन्य बड़ी परियोजनाओं से प्रभावित लोगों की तरह भाखड़ा विस्थापितों को भी 39 प्रतिशत अतिरिक्त क्षतिपूर्ति मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि वह बीबीएमबी, केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समक्ष विस्थापितों की मांगों को गंभीरता से उठाए। समिति ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो भाखड़ा विस्थापित बड़े स्तर पर लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत डमली के प्रधान गुरमीत सिंह, बैहना जट्टां के प्रधान बिशन दास, उपप्रधान मनोज कुमार, मलरावां पंचायत के पूर्व प्रधान ओंकार सिंह, समिति के महासचिव श्रीराम चौहान, गरजा राम, डॉ. जय राम शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध खनन पर नूरपुर पुलिस की कार्रवाई, 9 वाहन और मशीनरी जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर की एसपी इल्मा अफरोज के निर्देश पर अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फतेहपुर पुलिस ने 7 जुलाई को दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 9 वाहनों और मशीनरी को जब्त किया। पहली कार्रवाई रेय पत्तन क्षेत्र में की गई, जहां अवैध खनन करते हुए एक पोकलेन एक्सकेवेटर, एक जेसीबी और पांच मल्टी-एक्सल ट्रकों को पकड़ा गया। इस मामले में थाना फतेहपुर में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सभी सात वाहनों को इंपाउंड किया गया है। वहीं, जखाड़ा क्षेत्र में गश्त के दौरान नदी में अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी और एक टिपर पकड़ा गया, जिन्हें माइनिंग एक्ट के तहत जब्त कर चालान अदालत भेजे जा रहे हैं। एएसपी नूरपुर धर्म चंद वर्मा ने कहा कि अवैध गतिविधियों और खनन माफिया के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरवाना (भरवाना)
विकास खंड पंचरुखी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

आज कि पंचायत बैठक में अध्यक्ष महोदया द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि वित वर्ष 2026-27 विकास कार्यों हेतु सामग्री कि निवदाएं आमंत्रित कि जानी है। अतः पंचायत बैठक में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ कि वित वर्ष 2026-27 हेतु सामग्री कि कि निविदाएं आमंत्रित कर ली जाएं। निविदाएं कार्यालय ग्राम पंचायत भरवाना (भरवाना) में दिनांक 18.07.2026 समय शाम 5.00 बजे तक डाक व अन्य माध्यम द्वारा स्वीकार कि जाएंगी व दिनांक 20.07.2026 को प्रातः 11.00 बजे कमेटी द्वारा सप्लायरों के समक्ष खोल दी जाएंगी। निम्नलिखित सामग्री हेतु निविदाएं आमंत्रित कि जाएंगी : 1) रेत खड्डु (प्रति घन फुट) 2) रेत क्रशर (प्रति घन फुट) 3) क्रशर स्टोन (10-20 mm) प्रति वर्ग फीट 4) क्रशर स्टोन (60-90 mm) प्रति वर्ग फीट 5) बजरी खड्डु (प्रति घन फुट) 6) बोल्डर (प्रति घन फुट) 7) ईट (class1 व class 2) 8) पत्थर (प्रति घन फुट) 1) कट स्टोन प्रति संख्या 10) शटरिंग (लोहा व लकड़ी) प्रति वर्ग फीट 11) बोर्ड (साइज 2 *3 फीट व 3*4 फीट) 12) शटरिंग (लोहा व लकड़ी) प्रति रनिंग फीट 13) बोर्ड लिखवाई प्रति वर्ग फुट 13) सीमेंट ढुलाई 14) JCBखुदाई प्रति घंटा 15) सीमेंट बेंच 16 मिक्स्चर मशीन किराया 17) इंटरलॉकिंग कंक्रीट पेवर (40mm, 60और 80mm आईएसआई) Sqm (वर्ग मीटर) **शर्ते** :- सप्लायर / फर्म के पास अपना जी.एस.टी नंबर होना चाहिए व जी.एस.टी नं धारक के प्रति कोटेशन के साथ संलग्न करे। दरें शब्दों और अंकों दोनों में स्पष्ट रूप से उधृत होनी चाहिए, जिसमें जीएसटी और सभी एफ.ओ.आर. (F.O.R.) साइट डिलीवरी शुल्क शामिल हों। किसी भी निविदा को स्वीकृत व अस्वीकृत करने, समान दरों कि स्थिति में चयन का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। स्वीकृत निविदादाता द्वारा सामग्री सप्लाई समय पर न देने कि स्थिति में, सामग्री में गुणवत्ता सही न होने कि स्थिति में ग्राम पंचायत को अधिकार होगा कि वह स्वीकृत निविदादाता कि निविदा रद्द कर अगली न्यूनतम निविदा को सप्लाई ऑर्डर कर सकती है या दोबारा निविदा आमंत्रित कर सकती है। सुरक्षा राशि (Security Deposit): निविदादाताओं को संबंधित ग्राम पंचायत के नाम रू.25,000/- की सावधि जमा (Fixed Deposit) सुरक्षा राशि के रूप में गिरवी (Pledge) रखनी होगी (अस्वीकृत निविदादाताओं की सुरक्षा राशि वापस कर दी जाएगी)। अस्वीकृतिः सशर्त (Conditional) या अपूर्ण कोटेशन को तुरंत सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत भरवाना (भरवाना)
विकास खंड पंचरुखी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

परेशानी : बार-बार खराब हो रहा ढांगू रोड फाटक, स्थायी समाधान की मांग

डेढ़ घंटे दो हिस्सों में बंटा रहा पठानकोट शहर

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में सोमवार देर रात ढांगू रोड स्थित नैरोगेज रेलवे फाटक का सिग्नल सिस्टम अचानक तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

इसके चलते रात करीब नौ बजे रेलवे फाटक बंद हो गया और करीब डेढ़ घंटे तक नहीं खुल सका। इस दौरान शहर दो हिस्सों में बंट गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीषण गर्मी और उमस के बीच हजारों वाहन चालक और राहगीर जाम में फंसे रहे। फाटक बंद होने के कारण एक ओर सलारिया चौक तक और दूसरी ओर पीर बाबा चौक तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। बसें, कारें, ऑटो और दोपहिया वाहन घंटों तक रेंगते रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार जाम के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की सूचना मिलते ही रेलवे के तकनीकी विंग के इंजीनियर और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद सिग्नल सिस्टम की खराबी दूर की गई, जिसके बाद फाटक खोला गया। हालांकि, फाटक खुलने के बाद भी दोनों ओर वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण यातायात सामान्य होने में लगभग एक घंटा और लग गया। स्थानीय पुलिस और राहगीरों की मदद से धीरे-धीरे वाहनों को निकाला गया, जिसके बाद देर रात यातायात सुचारु हो सका।

स्थानीय दुकानदारों और वाहन चालकों ने रेलवे प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है। जून माह में भी इसी फाटक का सिग्नल खराब होने से शहर में घंटों जाम लगा था। लोगों ने रेलवे प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी से बचा जा सके। रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार सिग्नल प्रणाली रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। आधुनिक रेलवे फाटक इंटरलॉकिंग सिस्टम से जुड़े होते हैं। सिग्नल में खराबी आने पर सुरक्षा कारणों से फाटक स्वतः बंद स्थिति में रहता है और ट्रेनों का संचालन भी निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत नियंत्रित किया जाता है। ऐसे में किसी भी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए रेलवे सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, हालांकि इसका असर सड़क यातायात पर व्यापक रूप से पड़ता है।

13 को बिलासपुर में 100 पदों के लिए रोजगार साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने बताया कि बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड द्वारा हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में जनरल ड्यूटी के 100 पद अधिसूचित किए गए हैं। इन पदों के लिए जिला रोजगार कार्यालय, बिलासपुर में 13 जुलाई को सुबह 10 बजे से साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं या डिप्लोमा निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 16,000 रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त निशुल्क भोजन एवं आवास, भविष्य निधि (पीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई), इंसेंटिव तथा कंपनी की अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। राजेश मेहता ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को नौकरी के साथ प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। साथ ही उन्हें मान्यता प्राप्त मेधावी विश्वविद्यालय से होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा अथवा डिग्री करने का अवसर मिलेगा, जिसका पूरा खर्च कंपनी वहन करेगी।

बीएसएल परियोजना के 50वें स्थापना दिवस पर नई तकनीक व सुरक्षा पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पंडोह में भाखड़ा व्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की ब्यास-सतलुज लिंक (बीएसएल) परियोजना का 50वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बीबीएमबी के चेयरमैन ने परियोजना परिसर स्थित शहीदी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की टुकड़ी ने शहीदों को पूरे सम्मान के साथ सलामी दी। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और अतिथियों को मिष्ठान वितरित किया गया। चेयरमैन ने कहा कि बदलते पर्यावरण और तेजी से विकसित हो रही तकनीक के अनुरूप बीबीएमबी को भी आधुनिक सोच और नई कार्यप्रणाली अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि बीएसएल परियोजना का डैहर पावर हाउस देश का सबसे बड़ा जलविद्युत उत्पादन केंद्र है, जहां 990 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। यह परियोजना ब्यास नदी के अतिरिक्त जल को सतलुज नदी में पहुंचाकर जल संसाधनों के बेहतर उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि परियोजना के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन सुनिश्चित कर रहे हैं। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना आवश्यक है।

पर्यावरणीय बदलावों को ध्यान में रखते हुए बांधों की सुरक्षा, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा डैम क्षेत्र में लॉग फ्लोटिंग ट्रैश बैरियर को और अधिक हाईटेक बनाने तथा पंडोह-बग्गी सुरंग में गाद के प्रवेश को रोकने के लिए उन्नत तकनीकी उपकरण स्थापित करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रधान हंसराज ने सीएसआर फंड से पंडोह बाजार को डैम से आने वाली बाढ़ के खतरे से सुरक्षित करने की मांग उठाई। वहीं बी.आर. भाटिया ने पंडोह डैम विस्थापितों की मांगों से संबंधित ज्ञापन चेयरमैन को सौंपा।

कार्यालय ग्राम पंचायत टिक्कर खास
विकास खंड पंचरुखी, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

यह कि पंचायत बैठक में अध्यक्ष/प्रधान महोदया जी ने प्रस्ताव रखा कि ग्राम पंचायत टिक्कर खास के विकास कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली निर्माण सामग्री वर्ष 2026-27 के लिए समस्त/विभागीय/सरकारी स्कीमों (मनरेगा, 15 बितायोग व अन्य सभी स्कीमें) के निर्माण कार्यों हेतु प्रयोग की जाने वाली सामग्री कि आपूर्ति हेतु निविदाएँ आमंत्रित कि जानी अति आवश्यक हैं। अतः पंचायत बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा आपस में विस्तृत चर्चा उपरांत प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास किया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण सामग्री, कार्यालय उपकरण की आपूर्ति और मशीनरी सेवाओं को किराए पर लेने के लिए पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों/अधिकृत डीलरों से सीलबंद कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः 20 जुलाई 2026, दोपहर 03:00 बजे तक । निविदा खोलने की तिथि और समयः 21 जुलाई 2026, दोपहर 12:00 बजे । जमा करने का स्थानः- संबन्धित ग्राम पंचायत का कार्यालय। निविदा खोलने का स्थानः कार्यालय ग्राम पंचायत टिक्कर खास क्रयसमिति (Purchase Committee) एवं उपस्थित निविदादाताओं/प्रतिनिधियों के समक्ष सामग्रियों और मदों की संक्षिप्त विवरणी (Performa) जिसमें **नीचे दी गई मदें शामिल हैं ।** 1-4 क्रश्ड सैंड (क्रेशर रेत), क्रश्ड एग्रीगेट (बजरी 10एमएम, 20एमएम, 40एमएम)- Cft. (घन फीट) 5-6 ईट (प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी)- संख्या (Number) 7-9 सोलिंग स्टोन, कट स्टोन (6 इंच और 8 इंच)- Cum(घन मीटर) /संख्या 10. जेसीबी मशीन (हाइड्रोलिक उत्खनक) द्वारा कटाई खुदाई- प्रति घंटा (Hour) 11-12. शटरिंग का किराया (लोहा और लकड़ी)- Sqm (वर्ग मीटर) 13-14. इंटरलॉकिंग कंक्रीट पेवर (40एमएमऔर 80एमएमआईएसआई)-Sqm (वर्ग मीटर) 15. नागरिक आपूर्ति (Civil Supply) से पंचायत तक सीमेंट धुलाई, लोडिंग और अनलोडिंग-प्रति इकाई (Per Unit) 16-17. एग्रीगेट (बजरी 60एमएमऔर 90एमएम)-Cft (घन फीट)18. इंटरलॉकिंग कंक्रीट पेवर (60एमएम आईएसआई)-Sqm (वर्ग मीटर) 19. खच्चरों (Mules) द्वारा सड़क किनारे से कार्य स्थल तक सामग्री की ढुलाई-Cft (घन फीट) 20. लेखन सहित साइन बोर्ड (सूचना पट्ट)-संख्या (No.) 21. कंप्यूटर पेरिफेरल (कंप्यूटर सहायक उपकरण) (पंचायत के डिजिटल कार्यों के संचालन हेतु मानक बाहरी आईटी हार्डवेयर घटकों की आपूर्ति। इसमें आधिकारिक विनिर्देश दिशानिर्देशों के अनुसार मल्टी-फंक्शन लेजर प्रिंटर/स्कैनर, अनइंटरप्टिवल पावर सप्लाई (यूपीएस) इकाइयां, बाहरी हार्ड ड्राइव/स्टोरेज मीडिया, कीबोर्ड, माउस और डेस्कटॉप मॉनिटर/डिस्प्ले इकाइयां / लैपटॉप शामिल है)। -संख्या (No.) **मुख्य नियम एवं शर्तें (हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के नियमानुसार)** -* सुरक्षा राशि (Security Deposit): निविदादाताओं को संबंधित ग्राम पंचायत के नाम रू.15,000/- की सावधि जमा (Fixed Deposit) सुरक्षा राशि के रूप में गिरवी (Pledge) रखनी होगी (अस्वीकृत निविदादाताओं की सुरक्षा राशि वापस कर दी जाएगी)। * स्टेशनरी शुल्कः निविदा के लिए आवेदन करने वाले वेंडरों को स्टेशनरी खर्च के मद में रू.1,000/- की गैर-रिफंडेबल (नॉन-रिफंडेबल) राशि जमा करनी होगी। * जीएसटी और दरें: निविदादाता फर्म/वेंडर के पास वैध जीएसटी नंबर होना अनिवार्य है। दरें शब्दों और अंकों दोनों में स्पष्ट रूप से उधृत होनी चाहिए, जिसमें जीएसटी और सभी एफ.ओ.आर. (F.O.R.) साइट डिलीवरी शुल्क शामिल हों * अयोग्यता नियम (धारा 137, हिमाचल प्रदेश पंचायत राज अधिनियम नियम 1997): पंचायत का कोई भी पदाधिकारी (प्रधान, उप-प्रधान, वार्ड सदस्य) या उनके सीधे रक्त संबंध / परिवार सम्बन्ध (Blood Relation) का कोई भी व्यक्ति उसी ग्राम पंचायत में वेंडर/ठेकेदार के रूप में भाग नहीं ले सकता है। * भुगतान का तरीकाः ठेकेदारों/फर्मों को 100% भुगतान अनिवार्य रूप से केवल PFMS और RTGS डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से किया जाएगा। * अस्वीकृतिः सशर्त (Conditional) या अपूर्ण कोटेशन को तुरंत सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत टिक्कर खास
विकास खंड पंचरुखी, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

सोफ़िया मक्कारी का खूबसूरत अंदाज

अर्जेंटीना। सोफ़िया मक्कारी अर्जेंटीना की प्रसिद्ध महिला हॉकी खिलाड़ी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी मेहनत, कौशल और खेल भावना से उन्होंने अर्जेंटीना हॉकी में खास पहचान बनाई है।

फीफा वर्ल्ड कप 91वें मिनट में दागा निर्णायक गोल, पुर्तगाल को 1-0 से हारा

पुर्तगाल को हराकर स्पेन क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, डलास स्टेडियम, आर्लिंग्टन

स्पेन ने रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप-2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच का इकलौता और निर्णायक गोल स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने स्टॉपेज टाइम में किया। इस हार के साथ महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के विश्व कप करियर का भी अंत हो गया। पूरा मुकाबला बेहद कड़ा और संतुलित रहा। दोनों टीमों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हो सका और मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन 91वें मिनट में स्पेन ने शानदार रणनीति का परिचय देते हुए जीत दर्ज कर ली।

मैदान पर उतरने के कुछ ही मिनट बाद मिकेल मेरिनो ने अपनी सूझ-बूझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फाउल मिलने के बाद उन्होंने बिना समय गंवाए खेल दोबारा शुरू किया, आगे बढ़कर बॉक्स में जगह बनाई और फेरान टोरेस के सटीक पास को गोल में बदल दिया। यह गोल अंततः स्पेन की जीत का कारण बना।

स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते का मेरिनो को 85वें मिनट में मैदान पर उतारने का फैसला पूरी तरह सफल साबित हुआ। चोटों से जूझने के बावजूद मेरिनो ने इस विश्व कप में अपनी उपयोगिता साबित कर दी।

स्पेन ने 2010 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। टीम की सफलता में उसके मजबूत रक्षा पंक्ति की भी अहम भूमिका रही। गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक बिना गोल खाए नया रिकॉर्ड कायम किया, जबकि स्पेन विश्व कप इतिहास में लगातार छह क्लीन शीट रखने वाली पहली टीम बन गई। दूसरी ओर, 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए यह मुकाबला बेहद भावुक रहा। स्पेन के अनुशासित डिफेंस ने उन्हें पूरे मैच में कोई बड़ा मौका नहीं दिया। रोनाल्डो ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन 233 मैचों में 146 गोल के शानदार रिकॉर्ड के साथ किया। आठ वर्ष पहले रूस विश्व कप में रोनाल्डो की हैट्रिक की बदौलत दोनों टीमों के बीच 3-3 से रोमांचक मुकाबला हुआ था, लेकिन इस बार स्पेन ने संयम और रणनीति के दम पर जीत हासिल की। अब स्पेन क्वार्टर फाइनल में अमेरिका और बेल्जियम के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से कैलिफोर्निया के इंगलवुड में भिड़ेगा।

रोनाल्डो ने विश्व कप को कहा अलविदा

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि की है कि फीफा विश्व कप 2026 उनका आखिरी विश्व कप था। स्पेन के खिलाफ राउंड ऑफ-16 में 0-1 की हार के बाद भावुक रोनाल्डो ने कहा कि वह विश्व कप को अलविदा कह रहे हैं, लेकिन अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेंगे। रोनाल्डो ने कहा कि स्पेन को जीत में थोड़ी किस्मत का साथ मिला और मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था। उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सब कुछ दिया और अपनी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ी। यह मेरा आखिरी विश्व कप था, लेकिन अब मैं परिवार के साथ समय बिताकर शांति से आगे का फैसला करूंगा।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने यह साफ नहीं किया कि पुर्तगाल के लिए यह उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है या नहीं। उन्होंने कहा कि वह भावनाओं में बहकर कोई निर्णय नहीं लेना चाहते। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने सफर पर गर्व जताते हुए कहा कि उन्होंने टीम को तीन बड़े खिताब दिलाए। उन्होंने 2016 की यूरोपीय चैम्पियनशिप जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल बताया। उन्होंने पूर्व कोच रोबर्टो मार्टिनेज की भी तारीफ की और उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। रोनाल्डो ने कहा कि विश्व कप से बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन टीम को गर्व के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

फीफा विश्व कप: क्वार्टर फाइनल छह टीमों ने अंतिम-8 में बनाई जगह

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में क्वार्टर फाइनल की तस्वीर अब लगभग पूरी तरह साफ हो गई है। राउंड ऑफ-16 के शुरुआती मुकाबलों के बाद छह टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी दो स्थानों का फैसला आज होने वाले मुकाबलों के बाद होगा। अब तक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों में मोरक्को, फ्रांस, नॉर्वे, इंग्लैंड, स्पेन और बेल्जियम शामिल हैं।

मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराकर सबसे पहले अंतिम-8 का टिकट कटाया। इसके बाद फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से मात दी। सबसे बड़ा उलटफेर नॉर्वे ने किया, जिसने पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया, जबकि स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेल्जियम ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 4-1 से हराकर अंतिम-8 में अपनी जगह मजबूत कर ली।

अब सभी की नजरें राउंड ऑफ-16 के आखिरी दो मुकाबलों पर टिकी हैं। आज अर्जेंटीना और मिस्र के बीच होने वाले मैच से एक और क्वार्टर फाइनलिस्ट का फैसला होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में स्विट्जरलैंड और कोलंबिया आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैचों के बाद क्वार्टर फाइनल की आठों टीमें तय हो जाएंगी और खिताब की जंग और भी रोमांचक हो जाएगी।

स्पोर्ट्स विंडो

भारत में पहली बार आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम शुरू

एजेंसी, नोएडा। स्कूल स्तर पर टेबल टेनिस को मजबूत बनाने के उद्देश्य से भारत में पहली बार आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इंटरनेशनल स्कूल्स स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (आईएसएसओ) ने इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएफ) अकादमी और इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन (आईटीटीएफ) के सहयोग से इस पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम की शुरुआत की है। नोएडा स्थित प्रोमेथियस स्कूल में 6 से 10 जुलाई तक आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में देशभर के 22 शारीरिक शिक्षा शिक्षक, स्कूल कोच और टेबल टेनिस प्रशिक्षक हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन थाईलैंड की आईटीटीएफ प्रशिक्षक क्रिस्टीना ची कर रही हैं। इसमें प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय कोचिंग तकनीक, खिलाड़ियों के विकास, प्रशिक्षण योजना और आधुनिक अभ्यास पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है। क्रिस्टीना ची ने कहा कि मजबूत खेल व्यवस्था के लिए बेहतर कोच शिक्षा जरूरी है। वहीं, आईएसएसओ के सह-निदेशक गौरव दीक्षित ने कहा कि इस पहल से स्कूल स्तर पर टेबल टेनिस को बढ़ावा मिलेगा और युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। आईएसएसओ इससे पहले भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं के साथ मिलकर कोच शिक्षा कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। संस्था का लक्ष्य भारतीय स्कूल खेल प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

चांदी 4,408 रुपए गिरी, सोना 1,442 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस आज यानी 7 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,442 रुपए गिरकर 1.44 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 4,408 रुपए गिरकर 2.29 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले बीते महीने यानी जून में सोना-चांदी में गिरावट रही थी। बीते महीने सोना 15 हजार और चांदी 38 हजार रुपए सस्ती हुई थी।

सेंसेक्स 78,181 पर बंद, निफ्टी भी 24,399 पर आया

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 7 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 104 अंक की गिरावट के साथ 78,181 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 24,399 पर बंद हुआ। मेटल और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। वहीं, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

ट्रंप के आरोपों के बीच फीफा ने रेफरी क्लॉस का किया बचाव

एजेंसी, मियामी

फीफा विश्व कप-2026 में अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन के रेड कार्ड विवाद के बाद फीफा ने ब्राजीलियाई रेफरी राफेल क्लॉस का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्लॉस की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जाने के बाद फीफा ने कहा कि क्लॉस दुनिया के शीर्ष रेफरियों में शामिल हैं और उनकी ईमानदारी व पेशेवर क्षमता पर पूरा भरोसा है।

यह विवाद बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ मुकाबले में बालोगुन को वीएआर समीक्षा के बाद मिले रेड कार्ड से शुरू हुआ था। क्लॉस ने उन्हें तारिक मुहरेमोविच के टखने पर स्टड लगाने का दोषी मानते हुए मैदान से बाहर भेजा था। हालांकि, बाद में फीफा ने एक मैच का प्रतिबंध हटा दिया, जिससे बालोगुन बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हो गए। ट्रंप ने रेफरी क्लॉस के पुराने रिकॉर्ड पर सवाल उठाए थे, लेकिन अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस

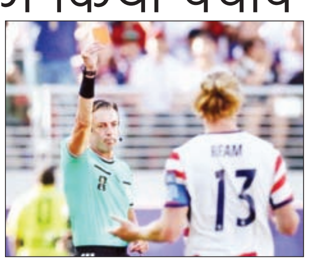

उदाहरण नहीं दिया। इसके बाद फीफा ने बयान जारी कर क्लॉस को अनुभवी और सम्मानित अधिकारी बताया।

फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैन्टिनो ने कहा कि रेफरियों और खेल के नियमों का सम्मान करना जरूरी है। वहीं, रेफरी समिति के अध्यक्ष पियरलुइगी कोलिना ने भी क्लॉस पर भरोसा जताते हुए कहा कि वह अनुभवी और विश्व स्तरीय रेफरी हैं। 46 वर्षीय राफेल क्लॉस 600 से अधिक मैचों में रेफरिंग कर चुके हैं और यह उनका दूसरा फीफा विश्व कप है। विवाद के बावजूद फीफा ने साफ कर दिया है कि वह अपने रेफरी के साथ खड़ा है।

महिला यूथ हॉकी-5 एशियाई चैंपियनशिप के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाली पहली महिला यूथ हॉकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए 15 सदस्यीय सब जूनियर महिला टीम की घोषणा कर दी है। चयनित खिलाड़ी भोपाल स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में 4 से 18 जुलाई तक चल रहे राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं। शिविर भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और सब जूनियर टीम की मुख्य कोच रानी की निगरानी में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को हॉकी-5 के तेज और नए प्रारूप के लिए तकनीकी व सामरिक रूप से तैयार करना है। हॉकी इंडिया के अनुसार भोपाल युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख उच्च प्रदर्शन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। कोच रानी ने कहा कि यह चैंपियनशिप युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने का बेहतरीन अवसर देगी।

पहली बार प्रतियोगिता में उतर रही टीम को हॉकी-5 की बारीकियों और खेल रणनीति से परिचित कराया जा रहा है। हॉकी इंडिया ने बताया कि यह शिविर देश में मजबूत प्रतिभा विकास प्रणाली तैयार करने की योजना का हिस्सा है। संस्था का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसर देकर भविष्य की जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय टीमों के लिए तैयार करना है।

प्रो बॉक्सिंग लीग: तालकटोरा स्टेडियम में आज से दिखेगा मुक्केबाजों का दम

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) की प्रो बॉक्सिंग लीग का उद्घाटन सोमवार को तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में हुआ और मंगलवार से तालकटोरा स्टेडियम में लीग के मुकाबलों का रोमांच शुरू हो गया, जिसमें देशभर के उभरते मुक्केबाज चार फ्रेंचाइजी टीमों की ओर से रिंग में उतरेंगे। आईएबीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि यह लीग भारतीय मुक्केबाजी को नई पहचान देने के साथ-साथ वर्ष 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखकर नई प्रतिभाओं को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह प्रदर्शन और प्रतिभा के आधार पर किया गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग भारतीय बॉक्सिंग के लिए नया अध्याय साबित होगी और इसके माध्यम से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

आईएबीएफ के महासचिव राकेश ठाकरान ने बताया कि प्रतियोगिता 10 जुलाई तक प्रतिदिन आयोजित होगी। लीग के मुकाबलों का सीधा प्रसारण दूरदर्शन स्पोर्ट्स, जियोहॉटस्टार और अन्य डिजिटल मंचों पर किया जाएगा। दर्शकों के लिए टिकट बुकमायशो के माध्यम से उपलब्ध हैं। आयोजन समिति के अनुसार खिलाड़ियों के आवास, भोजन, परिवहन और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता के दौरान दिल्ली-एनसीआर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि युवाओं में मुक्केबाजी के प्रति रुचि बढ़ाई जा सके।

शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची खामेनेई की अंतिम यात्रा

एजेंसी, तेहरान

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के प्रमुख धार्मिक शहर कोम में निकाली जा रही है। तेहरान के बाद यहां भी लगातार दूसरे दिन लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे हैं। खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के ताबूत जमकरान मस्जिद लाए गए, जहां आयतुल्ला जवादी अमोली ने जनाजे की नमाज अदा कराई। मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ड्रोन फुटेज में पूरा इलाका लोगों से खचाखच भरा दिखाई दिया।

कोम शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई ने अपने शुरुआती धार्मिक जीवन में यहीं इस्लामी शिक्षा हासिल की थी। इसलिए उनकी अंतिम यात्रा का यह पड़ाव खास माना जा रहा है। 8 जुलाई को खामेनेई के ताबूत को इराक के नजफ और कर्बाला ले जाया जाएगा। यहां इराक के शिया समुदाय के अंतिम दर्शन के लिए जनाजे का जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद ईरान में उनके गृह नगर मशहद ले जाया जाएगा, जहां वीरवार को इमाम रजा दरगाह परिसर में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

धान से लेकर कपास तक फसलों पर मौसम की लगातार मार

पिछले साल के मुकाबले 21 फीसदी घटी खरीफ रोपाई

एजेंसी, नई दिल्ली

अल नीनो के कारण इस साल कमजोर पड़े मानसून का असर खरीफ फसलों की बुवाई पर बना हुआ है। कृषि मंत्रालय के पांच जुलाई तक के आंकड़ों के अनुसार बीते साल के मुकाबले इस बार कुल बुवाई क्षेत्र में 91.95 लाख हेक्टेयर की कमी देखी गयी है और यह 20.76 प्रतिशत की गिरावट है। मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक मात्र 350.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही फसलों की बुवाई हो सकी है, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक यह आंकड़ा 442.80 लाख हेक्टेयर तक पहुँच चुका था।

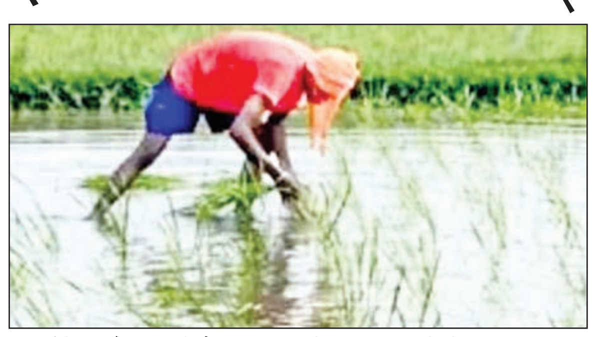

मौसम की बेरुखाई का सीधा प्रभाव देश की मुख्य खाद्य फसल धान पर दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष पांच जुलाई तक केवल 60.24 लाख हेक्टेयर भूमि पर ही धान की बुवाई या रोपाई पूरी हो पाई है। इसके विपरीत, वर्ष 2025 में इसी समय तक 69.30 लाख हेक्टेयर में धान की खेती हुई थी। इस लिहाज से चालू सीजन में धान का क्षेत्र पिछले साल की तुलना में 9.06 लाख हेक्टेयर यानी लगभग 13.07 कम बना हुआ है।

दलहन के मोर्चे पर भी इस बार बुवाई की रफ्तार काफी धीमी है। पिछले साल के 47.49 लाख हेक्टेयर के मुकाबले इस बार अभी तक महज 37.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन की फसलें बोई गई हैं।

पुर्तगाल में जंगल की आग से मचा हाहाकार, 30 हजार हेक्टेयर इलाका राख

एजेंसी, लिस्बन। यूरोपीय देश पुर्तगाल इस समय भीषण जंगल की आग (वाइल्डफायर) की चपेट में है, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक 4,592 से अधिक आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें लगभग 30,155 हेक्टेयर भूमि जलकर राख हो चुकी है। यह स्थिति पिछले साल की तुलना में चार गुना अधिक गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ ही दिनों में आग का दायरा तेजी से बढ़ा है, जो 2017 के बाद से सबसे भयावह स्थिति को दर्शाता है।

अत्यधिक तापमान और 'रेड हीट' चेतावनी के कारण पुर्तगाल सरकार ने पूरे देश में आपातकाल (इमरजेंसी) घोषित कर दी है। देश के 18 में से 12 जिलों में स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिसके चलते प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी किया है। जान-माल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने यूरोपीय नागरिक सुरक्षा तंत्र को सक्रिय कर दिया है, ताकि पड़ोसी देशों स्पेन और मोरक्को से अतिरिक्त अग्निशमन संसाधन और मदद जुटाई जा सके।

पौधारोपण अमित शाह बोले पर्यावरण संतुलन के बिना विकास अधूरा, हर नागरिक लगाए एक पेड़

'मिशन 70 लाख पौधारोपण' कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ: शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मिशन 70 लाख पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ और दिल्ली सरकार के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। गृह मंत्री ने नरेला में उच्च सुरक्षा वाली जेल का शिलान्यास, स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र का लोकार्पण, तीन नए डिपो का उद्घाटन , 300 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ किया और केन्द्रीय रिज एवं नानकपुरा रिज में वृक्षारोपण कर दिल्ली रिज के पुनर्जीवन अभियान की भी शुरुआत की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, दिल्ली के उप-राज्यपाल तरणजीत सिंह संधु, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि वर्षों से दिल्ली रिज में विदेशी और जहरीले बबूल जैसे वृक्षों ने जगह बना ली थी जो पर्यावरण के अनुकूल नहीं हैं, अब इन्हें हटाकर देशी प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में दिल्ली के 7,784 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को भारतीय वन अधिनियम के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन इसकी अंतिम अधिसूचना 30 वर्षों से लंबित थी।

दिल्ली सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए इसमें से लगभग 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी रिज को कानूनी संरक्षण दिलाकर उसकी जैव विविधता, मिट्टी, पानी और दिल्ली के पर्यावरण को नया स्वरूप देगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के रिज में अगले तीन वर्षों में पीपल, बरगद, नीम, अर्जुन, जामुन जैसे देशी वृक्ष लगाये जायेंगे जिससे दिल्ली की हवा साफ होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू करके देश में पर्यावरण संतुलन का अद्भुत प्रयोग आरंभ किया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम और पृथ्वी मां के लिए पेड़ लगाएं। दोहरे उद्देश्य वाला यह अभियान आगामी दिनों में भारत को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को यह संदेश दिया है कि पर्यावरण संतुलन की चिंता किए बिना विकास बेईमानी है। श्री शाह ने सभी दिल्लीवासियों से अपील की कि वे ग्रीन ड्राइव पोर्टल पर जाकर वृक्षारोपण के लिए अपना स्लॉट बुक करें और अपने आसपास के स्कूलों, कॉलोनियों, मंदिरों, सोसाइटियों में, - जहां भी भूमि उपलब्ध हो - वहाँ वृक्ष लगाकर हरी-भरी दिल्ली का संकल्प साकार करें।

बलूचिस्तान में बांध परियोजना की सुरक्षा में तैनात पुलिस दल पर हमला, नौ पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक बड़े आतंकी हमले की घटना सामने आई। जियारत जिले में निर्माणाधीन मांगी बांध परियोजना की सुरक्षा में तैनात पुलिस दल को बंदूकधारियों ने निशाना बनाया। इस हमले में कम से कम नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य कर्मियों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और लापता पुलिसकर्मियों की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है।

जियारत जिले के उपायुक्त अब्दुल कुद्दूस अचकजई के अनुसार, हमलावरों ने बांध परियोजना की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले के समय पुलिसकर्मी परियोजना स्थल की सुरक्षा में तैनात थे। गोलीबारी में नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। मृतकों में दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल बताए जा रहे हैं। अचानक हुए इस हमले से इलाके में दहशत फैल गई।

हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। हालांकि बलूचिस्तान क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय उग्रवादी संगठनों की गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां कई पहलुओं से मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। प्रशासन के अनुसार, इस अभियान के दौरान तहरीक-ए-पाकिस्तान तालिबान के 15 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया गया है।

हमले के विरोध में स्थानीय लोगों ने भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को कुछ समय के लिए अवरुद्ध कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हिंसक घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए और आम लोगों तथा सुरक्षा कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।